हिन्दी दैनिक
प्रत्यूष नवबिहार
जोहार
रांची संस्करण
www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com
रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित
रांची • गुरुवार • 25.12.2025 • वर्ष : 16 • अंक : 150 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

झारखंड की पेसा नियमावली पूरे देश के लिए बनेगी नजीर : हेमन्त सोरेन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : पेसा नियमावली को राज्य मंत्रिपरिषद से मंजूरी मिलने का जश्न पूरा राज्य मना रहा है। इस कड़ी में राज्य के अनुसूचित जनजातीय क्षेत्र से आए पारंपरिक प्रधान/ प्रमुख/ मुखिया के साथ सिविल सोसाइटी के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री आवासीय परिसर में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन को पेसा नियमावली लागू करने की दिशा में लिए गए निर्णायक फैसले के लिए आभार जताया। मुख्यमंत्री ने भी नगाड़ा बजाकर अपनी खुशियों का इजहार किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि आज पेसा दिवस भी मना रहे हैं। इस विशेष अवसर पर राज्य सरकार ने पेसा नियमावली को अंतिम मुकाम तक पहुंचाने का जो लक्ष्य निर्धारित किया था, वह साकार हो रहा है। पेसा कानून धरातल पर उतरने को तैयार है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सरकार जो नियम- कानून बनाती है, उसमें विसंगतियां नहीं होती है, लेकिन उसके क्रियान्वयन में गड़बड़ी होने से सुखद परिणाम नहीं मिल पाता है। मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि पेसा नियमावली के तहत पंचायतों को जो अधिकार प्राप्त होंगे, उसका ईमानदारी से पालन और क्रियान्वयन हो, तभी यह सफल होगा।

पूर्वजों के सपने को कर रहे हैं साकार

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने झारखंड राज्य के लिए जो सपना देखा था, उसे हमारी सरकार पूरा करने का लगातार प्रयास कर रही है। इसी क्रम में जल - जंगल- जमीन की रक्षा, अपनी सभ्यता- संस्कृति और पहचान को बरकरार रखने एवं पारंपरिक स्थानीय स्वशासन व्यवस्था को मजबूत करना हमारे सरकार की शुरू से प्राथमिकता रही है। इसी सिलसिले में पेसा कानून को लागू करने का जो निर्णय लिया था, वह आकार लेने जा रहा है। अब हमारे पारंपरिक ग्राम प्रधानों और प्रमुखों को उनका हक- अधिकार मिलने जा रहा है। यह अनुसूचित जनजातीय क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर साबित होगा।

पेसा सिर्फ कानून नहीं, यह हमारी भावनाओं का परिचायक है

मुख्यमंत्री ने कहा कि पेसा सिर्फ एक कानून नहीं है। इसके साथ हमारी भावनाएं जुड़ी हुई हैं। लंबे समय से पेसा कानून की मांग हो रही थी। इसमें अड़चनें भी आती रही, लेकिन जन प्रतिनिधियों, आम जन तथा सिविल सोसाइटी के प्रतिनिधियों से प्राप्त विचारों एवं सुझावों के आधार पर इसका ड्राफ्ट तैयार किया गया, जिसे कानूनी दर्जा देने के साथ इसे लागू करने की दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं। मुझे विश्वास है कि झारखंड का पेसा नियमावली पूरे देश के लिए नाजीर बनेगा। मुख्यमंत्री ने पेसा नियमावली का ड्राफ्ट तैयार करने में अहम भूमिका निभाने वालों को धन्यवाद दिया।

पारंपरिक स्वशासन व्यवस्था को सशक्त बनाने का लक्ष्य हो रहा पूरा

मुख्यमंत्री ने कहा कि अनुसूचित क्षेत्र में पारंपरिक स्वशासन व्यवस्था को सशक्त बनाने का हमारा जो लक्ष्य था, वह पूरा होने जा रहा है। अब जनजातीय समुदायों को अपनी परंपराओं, संस्कृति, भूमि, जल और प्राकृतिक संसाधनों के इस्तेमाल का हक- अधिकार मिल सकेगा। इस नियमावली के लागू होने से अनुसूचित क्षेत्र में ग्राम सभाएँ शक्तिशाली होंगी और निर्णय लेने का अधिकार भी प्राप्त होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाली पीढ़ी का भविष्य सुरक्षित हो, इस दिशा में हमारी सरकार ने कई कदम उठाए हैं।

हम सभी के जीवन में खुशियां बरकरार रहे प्रभु यीशु से यही प्रार्थना है : मुख्यमंत्री

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन एवं विधायक कल्पना सोरेन से बुधवार कोमुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में रांची जिले में अवस्थित जीईएल चर्च, एनडब्ल्यू जीईएल चर्च, सीएनआई चर्च एवं पेंटीकॉस्टल चर्च के पुरोहित तथा यूथ लीडर्स ने शिष्टाचार भेंट कर क्रिसमस की बधाई दी। मुख्यमंत्री ने भी सभी को क्रिसमस की ढेरों बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस विशेष अवसर पर उन्होंने केक काटकर प्रभु यीशु के आगमन की खुशियों को सेलिब्रेट किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि क्रिसमस का उत्सव परमेश्वर के प्रति असीम प्रेम और आस्था को दर्शाता है। यह पर्व समाज में शांति, एकता, सद्भाव और एकजुटता की भावना को मजबूत करता है। हम सभी के जीवन में खुशियां हमेशा बरकरार रहे, प्रभु यीशु से यह प्रार्थना करते हैं। इस मौके पर विधायक राजेश कच्छप, आर्च बिशप राजू सतीश टोप्पो, बिशप निस्तार कुजूर, बिशप अनुराग मिंज, जीईएल चर्च के महासचिव ईश्वर दत्त कंडुलना, रेव्ह माइकल कच्छप, पादरी निरल बागे, सुजीत कुजूर, सजीत टोप्पो, आकाश तिर्की एवं विकास तिर्की मौजूद थे।

20 साल बाद साथ आए ठाकरे बंधु

मुंबई : महाराष्ट्र की सियासत में ठाकरे बंधुओं ने एक बड़ा फैसला लेकर सबको चौंका दिया है। 20 साल बाद उद्धव-राज ठाकरे एक साथ चुनाव लड़ने जा रहे हैं। शिवसेना (यूबीटी) और मनसे मिलकर बीएमसी चुनाव लड़ेंगे। बुधवार को दोनों भाईयों ने संयुक्त प्रेस वार्ता करके इसका एलान किया। घोषणा से पहले उद्धव ठाकरे और एमएनएस प्रमुख राज ठाकरे ने अपने परिवारों के साथ शिवाजी पार्क में बालासाहेब ठाकरे के स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की। उद्धव ठाकरे ने कहा कि हम साथ रहने के लिए ही एकजुट हुए हैं। मुंबई या महाराष्ट्र पर किसी ने टेढ़ी नजर डाली, तो उसकी सियासत खत्म कर देंगे, यह शपथ लेकर हम साथ आए हैं। विधानसभा चुनाव के वक्त भाजपा ने यह गलत प्रचार किया था कि कटेंगे, तो बटेंगे। इसी पर अब हम मराठी लोगों से यह कहना चाहते हैं कि अगर अब चूक गए, तो खत्म हो जाओगे। अगर आपस में फूट पड़ी, तो पूरी तरह खत्म हो जाओगे। मराठी माणूस किसी के आड़े नहीं आता, लेकिन अगर कोई उसके रास्ते में आ गया, तो वह उसे वापस नहीं जाने देता। राज ठाकरे ने कहा कि किसी भी दल से महाराष्ट्र बड़ा है। हम अभी कोई आंकड़ा नहीं बताएंगे। समय आने पर इसकी घोषणा की जाएगी। बहुत दिनों से महाराष्ट्र जिसका इंतजार कर रहा था, उस शिवसेना-मनसे के बीच आज आखिरकार गठबंधन हो गया है। महाविकास अघाड़ी के सवाल पर उद्धव ने चुटकी ली। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने तो जाहिर कर ही दिया है।

एक नजर

राष्ट्रपति ने देशवासियों को दी क्रिसमस की बधाई और शुभकामनाएं

नयी दिल्ली : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने देशवासियों को क्रिसमस के अवसर पर बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। श्रीमती मुर्मू ने बुधवार को क्रिसमस की पूर्व संध्या पर अपने संदेश में कहा, क्रिसमस के शुभ अवसर पर, मैं सभी देशवासियों, विशेषकर ईसाई भाईयों और बहनों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूं। हर्ष और उल्लास का त्योहार क्रिसमस प्रेम और करुणा का संदेश देता है। यह पर्व प्रभु ईसा मसीह द्वारा मानवता के कल्याण के लिए दिए गए बलिदान की याद दिलाता है। यह पर्व हमें समाज में शांति, सद्भाव, समानता और सेवा की भावना को और सुदृढ़ करने की प्रेरणा देता है। आइए, हम सब, ईसा मसीह के दिखाए मार्ग पर चलने का दृढ़ संकल्प लें और एक ऐसे समाज का निर्माण करें जहां दया और समरसता की भावना को बढ़ावा मिले।

झारखंड के 13 जिलों में बढ़ेगी ठंड राजधानी रांची में शीतलहर का अलर्ट

- आठ जिलों में घने कोहरे का अलर्ट, रांची की विजिबिलिटी 500 मीटर
- रांची का न्यूनतम पारा पहुंचा 8.5 डिग्री सेल्सियस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में ठंड ने अपना असर और तेज कर दिया है। मौसम विभाग ने गुरुवार को राज्य के 13 जिलों में शीतलहर चलने का अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार 24 और 25 दिसंबर को राज्य के कई हिस्सों में ठंडी हवाओं के कारण तापमान में और गिरावट दर्ज की जा सकती है।

मौसम विभाग ने जिन जिलों में शीतलहर की संभावना जताई है, उनमें मध्यवर्ती जिले रांची, खूंटी, रामगढ़, हजारीबाग, गुमला, सिमडेगा, बोकारो, कोडरमा और धनबाद शामिल हैं। इसके अलावा पश्चिमी झारखंड के जिले पलामू, गढ़वा, लातेहार और चतरा भी शीतलहर की चपेट में रहेंगे। मौसम विभाग ने बताया कि जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में हो रही भारी बर्फबारी के कारण वहां से निकलने वाली ठंडी हवाएं देश के मध्यवर्ती हिस्सों में प्रवेश कर रही हैं। इसी का असर झारखंड सहित कई राज्यों में देखने को मिल रहा है, जहां शीतलहर की स्थिति बनी हुई है।

शीतलहर के प्रभाव से राज्य के विभिन्न जिलों में न्यूनतम तापमान में और गिरावट की संभावना है। खासकर रांची और आसपास के इलाकों में कनकनी बढ़ने से लोगों को सुबह और रात के समय ज्यादा ठंड का सामना करना पड़ सकता है। बुजुर्गों, बच्चों और बीमार लोगों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। बीते 24 घंटों के दौरान राज्य में तापमान में काफी अंतर देखा गया। चाईबासा में जहां सबसे अधिक तापमान 26.6 डिग्री सेल्सियस रहा, वहीं गुमला में सबसे कम तापमान 3.9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। बुधवार को रांची समेत कई जिलों में सुबह से ही मध्यम गति की ठंडी हवाएं चलती रहीं। इससे पूरे दिन लोगों को ठंड का अहसास होता रहा। हालांकि, राहत की बात यह रही कि मौसम साफ रहा, जिससे लोगों ने धूप का आनंद लिया और दिन में कुछ हद तक ठंड से राहत मिली।

कोयला मंत्री ने किया बेलगड़िया में कई परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी दो दिवसीय दौरे के तहत बुधवार को धनबाद के बेलगड़िया टाउनशिप पहुंचे। इस दौरान उन्होंने दुनिया के सबसे बड़े विस्थापन स्थलों में शामिल बेलगड़िया क्षेत्र का दौरा कर झरिया पुनर्वास एवं विकास प्राधिकरण द्वारा संचालित विकास एवं पुनर्वास कार्यों की समीक्षा की।

दौरे के दौरान केंद्रीय मंत्री ने विस्थापित परिवारों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और उन्हें सभी आवश्यक बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि पुनर्वास प्रक्रिया को मानवीय दृष्टिकोण से और अधिक सशक्त बनाया जाएगा। बेलगड़िया टाउनशिप में केंद्रीय मंत्री ने सोलर स्ट्रीट लाइट का उद्घाटन किया। साथ ही फेज-6, 7 और 8 के शेष विकास कार्यों का शिलान्यास भी किया। कार्यक्रम के दौरान जेआरडीए के प्रशासनिक भवन, आंगनबाड़ी केंद्र और शॉपिंग कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन किया गया। इसके अलावा आम लोगों की सुविधा के लिए ई-रिक्शा का वितरण भी किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि झरिया क्षेत्र में पिछले 100 वर्षों से भूमिगत कोयला आग की गंभीर समस्या बनी हुई है। जमीन के नीचे सुलगती आग, धुआं और जहरीली गैसों के कारण लोगों को हर समय खतरे का सामना करना पड़ता है। इसे ध्यान में रखते हुए केंद्र और राज्य सरकार मिलकर प्रभावित लोगों के लिए सुरक्षित, आधुनिक और सुविधायुक्त टाउनशिप विकसित कर रही हैं। उन्होंने बताया कि अब तक दो टाउनशिप का निर्माण किया जा चुका है जहां लगभग 30 हजार आवास तैयार किए गए हैं। उन्होंने कहा आगे भी आवश्यकता के अनुसार और आवासों का निर्माण किया जाएगा। टाउनशिप में स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र, सुरक्षा व्यवस्था, पेयजल और अन्य मूलभूत सुविधाओं का तेजी से विकास किया जा रहा है। गौरतलब है कि दौरे के पहले दिन केंद्रीय मंत्री ने आईएसएम धनबाद का दौरा किया था जहां उन्होंने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ऑन क्रिटिकल मिनरल्स और वर्चुअल माइंस सिम्युलेटर का उद्घाटन किया था।

एक नजर

आनंद मेहता युवा कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष बने

बड़कागांव : सौंड़ ग्राम निवासी आनंद कुमार मेहता ने ऑनलाइन वोटिंग में 356 वोटों से विजय हासिल कर बड़कागांव युवा कांग्रेस के नए प्रखंड अध्यक्ष चुने गए है। उक्त आशय की जानकारी आनंद मेहता ने दी है। प्रखंड अध्यक्ष बनने पर मुख्य रूप से बधाई देने में पूर्व कृषि मंत्री योगेंद्र साहू, पूर्व विधायक अंबा प्रसाद, विशेश्वर नाथ चौबे, अंकित राज, जिला परिषद प्रतिनिधि दीपक करमाली, सुरेश महतो, 20 सूत्री हाजी तबस्सुम खान, पंसस सुरेश चौधरी तनवीर आलम, रविंद्र गुप्ता, दशरथ प्रसाद महतो, ग्राम अध्यक्ष कित्यानंद महतो, पंकज साहू, जितेंद्र ठाकुर, युवा नेता बजरंग ठाकुर, रणधीर कुमार, चंदन कुमार आदी प्रखंड के युवाओं ने बधाई दिए।

एसडीपीओ ने महिला थाना का किया वार्षिक जांच

बरही : एसडीपीओ अजीत कुमार विमल ने बुधवार को महिला थाना का वार्षिक जांच किया। इस दौरान उन्होंने थाने के सभी पंजीयों की जांच की, वहीं एसडीपीओ में निरीक्षण के क्रम में थाना में विभिन्न पंजी - अभिलेखों का अवलोकन किया। जिसे लेकर उन्होंने महिला किरण कच्छप को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान सिरिस्ता कार्य एवं अभिलेखों का रख - रखाव ठीक पाया, वहीं उन्होंने थाने में आने वाले लोगों से बेहतर व्यवहार करे और उनके कार्यों का निष्पादन समय कर करे। ताकि लोगों को किसी भी प्रकार की कोई परेशानी ना हो। साथ ही एसडीपीओ अजीत कुमार विमल ने बताया कि महिला थाना में वर्ष 2025 में कुल 498 आवेदन प्राप्त हुए, जिसमें 408 का निष्पादन कर दिया गया। जबकि 15 मामलों में प्राथमिकी दर्ज की गई है और शेष 75 मामलों में काउंसलिंग चल रही है। मौके पर पुलिस अंचल निरीक्षक चंद्रशेखर कुमार, अभय सिंह एवं दिनेश कुमार समेत महिला थाना के कई अन्य जवान मौजूद थे।

पूर्व मुखिया पारसनाथ प्रसाद के पिता जूठन महतो का निधन

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत कांडतरी पंचायत के पूर्व मुखिया पारसनाथ प्रसाद के पिता 95 वर्षीय जूठन महतो निधन हृदय गति रुकने से हो गई। परिजनों ने बताया कि अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई और इलाज हेतु रांची ले जाया गया जहां इलाज के दौरान उनका निधन हो गया। उनके निधन की सूचना सुनते ही पूरे गांव और क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई। शव यात्रा ग्राम सोनपुरा में भ्रमण कर हहारो नदी अग्नि संस्कार श्मशान घाट में किया गया। मुखाग्नि बड़े पुत्र राम लखन महतो ने दी। बताते चलें कि समाजसेवी जूठन महतो क्षेत्र के समाज के कार्यों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते थे। उनका सोनपुरा में पांच बहिनी मंदिर निर्माण में बड़े ही योगदान था। शोका कुल परिवार से हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल ने मिलकर शोक संवेदना व्यक्त की। और ढाढ़स बंधाया। शव यात्रा में मुख्य रूप से पूर्व विधायक लोकनाथ महतो, लोकसभा सांसद प्रतिनिधि सत्येंद्र नारायण सिंह, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष संजय सिंह, मुखिया संघ प्रखंड अध्यक्ष सह सांसद प्रतिनिधि रंजीत कुमार ,पूर्व कुलपति मुकुल नारायण देव, पंसस उपेंद्र कुमार प्रसाद, कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष विशेश्वर नाथ चौबे, पूर्व प्रमुख टुकेश्वर प्रसाद, केंद्रीय कुशवाहा समाज अध्यक्ष सोहनलाल मेहता, पंचम कुमार तपेश्वर कुमार, महेंद्र कुमार, गणेश कुमार, मोहित कुमार, कामेश्वर महतो, रविंद्र महतो, सरजू महतो,सुरेंद्र महतो, उदय कुमार सहित सैकड़ो लोग शामिल थे।

सांसद मनीष जायसवाल ने किया 'सेवा वर्ष 2024-25' का रिपोर्ट जारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने अपने जनप्रतिनिधि कार्यकाल की वर्षों पुरानी परंपरा का निर्वहन करते हुए बुधवार को हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत संपूर्ण हजारीबाग जिले के साथ चतरा जिले में पड़ने वाले पिपरवार मंडल और कोडरमा जिले में पड़ने वाले चंदवारा मंडल के पत्रकारों के साथ सांसद वार्षिक प्रेस वार्ता का आयोजन कर अपना वार्षिक रिपोर्ट कार्ड 'सेवा वर्ष 2024-25' जारी किया। उनके इस वार्षिक रिपोर्ट कार्ड में उनके सक्रिय कार्यकाल का लेखा-जोखा है साथ ही क्षेत्र के विकास के प्रति उनके अटल संकल्प और परिणामोन्मुखी जनप्रतिनिधित्व का जीवंत प्रमाण भी है। 'विकसित भारत के साथ विकसित हजारीबाग' के ध्येय को लेकर हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद जायसवाल ने पिछले एक वर्ष में संसद के गलियारों से लेकर जन-सरोकार की सड़कों तक हर मोर्चे पर हजारीबाग और समूचे झारखंड के लिए संघर्ष किया है। उनके द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट कार्ड में संसद के मानसून सत्र-2024 से लेकर शीतकालीन सत्र-2025 तक कुल 100 से अधिक महत्वपूर्ण प्रश्नों और मुद्दों को संसद पटल पर पुरजोर तरीके से जनहित में उठाया जो सीधे तौर पर हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के जनजीवन को प्रभावित करते हैं। साथ ही उन्होंने बताया कि क्षेत्र की समस्याओं को संसद तक पहुंचाने के लिए 118 जनहित के प्रश्न उठाए गए। इनमें 2024-25 के मानसून सत्र में 15, शीतकालीन सत्र में 36, बजट सत्र में 26 तथा 2025-26 के मानसून सत्र में 30 और शीतकालीन सत्र में 11 मुद्दों पर चर्चा की गई। विकास कार्यों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि झारखंड की कमजोर वित्तीय स्थिति के बावजूद डीएमएफटी मद से 410 करोड़ रुपये की योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनमें सड़क, पेयजल, स्वच्छता, शिक्षा, स्किल डेवलपमेंट और ह्यूमन वेलफेयर शामिल हैं। खेलों के क्षेत्र में हजारीबाग को राष्ट्रीय पहचान दिलाने की दिशा में किए गए प्रयासों का जिक्र करते हुए उन्होंने कूच बिहार एलिट ग्रुप मैच के सफल आयोजन और नमो फुटबॉल टूर्नामेंट का उल्लेख किया, जिसमें 22 प्रखंडों की 484 टीमों के 20,260 खिलाड़ियों ने भाग लिया। इसके अलावा कबड्डी, आर्चरी, शतरंज और क्रिकेट प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। बुनियादी ढांचा और कनेक्टिविटी पर ध्यान देते हुए सांसद ने बताया कि एनएच-522 और जीटी रोड सिक्स लेन का कार्य तेजी से चल रहा है। साथ ही कोडरमा-हजारीबाग-बरकाकाना रेलवे दोहरीकरण के लिए 3,063 करोड़ रुपये की कैबिनेट स्वीकृति मिली है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में रोजगार सृजन के लिए कोल इंडिया, ऊर्जा, खनन सहित विभिन्न विभागों के उच्च अधिकारियों और मंत्रियों से लगातार संपर्क कर विकास के लिए सहयोग मांगा गया है। मौके पर विशेष रूप से जिला परिषद अध्यक्ष उमेश प्रसाद मेहता, भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह, भाजपा, ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अमरदीप यादव विवेकानंद सिंह, क्यूम अहमद, सत्येंद्र नारायण सिंह, अजय कुमार साव,बिनोद झुनझुनवाला, किशोरी राणा, सुनील मेहता, रमेश ठाकुर, शेफाली गुप्ता, रेणुका साहू, साक्षी राणा, और हजारीबाग जिले के भाजपा जिला पदाधिकारीगण मौजूद रहें।

केरेडारी हिंदू समुदाय के लोगों ने निकाला आक्रोश मार्च

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

केरेडारी : प्रखंड बीते दिनों बांग्ला देश में हिंदू समुदाय के दीपू चंद्र दास की निर्मम हत्या के विरोध में केरेडारी में हिंदू समुदाय के लोगों ने बांग्ला देश के अंतरिम सरकार मो युनुस का पुतला केरेडारी प्रखंड के केरेडारी मैन चौक में फुक कर बांग्ला देश में हिंदू समुदाय के लोगों पर हो रहे अत्याचार और हत्या के विरोध में मशाल जुलूस के साथ आक्रोश मार्च निकाला। आक्रोश मार्च केरेडारी बेल चौक से मुख्य चौक तक निकाला गया। इस दौरान बांग्ला देश मुदार्बाद बांग्ला देश के सता प्रमुख मो युनुस मुदार्बाद के नारे जमकर लगाए। लोगों ने आक्रोश व्यक्त करते हुए बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हो रहे अत्याचार हत्या समेत अन्य जघन्य अपराधों के खिलाफ भारत सरकार को पहल करने की मांग की। साथ हीं भारत में रह रहे रोहंगिया बांग्लादेशी मुसलमानों को भारत से बाहर निकालने की मांग भारत सरकार से की। मौके पर अनिल कुमार आदित्य कुमार रूपेश सिंह शुभम सिंह आनंद सिंह राहुल दुबे सत्येंद्र सिंह, रमेश कुमार, दीपक कुमार, रवि कुमार, गोबिंद कुमार, संतोष कुमार, समेत बड़ी संख्या में हिंदू समुदाय के लोग उपस्थित हुए।

आत्मनिर्भर भारत कार्यक्रम का हुआ समापन, श्रम सुधार और सुशासन पर जोर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : रामगढ़ कॉलेज रामगढ़ में केंद्रीय संचार ब्यूरो, रांची द्वारा आयोजित दो दिवसीय आत्मनिर्भर भारत कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर आत्मनिर्भर भारत, श्रम सुधार, सुशासन, और एक पेड़ मां के नाम जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर रामगढ़ विधायक ममता देवी, राजेश कुमार सिन्हा, और गौरव पुष्कर ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर इसका विधिवत उद्घाटन किया। उपस्थित सभी लोगों ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के लिए श्रम सुधार और सुशासन बहुत महत्वपूर्ण हैं। श्रम सुधार से देश की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा और लोगों के जीवन स्तर में बदलाव आएगा। सुशासन से ही देश का विकास संभव है। एक पेड़ मां के नाम विषय पर चर्चा करते हुए, विशेषज्ञों ने कहा कि पेड़ हमारे जीवन के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। पेड़ हमें ऑक्सीजन देते हैं, जलवायु परिवर्तन को रोकते हैं, और हमें भोजन भी प्रदान करते हैं। कार्यक्रम का समापन एक पेड़ पौधारण समारोह के साथ हुआ, जिसमें लोगों ने एक पेड़ पौधारण किया और पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली। नुक्कड़ नाटक के द्वारा पेड़ पौधे लगाने के लिए भी उपस्थित लोगों को जागरूक किया गया। पत्र सूचना कार्यालय रांची के प्रभारी राजेश कुमार सिन्हा ने बताया कि इस कार्यक्रम में चार श्रम संहिता, मां के नाम एक पेड़, विकसित भारत, रोजगार एवम आजीविका गारंटी मिशन जैसे नए कानूनों पर चर्चा की गई और लोगों के बीच इसकी सार्थकता को लेकर उत्साह देखा गया। रामगढ़ कॉलेज रामगढ़ की प्राचार्य रत्न पांडे ने बताया कि हमारे कॉलेज के बच्चों ने बड़ी मेहनत से पेंटिंग, रंगोली, क्विज जैसे विषयों पर काम किया, जिससे एनवायरमेंट कैसे संतुलन हो और इस देश में श्रम कानून जो नए बने हैं, उसे किस तरह से समझना है और उसे किस तरह से अपनाना है, इन विषयों पर सभी ने काम किया। कार्यक्रम के वक्ता प्रोफेसर डॉ संजय कुमार सिंह ने बताया कि चित्र प्रदर्शनी और जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन काफी अच्छा लगा, जिसमें श्रम सुधार कानून पर विशेष रूप से फोकस किया गया। विशिष्ट अतिथि के तौर पर पहुंची रामगढ़ विधायक ममता देवी ने बताया कि इस दो दिवसीय कार्यक्रम का जो मेन थीम था, उसमें यहां के बच्चों ने पार्टिसिपेट किया और उन्हें पुरस्कृत भी किया गया। एक पेड़ मां के नाम जैसे विषय को हम लोग सभी तक पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं।

युवा कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष पद पर पंकज कुमार लगातार दूसरी बार निर्वाचित

228 मतों के भारी अंतर से दर्ज की शानदार जीत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : युवा कांग्रेस चौपारण प्रखंड अध्यक्ष पद के लिए हुए चुनाव में युवा और जुझारू नेता पंकज कुमार ने एक बार फिर शानदार जीत दर्ज करते हुए लगातार दूसरी बार अध्यक्ष पद पर कब्जा जमाया। ऑनलाइन माध्यम से कराए गए मतदान में पंकज कुमार को कुल 431 वोट प्राप्त हुए, जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी एमडी बेलाल को 203 वोट मिले। वहीं तीसरे उम्मीदवार आशीष प्रसाद गुप्ता को 9 वोट प्राप्त हुए। इस तरह पंकज कुमार ने 228 मतों के बड़े अंतर से जीत हासिल कर संगठन में अपनी मजबूत पकड़ साबित की। पूर्व कार्यकाल में सक्रिय संगठनात्मक भूमिका और युवाओं के मुद्दों को मजबूती से उठाने के कारण पंकज कुमार की दोबारा जीत को कार्यकताओं ने युवाओं के भरोसे और संगठन की नीतियों की जीत बताया है। जीत के बाद पंकज कुमार ने कहा, यह जीत केवल मेरी नहीं, बल्कि सभी के विश्वास, मेहनत और समर्थन की जीत है। मैं पूरी ईमानदारी, निष्ठा और समर्पण के साथ युवाओं की आवाज बनकर संगठन को और सशक्त करने का काम करता रहूँगा। दोबारा ताजपोशी से युवा कांग्रेस चौपारण प्रखंड में नई ऊर्जा का संचार हुआ है। जीत की घोषणा के साथ ही बधाई देने वालों का तांता लग गया। क्षेत्र के वरिष्ठ नेताओं और जनप्रतिनिधियों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में संगठन और अधिक मजबूत होगा तथा युवाओं की समस्याओं को लेकर संघर्ष को नई धार मिलेगी।

झामुमो नेता ने 150 जरूरतमंद महिला-पुरुषों के बीच किया कंबल वितरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य सह हजारीबाग जिला अध्यक्ष संजीव कुमार बेदिया ने गरसुल्ला पंचायत के तेतरिया टोला में जरूरतमंद गरीब 150 महिला पुरुष को कंबल देकर ठंडक से बचने का प्रयास किया। बेदिया ने कहा झारखंड में बहुत ही ज्यादा ठंड पड़ रही है अभी 7 डिग्री सेल्सियस में ठंड पड़ रही है इसलिए आप लोग कंबल को सुबह शाम सोने के समय प्रयोग करें ताकि आप लोग ठंड से बच सकें। मौके पर उपस्थित संजय करमाली, शंकर साव,ओम प्रकाश कुमार, सालों देवी, गीत देवी, उर्मिला देवी, आरती देवी, पूजा देवी, शिवानी देवी, शीला देवी, राखी देवी, सुलेखा देवी, सरिता देवी, रीना देवी, मेलो देवी, चिंता देवी, तीजन देवी, पिंकी देवी, दुलारी देवी, सुमन देवी, मनिका देवी, कुलेश्वर करमाली, नरेश करमाली, नीतू देवी, जागो देवी, महेश करमाली, अकाल करमाली, कलावती देवी अन्य उपस्थित थे।

फर्जी संस्था के नाम पर लोन दिलाने के नाम पर ठगी के आरोप में नौ गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग पुलिस के द्वारा फर्जी संस्था एवं फर्जी बैंक के नाम पर लोगों को लोन दिलाने का झांसा देकर ठगी करने वाले गिरोह के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई की गई है। 23 दिसंबर 2025 को गठित विशेष छापामारी दल द्वारा कार्रवाई करते हुए कुल नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इस संबंध में एसडीपीओ अमित आनंद ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पूरी घटनाक्रम की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पकड़े गए आरोपित स्वयं को संस्था या बैंक का प्रतिनिधि बताकर लोगों से संपर्क करते थे और कम ब्याज पर लोन दिलाने का लालच देकर उनसे दस्तावेज एवं धनराशि की ठगी करते थे। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए गिरोह का भंडाफोड़ किया। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक मारुति सुजुकी की ब्रज्जा कार, 27 मोबाइल फोन, सात सिम कार्ड तथा 23 रजिस्टर व कॉपियां जब्त की हैं, जिनमें ठगी से संबंधित कई महत्वपूर्ण विवरण दर्ज पाए गए हैं। गिरफ्तार आरोपियों में चतरा, हजारीबाग, गोड्डा, चिरागपुर, कोडरमा तथा तेलंगाना के विभिन्न क्षेत्रों के निवासी शामिल हैं। अपराधियों में शिवनंदन सिंह ग्राम सिमरा डीह थाना राजपुर, जिला चतरा, नानावत महेश उम्र 21 वर्ष, ग्राम गोलूदाटांडा जिला महबूबनगर तेलंगाना, सचिन कुमार उम्र 22 वर्ष रानी, थाना चौपारण जिला हजारीबाग, बनावट पवन ग्राम पांडवित पाली थाना वनटाउन जिला महबूबनगर तेलंगाना, अखिल राठौर ग्राम शिवपुरा थाना वनटाउन जिला महबूबनगर तेलंगाना, कोड़ावत सचिन ग्राम हबीब नगर पॉलिटेक्निक कॉलेज थाना वन टाउन, जिला महबूबनगर तेलंगाना, सारंगी विष्णु ग्राम हबीब नगर पॉलिटेक्निक कॉलेज थाना वन टाउन जिला महबूबनगर तेलंगाना, नाका शिवा ग्राम मुसापेट थाना मुसापेट जिला महबूबनगर, तेलंगाना एवं फरियाद अंसारी ग्राम नवाडीह थाना राजपुर, जिला चतरा शामिल है। छापामारी दल में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर अमित आनंद , सदर अंचल पुलिस निरीक्षक नंदकिशोर शाह, कोर्रा थाना प्रभारी अजीत कुमार, कोर्रा थाना के पुलिस अवर निरीक्षक महेश पासवान, पुलिस अवर निरीक्षक बिट्टू रजक, पुलिस अवर निरीक्षक पुन्नू यादव पुलिस अवर निरीक्षक रोशन कुमार एवं तकनीकी शाखा के टीम के साथ कोर्रा थाना के सशस्त्र बल शामिल थे। सभी आरोपियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इस पूरी कार्रवाई में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में गठित छापामारी दल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि किसी भी प्रकार के लोन या वित्तीय सहायता के नाम पर अज्ञात संस्थाओं या व्यक्तियों के झांसे में न आएं और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

संक्षिप्त खबरें

बांग्लादेश में दीपु दास की हत्या मानवाधिकारों पर हमला : किशोरी राणा

हजारीबाग : बांग्लादेश में हिंदू युवक दीपु दास की हत्या ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आक्रोश की लहर पैदा कर दी है। इस घटना के बाद हिंदू समुदाय में गहरी नाराजगी व्याप्त है। इसी मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए नव झारखंड फाउंडेशन के केंद्रीय अध्यक्ष किशोरी राणा ने इसे न केवल क्रूर हत्या बताया, बल्कि मानवाधिकारों और न्याय व्यवस्था पर सीधा सवाल भी खड़ा किया। श्री राणा ने कहा कि बांग्लादेश में रहने वाले हिंदुओं की सुरक्षा को लेकर वहाँ की शासन व्यवस्था गंभीर नहीं दिखाई देती है। लगातार हो रही इस तरह की घटनाएँ संकेत देती हैं कि अल्पसंख्यक हिंदुओं की सुरक्षा और न्याय सुनिश्चित करने में प्रशासन विफल हो रहा है। उन्होंने भारत सरकार और विदेश मंत्रालय से अपील की कि इस प्रकरण को कूटनीतिक स्तर पर मजबूती से उठाया जाए और बांग्लादेश सरकार से पारदर्शी जांच और दोषियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई कराई जाए। उन्होंने कहा कि दुनिया ने देखा है कि इजराइल अपने किसी एक नागरिक के साथ हुई घटना पर किस तरह कड़ा रुख अपनाता है, जबकि जब किसी हिंदू के साथ अत्याचार या हत्या होती है, तो भारत में कई बार इसे राजनीतिक बयानबाजी का विषय बना दिया जाता है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। भारत को इजराइल से सीखने की जरुरत है। श्री राणा ने कहा कि भारत केवल एक देश नहीं, बल्कि वैश्विक हिंदू समाज की सबसे बड़ी आशा है। इसलिए विदेशों में रह रहे हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना भारत की कूटनीतिक जिम्मेदारी बनती है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी देश में यदि हिंदुओं पर जुल्म हो, तो भारत सरकार को ठोस कदम उठाते हुए अल्पसंख्यक हिंदुओं की सुरक्षा और न्याय की गारंटी सुनिश्चित करानी चाहिए।

यूथ कांग्रेस बड़कागांव विधान सभा के अध्यक्ष बने असीम अरशद, लोगों ने दी बधाई

बड़कागांव : यूथ कांग्रेस बड़कागाँव विधान सभा अध्यक्ष का चुनाव सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ ग्राम पंचायत सिरमा मुखिया इस्मत आरा के पुत्र ग्राम सिरमा निवासी असीम अरशद पिता स्व अताउल्लाह खान ने जीत दर्ज किया। इन्होंने जीत का श्रेय लोगों का विश्वास और समर्थन को बताया। और कहा की मैं आपके भरोसे और विश्वास के लिए आभारी रहूँगा। और पूरी ईमानदारी से युवाओं की आवाज बनकर संगठन की मजबूती के लिए कार्य करूँगा। आप सभी का सहयोग ही मेरी सबसे बड़ी ताकत है। बताते चलें की यह चुनाव आनलाइन प्रकिया के माध्यम से किया गया।

माउंट ऑलिवेट स्कूल में क्रिसमस पर्व धूमधाम से मना, बच्चों ने सेंटा बनकर बांटी खुशियां

बरही : बरही प्रखंड अंतर्गत विजैया में संचालित माउंट ऑलिवेट स्कूल में धूमधाम से क्रिसमस का पर्व हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में उत्सव का माहौल देखने को मिला और बच्चों के चेहरों पर खुशी व उत्साह साफ झलक रहा था। कार्यक्रम के दौरान बच्चों के बीच उपहार भी वितरित किए गए। उत्सव का मुख्य आकर्षण सेंटा क्लॉज रहा, जिन्होंने सेंटा का रूप धारण कर सभी का मन मोह लिया। वहीं विद्यालय के छोटे - छोटे बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया। इस दौरान विद्यालय के प्रधानाध्यापक विजय कुमार यादव ने विद्यार्थियों को क्रिसमस पर्व के महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बच्चों को सेंटा क्लॉज और ईशा मशीह के जीवन से प्रेरणा लेने और मानव सेवा करने की बात कही। मौके पर कैप्टन बिरेंद्र कुमार यादव, इंचार्ज रेखा यादव, शैक्षणिक प्रभारी राजदेव यादव, कार्यालय प्रभारी रंजीत एवं मुकेश जबकि शिक्षकों में सोहन कुमार चंद्रा, इंद्रदेव शर्मा, दिलीप कुमार, सोनाली रॉय, अरुण कुमार, संतोष स्वर्णकार, भगवान प्रसाद, सत्येंद्र शर्मा, संदीप कुमार, संगीता कुमारी, मनुवर अंसारी, सेंटू कुमार, नूतन कुमारी, सकलदेव यादव, रोहित राणा, नरेश कुमार, मुकेश रवि, मनीष कुमार, डब्लू कुमार, रानी कुमारी, यशोदा कुमारी, पुष्पा कुमारी, शिवानी कुमारी, अमीषा, अंजू कुमारी, कविता एवं बबीता मुख्य रूप से मौजूद थे।

भामाशाह विद्यालय में मनाई गई अटल एवं मालवीय जी की जयंती

बरही : भामाशाह सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, बरही हजारीबाग विद्यालय में महामना पंडित मदन मोहन मालवीय जी व भारत के दिवंगत प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई जी का जयंती बड़े हर्षोल्लास से मनाया गया । विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य संजीव जी ने कार्यक्रम की भूमिका रखी । अपने उद्बोधन में उन्होंने मदन मोहन मालवीय जी के बारे में बताया। भारत हिन्दू विश्वविद्यालय की स्थापना करने में उनका संघर्ष पर चर्चा किए। विद्यालय के आचार्य अनमोल शिवम ने श्री अटल बिहारी वाजपेई जी के द्वारा रचित यह चंदन की भूमि है कविता का पाठ किया, विद्यालय की आचार्य विनीता जी के द्वारा अटल जी का राजनीतिक जीवन पर चर्चा किया वहीं आचार्य जूली जी द्वारा अटल जी की कविता आओ मिल कर दीप जलाए का पाठ कर बच्चों को उनके जीवन से प्रेरणादायक बातें बताई। विद्यालय के कक्षा षष्ठ की बहन आराध्य, भैया गौरव कुमार, सत्यम कुमार, दिव्यांश कुमार, सप्तम की बहन पलक केशरी और अष्टम की बहन आदया प्रियदर्शी, अर्पिता सिंह, भैया सत्यम कुमार ने उनके जीवन चरित्र के विभिन्न प्रेरक घटनाओं पर अपना संबोधन प्रगट किया। अंत में विद्यालय के माननीय प्रधानाचार्य रजनीश पांडेय महोदय जी ने अटल जी के कार्यकाल के दौरान राजनीतिक घटना जैसे कि कारगिल का युद्ध और पोखरण परमाणु परीक्षण पर चर्चा किए साथ ही उन्होंने बताया कि कैस वे संसद में पक्ष व विपक्ष दोनों तरफ के लोकप्रिय नेता थे। मौके पर विद्यालय के सभी आचार्य व भैया बहन उपस्थित थे।

एसीबी की सक्रियता से चौपारण में हड़कंप मुखिया संघ ने दी सख्त चेतावनी

चौपारण : प्रखंड क्षेत्र में भ्रष्टाचार के विरुद्ध कार्रवाई और सख्त हो सकती है। विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की निगरानी में प्रखंड के कुछ पंचायत सचिव, कर्मचारी एवं अन्य कर्मी बताए जा रहे हैं। ऐसे में आने वाले दिनों में एसीबी की सक्रियता बढ़ने और दबिश की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। इस संबंध में मुखिया संघ चौपारण प्रखंड के अध्यक्ष बिरेन्द्र रजक ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि समय रहते संभल जाना ही सभी के लिए बेहतर और समझदारी भरा कदम होगा। उन्होंने पंचायत सचिवों और कर्मचारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की अनियमितता या भ्रष्ट गतिविधि न केवल उनकी व्यक्तिगत छवि को नुकसान पहुंचाएगी, बल्कि पूरे चौपारण प्रखंड की साख पर भी सवाल खड़े करेगी। रजक ने सभी कर्मियों से ईमानदारी, पारदर्शिता और नियमों के दायरे में रहकर कार्य करने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कर्मचारी को अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ करना चाहिए, ताकि प्रखंड को बदनामी से बचाया जा सके। उन्होंने वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए सभी कर्मचारियों से सतर्क, जिम्मेदार और जवाबदेह रहने की आवश्यकता पर जोर दिया।

एक नजर

घने कोहरे व लो विजिबिलिटी का असर रांची एयरपोर्ट से सात फ्लाइट कैंसिल

रांची : राजधानी समेत पूरा झारखंड घने कोहरे की चादर में लिपटा है। इस कारण विजिबिलिटी भी काफी लो हो गई है, जिसका असर उड़ान सेवाओं पर पड़ रहा है। रनवे पर दृश्यता बेहद कम होने के कारण आज रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से कई उड़ानें कैंसिल कर दी गईं। जबकि कुछ फ्लाइट्स निर्धारित समय से कई घंटे देरी से उड़ान भरीं। एयरपोर्ट से मिली जानकारी के अनुसार, कोलकाता से रांची आने वाली फ्लाइट 7561 अपने निर्धारित समय सुबह 7:10 बजे के बजाय 9:40 बजे पहुंची। पुणे-रांची फ्लाइट 6ए 6484 8:25 बजे की जगह 10:25 बजे लैंड की। वहीं रांची से बेंगलुरु जाने वाली 6ए 6799 का प्रस्थान समय 8:55 बजे था, जो 10:55 बजे टेक ऑफ की। इसके अलावा हैदराबाद-रांची फ्लाइट 6ए 421 9:00 बजे के बजाय 10:45 बजे पहुंची। जबकि रांची-हैदराबाद फ्लाइट 6ए 398 9:30 बजे की जगह 11:15 बजे उड़ान भरीं। कोहरे के कारण सात फ्लाइट्स कैंसिल कर दी गईं। इनमें 6ए 7089/7014, 6ए 7674/7235 और 6ए 7561/7562 (कोलकाता-रांची-कोलकाता), 6ए 6287/576 (दिल्ली-रांची-दिल्ली), क 1239/1248 (बेंगलुरु-रांची-बेंगलुरु), क1046/1047 (दिल्ली-रांची-दिल्ली) और क 1237/1238 (मुंबई-रांची-मुंबई) शामिल हैं। फ्लाइट्स कैंसिल और डिले होने के कारण एयरपोर्ट पर यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई यात्री घंटों तक एयरपोर्ट पर इंतजार करते नजर आए। एयरपोर्ट अधिकारियों ने बताया कि सुबह के समय दृश्यता मानक से नीचे चली गई थी, जिससे विमानों की सुरक्षित लैंडिंग और टेक-ऑफ संभव नहीं हो सका।

एचईसी संयुक्त मोर्चा की बैठक में वेतन भुगतान में देरी पर नाराजगी, आंदोलन की चेतावनी

रांची : हैवी इंजीनियरिंग कॉरपोरेशन (एचईसी) संयुक्त मोर्चा की बैठक बुधवार को धुर्वा स्थित कार्यालय परिसर में आयोजित की गई, जिसमें कर्मचारियों को समय पर वेतन नहीं मिलने को लेकर गहरी नाराजगी व्यक्त की गई। संयुक्त मोर्चा से जुड़ी सभी यूनियनों ने प्रबंधन के रवैये की कड़ी आलोचना करते हुए इसे कर्मचारियों के साथ अन्याय करार दिया। बैठक में शामिल छह यूनियनों ने एक स्वर में कहा कि वेतन भुगतान में लगातार हो रही देरी से कर्मचारियों और उनके परिवारों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए संयुक्त मोर्चा ने निर्णय लिया कि जल्द ही एचईसी के चारों निदेशकों के साथ संयुक्त वार्ता की जाएगी। वार्ता के दौरान वेतन भुगतान सहित अन्य लंबित मुद्दों को मजबूती से रखा जाएगा। इसके साथ ही यह भी तय किया गया कि वेतन भुगतान में देरी को लेकर श्रम आयुक्त, धनबाद, एचईसी के सीएमडी और संबंधित मंत्रालय को पत्र लिखकर औपचारिक शिकायत दर्ज कराई जाएगी। संयुक्त मोर्चा ने चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं निकाला गया, तो कर्मचारी हित में आगे की रणनीति तय करते हुए आंदोलनात्मक कदम उठाए जाएंगे। एचईसी लिमिटेड श्रमिक कर्मचारी यूनियन के महामंत्री प्रकाश कुमार ने कहा कि कर्मचारियों को उम्मीद थी कि प्रबंधन की ओर से 25 दिसंबर से पहले वेतन का भुगतान कर दिया जाएगा, लेकिन अब तक वेतन नहीं मिलने से कर्मचारियों में असंतोष और आक्रोश बढ़ता जा रहा है। बैठक में एचईसी लिमिटेड श्रमिक कर्मचारी यूनियन के महामंत्री प्रकाश कुमार, एचईसी श्रमिक संघ के अध्यक्ष शनि सिंह, एचईसी मजदूर संघ के महामंत्री रामा शंकर प्रसाद, जनता मजदूर यूनियन के महामंत्री एस.जे. मुखर्जी, हटिया कामगार यूनियन के महामंत्री आर.के. शाही तथा हटिया लोकमंच यूनियन के सचिव विमल महली उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री से केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री ने की मुलाकात

केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा कोयला एवं खनन परियोजनाओं पर सकारात्मक कदम उठाए जाने पर दिया गया बल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

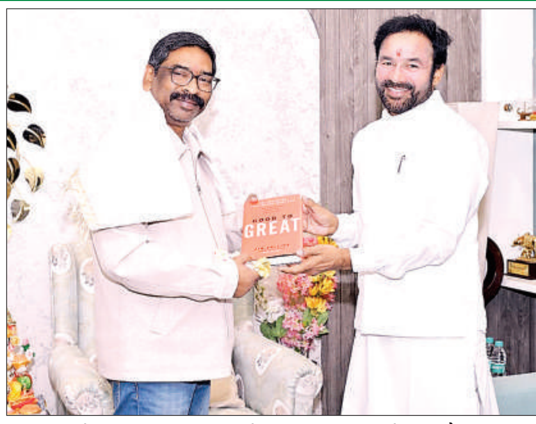

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से बुधवार को कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी० किशन रेड्डी ने औपचारिक मुलाकात की। इस मौके पर राज्य सरकार तथा कोल मंत्रालय एवं कोल इंडिया की अनुषंगी इकाइयों के अधिकारियों के बीच कोयला एवं खनन क्षेत्र की बेहतरी को लेकर सकारात्मक चर्चा हुई। इस दौरान राज्य में कोल माइंस से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों/मुद्दों पर विचार-विमर्श हुआ। मौके पर मुख्यमंत्री ने कोल माइंस से संबंधित कई महत्वपूर्ण विषयों सहित झरिया मास्टर प्लान, बेलगड़िया टाउनशिप परियोजना, गवर्नमेंट लैंड कंपनसेशन, खनन कार्य पूर्ण हो चुके भूमि की वापसी, शेष का रिव्यू, नई कोल खनन परियोजनाओं का संचालन इत्यादि मुद्दे पर राज्य सरकार का पक्ष रखा, वहीं केंद्रीय कोयला मंत्री ने कोल खनन परियोजनाओं को लेकर आ रही समस्याओं से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के बेहतर समन्वय से ही कोल माइंस से जुड़े समस्याओं का समाधान संभव है। मुख्यमंत्री ने कहा कि झरिया मास्टर प्लान तथा बेलगड़िया टाउनशिप परियोजना एक महत्वपूर्ण पहल है, इन परियोजनाओं के तहत विस्थापित परिवारों को सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन प्रदान किया जा सकेगा, जल्द झरिया मास्टर प्लान हेतु पूर्णकालिक सी०ई०ओ० की नियुक्ति पर भी चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन एवं केंद्रीय कोयला मंत्री जी० किशन रेड्डी की उपस्थिति में अधिकारियों के बीच हुई खनिजों पर मिलने वाली रॉयल्टी, विस्थापितों का पुनर्वास, नौकरी और मुआवजा, सरकारी भूमि पर जमाबंदी को लेकर नीतिगत निर्णय लिए पर सहमति, शेष का रिव्यू, रिकॉन्सिलिएशन कार्य में राज्य सरकार द्वारा मदद प्रदान किए जाने पर चर्चा, खनन कार्य पूरा हो चुके जमीन की वापसी, खदानों में अवैध खनन की वजह से हो रहे हादसों पर नियंत्रण, खनन क्षेत्र और आसपास रहने वाले स्थानीय लोगों को रोजगार, कोल परियोजनाओं के ऑपरेशनल करने में आ रही अड़चनों का समाधान तथा सीएसआर फंड के इस्तेमाल जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सकारात्मक चर्चा हुई।

इस अवसर पर राज्य के मुख्य सचिव अविनाश कुमार, केंद्रीय कोयला मंत्री के निजी सचिव पंकज जैन, अध्यक्ष कोल इंडिया बी० साईराम, एडवाइजर MoC बी० वीरा रेड्डी, आलोक सिंह, सीएमडी सीसीएल एन० के० सिंह, सीएमडी बीसीसीएल मनोज अग्रवाल, सीएमपीडीआईएल से शिव राज सिंह, जीएम सीसीएल एस० के० झा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हिंसा निंदनीय : इरफान अंसारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के साथ हो रही हिंसा को लेकर झारखंड के कांग्रेस नेता इरफान अंसारी ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से बांग्लादेश में हिंदू भाइयों और बहनों के साथ अमानवीय, बर्बर और हिंसक व्यवहार किया जा रहा है। वह अत्यंत निंदनीय और शर्मनाक है। ऐसी घटनाएं किसी भी सभ्य समाज के लिए कलंक हैं।

इरफान अंसारी ने कहा कि अल्पसंख्यकों को मारा, पीटा और डराया जा रहा है। मॉब लिंचिंग जैसी घटनाएं मानवता को झकझोर देने वाली हैं और हिंसा व क्रूरता का किसी भी देश, धर्म और व्यवस्था में कोई स्थान नहीं हो सकता है। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत रूप से वे घटनाएं उन्हें अंदर तक व्यथित और आहत करती हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आग्रह किया कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रही हिंसा को अत्यंत गंभीरता से लिया जाए। अंसारी ने कहा कि भारत एक सशक्त राष्ट्र है और प्रधानमंत्री को विश्व एक मजबूत, निर्णायक और संवेदनशील नेता के रूप में देखता है।

ऐसे में भारत को कूटनीतिक, आर्थिक और अंतरराष्ट्रीय मंचों के माध्यम से बांग्लादेश पर दबाव बनाना चाहिए, ताकि वहां अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

झारखंड कांग्रेस के नेताओं ने वित्त मंत्री को दी बधाई, पेसा एक्ट की मंजूरी पर जताया आभार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के वरिष्ठ कांग्रेस नेता रोशन लाल भाटिया और पूर्व महासचिव शशि भूषण राय ने वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर से मुलाकात की। इस बैठक में उन्होंने झारखंड कैबिनेट द्वारा पेसा एक्ट को मंजूरी देने के ऐतिहासिक निर्णय पर बधाई दी। साथ ही, झारखंड के विकास और कांग्रेस पार्टी के संगठनात्मक विकास पर चर्चा हुई। श्री किशोर ने वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि उनके अनुभव और मार्गदर्शन से पार्टी को मजबूती मिलेगी। पेसा एक्ट के तहत ग्राम सभाओं को अधिक शक्तियां दी गई हैं, जिससे आदिवासी समुदायों का विकास संभव होगा। इससे ग्राम सभाओं को भूमि अधिग्रहण और वन भूमि से जुड़े मामलों में महत्वपूर्ण निर्णय लेने का अधिकार मिलेगा, वहीं पारंपरिक ग्राम सभाओं को अधिकार भी मिलेगा जैसे खनन अधिकार, भूमि अधिग्रहण और वन भूमि से जुड़े मामलों में ग्राम सभाओं की अहम भूमिका होगी। कांग्रेस नेताओं ने जोड़ा कि महागठबंधन सरकार मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के नेतृत्व में विकास और सामाजिक न्याय की नई परिभाषा लिख रही है और जनता के अधिकार के लिए काम कर रही है।

पेसा नियमावली को मंजूरी आदिवासी-मूलवासी अस्मिता की ऐतिहासिक जीत : सुप्रियो भट्टाचार्य

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झामुमो के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने राज्य कैबिनेट की ओर से पेसा नियमावली को मंजूरी दिए जाने को झारखंड के आदिवासी और मूलवासी समाज की अस्मिता की ऐतिहासिक जीत बताया है। उन्होंने कहा कि पेसा केवल एक कानूनी प्रावधान नहीं, बल्कि आदिवासी-मूलवासी समाज की जीवन पद्धति, पारंपरिक संस्कृति, खेल-खलिहान, प्रकृति और मातृशक्ति के संरक्षण का मजबूत आधार है। बुधवार को झामुमो के केंद्रीय कार्यालय में आयोजित एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि मानव इतिहास की पहली लोकतांत्रिक व्यवस्था आदिवासी समाज से ही शुरू होती है। उन्होंने कहा कि हजारों वर्ष पहले आदिवासी समाज में सामुदायिकता, सामूहिक निर्णय और प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व पर आधारित शासन व्यवस्था विकसित हो चुकी थी। इसके विपरीत, वर्तमान समय में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) संख्या के बल पर लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर कर अधिनायकवादी व्यवस्था थोपने का प्रयास कर रही है, जबकि पेसा कानून ऐसे प्रयासों को पूरी तरह खारिज करता है। उन्होंने अरावली पर्वत क्षेत्र का उदाहरण देते हुए कहा कि जिस प्रकार प्राकृतिक संसाधनों को कॉरपोरेट घरानों के हवाले किया गया, पेसा कानून ऐसी नीतियों पर प्रभावी रोक लगाने का माध्यम है। भट्टाचार्य ने कहा कि पेसा अधिनियम-1996, उच्चतम न्यायालय के ऐतिहासिक 'समता जजमेंट' की भावना पर आधारित है, जिसमें आदिवासी क्षेत्रों में किसी भी परियोजना से पहले ग्राम सभा की सहमति तथा सामाजिक और पर्यावरणीय प्रभाव आकलन को अनिवार्य किया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने समय के साथ इन प्रावधानों को कमजोर किया।

आदिवासी-मूलवासी समाज ने पेसा नियमावली लागू होने पर मनाया जश्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : पेसा नियमावली लागू होने की खुशी में बुधवार को अल्बर्ट एक्का चौक पर सैकड़ों आदिवासी-मूलवासी समाज के लोगों ने जश्न मनाया। केंद्रीय सरना समिति की अगुवाई में यह खुशहाली मनाई गई। कार्यक्रम के दौरान पटाखे फोड़े गए। एक-दूसरे को बधाई दिए गए। लोगों के बीच मिठाई बांटी गई।

केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष अजय तिर्की ने कहा कि आदिवासी समाज के अधिकारों की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। पेसा नियमावली से आदिवासी स्वशासन, आत्मनिर्भरता और अधिकारों को मजबूत मिलेगी। ग्रामसभा को सर्वोच्च संस्था का दर्जा दिया गया है। अब गांव से जुड़े विकास कार्य, योजनाएं और नियम ग्रामसभा की सहमति से ही लागू होंगे। आदिवासियों के जल, जंगल, जमीन, खनिज एवं अन्य प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा हो सकेगी। ग्रामसभा सशक्त हो जाएगी।

मौके पर विजय कच्छप, प्रकाश हंस, अनिल पुरती, कृष्णा लोहरा, संजय लोहरा, श्यामलाल, गौतम उरांव, अजय कच्छप, बाहा उरांव, कृष्णा मुंडा, डब्लू कच्छप, माना, अशोक कच्छप, पुष्पा कुमारी समेत अन्य शामिल थे।

झारखंड में पेसा नियमावली तैयार करने वाली टीम ने मुख्यमंत्री सोरेन को दी बधाई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में पेसा नियमावली को हेमन्त सरकार की कैबिनेट से मंजूरी मिलने पर टीएसी के पूर्व सदस्य रतन तिर्की ने मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन को बधाई दी है। उन्होंने बुधवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में इसे जनजातीय स्वशासन की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताते हुए कहा कि पेसा नियमावली लागू होने से गांव के अंतिम व्यक्ति तक न्याय पहुंचना सुनिश्चित होगा।

रतन तिर्की ने बताया कि पेसा नियमावली तैयार करने वाली टीम में डॉ. रणेंद्र कुमार, सुधीर पाल, प्रभाकर तिर्की, बलराम, रतन तिर्की, रश्मि कात्यायन, जॉनसन टोपनो, दयामनी बारला, लॉ यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर डॉ. रामचंद्र उरांव, एलिना होरो, सुषमा बिरूली, नेहा सहित कई विशेषज्ञ एवं सामाजिक कार्यकर्ता शामिल थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के निर्देश पर टीआरआई डॉ. रामदयाल मुंडा जनजातीय कल्याण शोध संस्थान, मोराबादी में डॉ. रणेंद्र कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई थी। इस टीम ने लगभग चार महीनों तक विभिन्न राज्यों में लागू पेसा नियमावली का गहन अध्ययन कर झारखंड के सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भ में उपयुक्त नियमावली का मसौदा तैयार किया। रतन तिर्की ने यह भी कहा कि पेसा के सफल क्रियान्वयन के लिए ग्राम सभाओं को और अधिक सशक्त बनाने की आवश्यकता है, ताकि आदिवासी समाज के अधिकारों की सही मायनों में रक्षा हो सके। उन्होंने मुख्यमंत्री के नेतृत्व और राजनीतिक इच्छाशक्ति की सराहना करते हुए इसे झारखंड के जनजातीय समाज के लिए मील का पत्थर बताया।

संक्षिप्त खबरें

मुख्यमंत्री से फादर एवं सिस्टरों ने की शिष्टाचार भेंट, क्रिसमस की दी शुभकामनाएं

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन एवं विधायक कल्पना सोरेन से बुधवार को मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में फादर अजीत खेस एवं फादर मेडॉट तथा मिशनरी ऑफ चैरिटी की रिजनल सुपीरियर सिस्टर जोस स्लेटा, सिस्टर मारिया अगस्ता तथा सिस्टर ग्वालबट ने शिष्टाचार भेंट कर क्रिसमस उत्सव सेलिब्रेट किया। उन्होंने एक -दूसरे को प्रभु यीशु के आगमन की खुशी में मनाए जा रहे क्रिसमस पर्व की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी।

जगन्नाथपुर मंदिर का स्थापना दिवस आज, होगी विष्णु सहस्त्रनाम पूजा

रांची : राजधानी रांची के जगन्नाथपुर मंदिर का स्थापना दिवस 25 दिसंबर को होगा। इस दिन विष्णु लक्षार्चना वार्षिक पूजा होगी, सुबह पांच बजे से ही भगवान जगन्नाथ के दर्शन सुलभ होंगे, सुबह छह बजे आरती होगी, सुबह 8:00 बजे से 8:30 बजे तक कलश पूजा और विष्णु पूजा होगी। इसके बाद सुबह 8:30 बजे से 9:15 बजे गणपति हवन और विष्णु गायत्री हवन होगा। सुबह 9:16 बजे से 10:00 बजे तक पूजा के लिए श्रद्धालुओं के बीच पत्तल एवं फुल वितरण होगा 10:00 बजे से 11:30 बजे तक विष्णु सहस्त्रनाम पूजा होगी। दिन के 11: 31 बजे से अर्चित फुल भगवान को समर्पित किया जाएगा, दोपहर 12 बजे महाप्रभु को अन्न भोग लगाया जाएगा, दोपहर 12:10 बजे महाप्रभु दर्शन पट बंद कर दिया जाएगा। दोपहर 12:30 बजे से अन्न भोग श्रद्धालुओं के बीच निशुल्क वितरण किया जाएगा। इसके बाद अपराहन 3:00 बजे पुनः पट खुलेगा, यह जानकारी जगन्नाथपुर मंदिर न्यास समिति ने दी। समिति की ओर से कहा गया है कि विष्णु सहस्त्रनाम अनुष्ठान में भाग लेने के लिए महिलाओं को साड़ी और पुरुषों को धोती पहन कर आना अनिवार्य है, अन्य किसी परिधान में होने से अनुष्ठान में नहीं बैठ सकते हैं।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक से चैंबर की मुलाकात सॉ मिल उद्योग की समस्याओं पर हुई चर्चा

रांची : झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की सॉ मिल एवं वुड बेस्ड इंडस्ट्री उप समिति के प्रतिनिधियों ने राज्य के प्रधान मुख्य वन संरक्षक संजीव कुमार से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें नए पदभार के लिए बधाई दी और पुष्पगुच्छ भेंट कर शुभकामनाएं दीं। बैठक में सॉ मिल और लकड़ी आधारित उद्योग से जुड़ी रोजमर्रा की परेशानियों, नियमों से जुड़ी दिक्कतों और नीतिगत मुद्दों पर खुलकर चर्चा हुई। प्रधान मुख्य वन संरक्षक ने उद्योग से जुड़े सभी विषयों को ध्यान से सुना और इनके समाधान के लिए हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया। उन्होंने यह भी कहा कि सॉ मिल एवं वुड बेस्ड इंडस्ट्री से जुड़े व्यापारियों की समस्याओं पर जल्द ही एक अलग और विस्तृत बैठक आयोजित की जाएगी, ताकि ठोस फैसले लिए जा सकें। उप समिति के चेयरमैन तुलसी पटेल ने कहा कि सॉ मिल और वुड बेस्ड उद्योग राज्य में रोजगार देने के साथ-साथ राजस्व बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि विभाग और उद्योग के बीच बेहतर तालमेल से लंबित समस्याओं का समाधान निकलेगा और इस क्षेत्र को नई गति मिलेगी। इस प्रतिनिधिमंडल में जैनामोड़, दुमका, घाटशिला, बोकारो, जमशेदपुर और चाईबासा के व्यापारी शामिल थे।

रांची में किसान सम्मान दिवस एवं कृषि विज्ञान मेला आयोजित

रांची : मंगलवार को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर कृषि प्रणाली का पहाड़ी एवं पठारी अनुसंधान केंद्र, प्लाण्डु, रांची द्वारा आयोजित 'किसान सम्मान दिवस एवं कृषि विज्ञान मेला' कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुआ। इस कार्यक्रम में उन्नत कृषि प्रणालियों, प्रौद्योगिकियों एवं आधुनिक उपकरणों एवं कृषि ड्रोन आदि की प्रदर्शनी के साथ-साथ कृषक एक्सपोजर विजिट तथा प्रक्षेत्र परिभ्रमण का आयोजन किया गया था। इस दौरान बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुनील चंद दूबे जी, भा.कृ.अनु.प. नई दिल्ली के पूर्व उप महानिदेशक डॉ. एच.पी. सिंह जी, खादी बोर्ड के पूर्व चेयरमैन जयनन्दु जी, प्लाण्डु संस्थान के प्रधान डॉ. अवनी कुमार सिंह जी, बिहार कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. अजय कुमार सिंह जी सहित बड़ी संख्या में पधारे कृषक, वैज्ञानिक तथा विशिष्ठ लोग उपस्थित रहे।

फिरायालाल स्कूल में धूमधाम से मना खेल वार्षिकोत्सव 'कॉम्बाटिका'

रांची : फिरायालाल पब्लिक स्कूल में 27वां खेल वार्षिक उत्सव 'कॉम्बाटिका' बड़े धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप जलाकर और मेहमानों के स्वागत से हुई। इसके बाद बच्चों के प्रार्थना नृत्य किया, जिससे स्कूल का माहौल भक्तिमय हो गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भारत के चर्चित क्रिकेटर एवं झारखंड क्रिकेट एसोसिएशन के सेक्रेटरी सौरभ तिवारी उपस्थित रहे। वहीं गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में झारखंड ओलंपिक एसोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी मधुकांत पाठक ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। विशिष्ट अतिथियों में क्रिकेट कोच चंचल भट्टाचार्य, रजनी सेन और एस। सेन मौजूद रहे। विद्यालय के स्कूल बैंड की सशक्त और अनुशासित प्रस्तुति ने सभी को प्रभावित किया। इसके बाद ताइक्वांडो प्रदर्शन, अम्ब्रेला डांस, ज़ुम्बा, एरोबिक्स, हैट डांस और गीत प्रस्तुति जैसे रंगारंग कार्यक्रमों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। खेल प्रतियोगिताओं के समग्र परिणामों में ज्ञान दल ने पहला, शांति दल ने दूसरा और मैत्री दल ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। व्यक्तिगत खेलों सहित सर्वाधिक पदक अर्जित करने वाले दल को विनर ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्राचार्य नीरज कुमार सिन्हा ने विद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस दौरान उन्होंने स्कूल की शैक्षणिक, खेलकूद एवं सह-शैक्षणिक उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और अभिभावकों को नई शिक्षा नीति के प्रमुख बिंदुओं से अवगत कराया।

एक नजर

नए डायरेक्टर इनचार्ज का कार्यकाल होगा ऐतिहासिक : एके सिंह

बोकारो : डीपीई द्वारा बीएसएल के नए डायरेक्टर इनचार्ज श्री प्रिया रंजन के लिए आदेश जारी किया गया है। एक या दो दिन में सेल द्वारा नियुक्ति का आदेश जारी किया जाएगा। बोकारो स्टील को उनके लंबे अनुभव का लाभ मिलेगा। उनके नेतृत्व में उत्पादन पैरामीटर में सुधार हुआ है और बीएसएल की अधिकांश इकाइयों ने बेहतर प्रदर्शन करना शुरू कर दिया है। एके सिंह ने कहा कि नए डायरेक्टर काम और जीवन के बीच संतुलन बनाए रखेंगे। कल्याणकारी मुद्दे शीर्ष पर होंगे। क्वार्टर का रखरखाव प्राथमिकता होगी, अस्पताल को विशेष ध्यान देने की जरूरत है। कर्मचारियों की सुरक्षा और बचाव शीर्ष प्राथमिकता होनी चाहिए। बीएसओए के अध्यक्ष ने सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। सेल, बीएसएल का लाभ बढ़ाना होगा ताकि पिछले 3 वर्षों का पीवीटी सकारात्मक हो। इससे आगामी पे रिवीजन के लिए प्रबंधन को मदद मिलेगी।

डोमचांच बी.एड कॉलेज में क्रिसमस गैदरिंग का हुआ आयोजन

कोडरमा : बैजनाथ प्रसाद स्नेही कॉलेज ऑफ एजुकेशन, डोमचाँच, कोडरमा में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के तत्वाधान में बुधवार को क्रिसमस पर्व हर्षउल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। मौके पर महाविद्यालय के सचिव श्री हिमांशु कुमार, प्राचार्य डॉ. भूपेंद्र ठाकुर, डॉ. विनोद कुमार अवस्थी, डॉ. मनोज विश्वकर्मा, प्रो. हरीश कुमार नीरज, प्रो. प्रदीप कुमार पाण्डेय के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित किया गया तथा ईसा मसीह की प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित की गयी। उन्होंने ईसा मसीह की जीवनी पर प्रकाश ड़ालते हुए कहा कि ईसा मसीह शांति का दूत बनकर ईश्वर के पुत्र के रूप में धरती पर आये और विश्व भर में शांति का परचम लहराया। उन्होंने कहा कि ईसा मसीह का जन्म उत्सव मनाना तभी सार्थक होगा जब हम उनके बताये मार्ग पर चलकर उनके आदर्शो को अपने जीवन में आत्मसात करें। कमौके पर बी. एड., डी. एल. एड., बी. ए., बी. कॉम., बी. सी. ए. में अध्ययनरत छात्र – छात्राएं साथ ही महाविद्यालय के संरक्षक इंजिनियर प्रेमांशु कुमार एवं सभी शिक्षकेत्तर कर्मचारी उपस्थित थे।

बोकारो स्टेशन पर कोशी एक्सप्रेस से 30 शराब की बोतलें बरामद

बोकारो : ट्रेन नंबर 18626 कोशी सुपर एक्सप्रेस की चेकिंग के दौरान बोकारो आरपीएफ ने जनरल कोच में एक लावारिस ट्रॉली बैग से बड़ी मात्रा में शराब बरामद की। मंडल सुरक्षा आयुक्त (आरपीएफ) आद्रा ओम प्रसाद मोहंती के निर्देश पर आरपीएफ पोस्ट बोकारो के कमांडेंट संतोष कुमार की निगरानी में एएसआई डी.के. द्विवेदी, एएसआई परितोष कुमार झा, हेड कांस्टेबल सहगल कुमार, हेड कांस्टेबल ए.के. सिंह की टीम ने यह कार्रवाई की। ट्रेन के डिब्बे में संदिग्ध ट्रॉली बैग यात्रियों ने दावा न करने पर उतारकर जांच की गई। बैग से कुल 30 शराब की बोतलें (375 एमएल प्रत्येक) मिलीं—रॉयल चैलेंज 16, रॉयल स्टैग 10, ब्लेंडर्स प्राइड 2 तथा स्टर्लिंग रिजर्व 2—जिनकी अनुमानित कीमत 12,640 रुपये है।एएसआई डी.के. द्विवेदी ने शराब जब्त कर आरपीएफ पोस्ट बोकारो ले आए। आगे की कार्रवाई के लिए बोतलें एक्साइज विभाग को सौंप दी जाएंगी। यह कार्रवाई अवैध शराब तस्करी रोकने में महत्वपूर्ण साबित हुई।

वृन्दाहा वॉटर फॉल की घटना में संलिप्त तीन आरोपी गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : झुमरी तिलैया 18.12.2025 को वादी पीयूस कुमार, उम्र 18 वर्ष, पिता पप्पू कुमार, ग्राम पूतो, थाना चंदवारा, जिला कोडरमा द्वारा तिलैया थाना में इस आशय का आवेदन दिया गया कि वे अपने महिला मित्र के साथ वृन्दाहा फॉल घूमने गये थे, जहाँ घूमने के कम में इनके पास चार व्यक्ति 1. बब्लु यादव पिता अमृत यादव 2. राकेश उर्फ भखरू यादव पिता तुलसी यादव 3. अतीत यादव पिता मनोज यादव 4. सुरेश यादव पिता राम शकल यादव आये, जो गाली गलौज करते हुए बंदुक का भय दिखाकर महिला मित्र के साथ अश्लील हरकत करवाये तथा उसका वीडियो बना लिये। उस वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर पैसे की मांग किये, तब ये अपने दोस्त एवं रिश्तेदार से 4,635/- (चार हजार छः सौ पैंतीस) रुपए ऑनलाईन मंगवाये एवं उसके द्वारा उपलब्ध कराये गये स्कैनर जिसमें नाम दशरथ कुमार लिखा दिख रहा था, उसपर रुपए ट्रांसफर कर दिये, तब जाने दिया। घर पहुँचने पर पुनः उन अभियुक्तों ने धमकी दिया कि पॉच हजार रुपए डालो नही तो वीडियो वायरल कर देंगें। वादी के उक्त आशय के लिखित आवेदन के आधार तिलैया थाना कांड सं0 384/25, दि० 18.12.25 धारा 352/351 (2)/115(2)/126(2)/127 (2)/308(5)/3(5) बी०एन०एस० दर्ज किया गया तथा कांड की गंभीरता को देखते हुए अभियुक्तों की गिरफ?तारी एवं अग्रतर कार्रवाई हेतु पुलिस अधीक्षक द्वारा विनय कुमार पु०नि०-सह-था०प्र०, तिलैया, पु०अ०नि० शशिभूषण कुमार, थाना प्रभारी, चंदवारा, पु०अ०नि० प्रेम कुमार, प्रभारी तिलैया डैम ओ०पी०, पु०अ०नि० अभिमन्यु पडिहारी, थाना प्रभारी, डोमचांच के नेतृत्व में कुल चार टीमों का गठन किया गया। उक्त टीम द्वारा तत्परता पूर्वक लगातार छापामारी अभियान चलाया जाने लगा। अभियुक्तों के छुपने के हरेक संभावित ठिकानों की तलाशी ली जाने लगी। इन अभियुक्तों के विरूध माननीय न्यायालय से गिरफ?तारी वारंट लिया गया। इसी बीच पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि इस घटना में संलिप्त रहे कुछ अपराधी गझंडी रोड में एक नवनिर्मित शेड के पास देखे गये हैं। इस सूचना का सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु उक्त टीमों को निर्देशित किया गया। तत्पश्चात पुलिस टीम द्वारा तत्परता पूर्वक छापामारी कर इस घटना में संलिप्त रहे तीन अभियुक्तों को गिरफ?तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों ने पूछताछ के कम में अपना दोष स्वीकार किया एवं बतलाया कि वे अपने मोबाईल को तोडकर फेंक दिये हैं। शेष अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु लगातार छापामारी की जा रही है।

झारखंड स्टेट बार काउंसिल चुनाव में रिंकी झा ने की भागीदारी की घोषणा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : मंगलावार को बोकारो व रांची हाई कोर्ट की अधिवक्ता रिंकी झा द्वारा झारखंड स्टेट बार काउंसिल के चुनाव में भागीदारी करने की आधिकारिक घोषणा किया गया। जिसके बाद बोकारो जिला बार एसोसिएशन के कई अधिवक्ताओं ने एकत्रित होकर उनका जोरदार स्वागत किया एवं उन्हें आगामी चुनाव के लिए शुभकामनाएं दीं। अधिवक्ताओं ने कहा कि रिंकी झा जैसे अनुभवी और योग्य अधिवक्ता का झारखंड स्टेट बार काउंसिल में प्रतिनिधित्व अधिवक्ता हितों की रक्षा के लिए काफी महत्वपूर्ण होगा। उन्होंने अधिवक्ताओं की समस्याओं को सदैव गंभीरता से उठाया है और उनके समाधान के लिए लगातार प्रयास किया है। अधिवक्ता रिंकी झा ने इस अवसर पर कहा कि यदि उन्हें अवसर मिला तो वे अधिवक्ताओं के कल्याण, उनकी सुविधाओं के विस्तार और न्यायिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। उन्होंने युवा अधिवक्ताओं के हित में भी ठोस कदम उठाने की बात कही। इस मौके पर बड़ी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित थे, जिनमें कई वरिष्ठ एवं युवा अधिवक्ता शामिल थे। सभी ने एक स्वर में उनके समर्थन की घोषणा की और कहा कि आगामी चुनाव में वे उन्हें विजयी बनाएंगे। मौके पर अतुल कुमार रवानी, सुनील सिंह सिसोदिया, राम कृष्ण, मनोज सिंह, आत्मेश कुमार, पुनित सिंह, अनिल सिंह, अनीता कुमारी, रेशू बाला, प्रेम कुमार, रेखा कुमारी, पप्पू सिंह, केके धरमराज, निधि झा, मनोज तिवारी सहित अन्य उपस्थित थे।

गरीब, बेसहारा जरूरतमंद लोगों के बीच किया गया कंबल वितरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निर्देश के आलोक मे जिला विधिक सेवा प्राधिकार, कोडरमा के तत्वावधान मे कोडरमा के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार रमाकांत मिश्रा के कुशल मार्ग दर्शन मे एंव जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव गौतम कुमार के नेतृत्व मे गठित प्राधिकार की टीम ने इस कडाके की ठंड से ठिठुरते हुए बिना छत के रात भर जीवन बीता रहे गरीब बेसहारा व जरूरतमंद लोगो को कम्बल वितरित करते हुए अपनी संवेदनशीलता को प्रकट किया है। जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा द्वारा जिला प्रशासन कोडरमा के सहयोग से आज मंगलवार को जिले के कोडरमा बाजार, करमा सहित अन्य जगहों पर घूम घूम कर जरूरतमंद लोगो के बीच कंबल का वितरण किया गया। उल्लेखनीय है कि बीते रात प्रधान जिला जज रमाकांत मिश्रा के कुशल मार्ग दर्शन मे जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव गौतम कुमार सहित जिला विधिक सेवा प्राघिकार कोडरमा की पुरी टीम कोडरमा बाजार सहित अन्य इलाको मे देर रात तक घूम घूम कर ऐसे लोगो की तलाश की जो इस कडाके की ठंड मे बिना छत के जीवन व्यतीत करने को विवश है।साथ ही झुग्गी झोपडी मे रहने वाले ऐसे करीब सैकडो लोगो के बीच सचिव गौतम कुमार ने कम्बल वितरित किया। इससे जहां ठंढ से ठिठुरते लोगो के चेहरे पर खुशी एंव आशा की एक किरण झलकने लगी वही प्राधिकार की इस संवेदनशीलता की काफी सराहना की जा रही है। विदित हो कि इन दिनो अचानक बढी ठंड के कारण ठिठुरते लोगो को देखकर प्रधान जिला जज बेहद दुख वयक्त करते थे।

बेस्ट एम्प्लॉई ऑफ द मंथ अवॉर्ड कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग में वर्ष 2025 के नवंबर माह के लिए बोकारो स्टील प्लांट के बेस्ट एम्प्लॉई ऑफ द मंथ अवॉर्ड कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संयंत्र के विभिन्न विभागों में उत्कृष्ट कार्य निष्पादन एवं विशिष्ट योगदान देने वाले कुल आठ (08) कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। सम्मानित कर्मचारियों में हैवी मेंटेनेंस मैकेनिकल विभाग के महावीर चमार, एसएमएस–II एवं सीसीएस विभाग के प्रवीण कुमार, आई एंड ए विभाग के अमरलोक कुमार, हॉट स्ट्रिप मिल विभाग के बिद्याधर घोष, सीआरएम-1 एवं 2 के वकील प्रसाद दास, सिंटर प्लांट के अली इमाम अंसारी, आरएम एवं एमएचपी विभाग के नारायण मांझी तथा टीई-सिक्योरिटी विभाग के मनीष दीपांकज शामिल हैं। इस अवसर पर अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) राजश्री बनर्जी, अधिशासी निदेशक (संकार्य) प्रिय रंजन, अधिशासी निदेशक (ऑपरेशन्स) अनूप कुमार दत्त तथा मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) अंजनी कुमार शरण सहित संबंधित विभागों के मुख्य महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष, मानव संसाधन विभाग के वरीय अधिकारी, पुरस्कार प्राप्त करने वाले कर्मचारी एवं उनके परिवार के सदस्य उपस्थित रहे। मानव संसाधन विभाग की सहायक प्रबंधक सोनाली गुप्ता ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत किया। तत्पश्चात अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) राजश्री बनर्जी ने पुरस्कार प्राप्त करने वाले कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि कर्मचारियों की सफलता में उनके परिवारजनों का भी महत्वपूर्ण योगदान होता है। उन्होंने कर्मचारियों से आह्वान किया कि वे अपने नियमित दायित्वों के साथ-साथ नई चुनौतियों को स्वीकार करते हुए समाधान-उन्मुख दृष्टिकोण एवं समर्पण भाव से कार्य करें।

मंजुला शर्मा मेमोरियल एकेडमी में मनाया गया क्रिसमस महोत्सव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

डोमचांच : नगर पंचायत क्षेत्र स्थित मंजुला शर्मा मेमोरियल एकेडमी, डोमचांच में क्रिसमस का पावन पर्व धूमधाम, हर्षोल्लास और सामूहिक सहभागिता के साथ मनाया गया। पूरे विद्यालय परिसर में उत्सव की रंगीन छटा, सकारात्मक ऊर्जा और बच्चों की किलकारियों से वातावरण उत्साह और आनंद से परिपूर्ण हो उठा। कार्यक्रम में सबसे आकर्षण का केंद्र रहे विद्यालय के नन्हे लिटिल चैंप्स, जिन्होंने खेल, गीत, नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए यह सिद्ध कर दिया कि विद्यालय केवल पढ़ाई का केंद्र नहीं, बल्कि प्रतिभा निर्माण और संस्कार संवर्धन की प्रयोगशाला भी है। सर्वप्रथम विद्यालय के अध्यक्ष डॉ.(प्रो.) के. पी. शर्मा ने दीप समान मार्गदर्शक शब्दों में संबोधित करते हुए कहा क्रिसमस का त्योहार हमें प्रेम, क्षमा, सेवा, मानवता और एकता का संदेश देता है। बच्चों के हृदय में जब मूल्य और शिक्षा एक साथ विकसित होते हैं, तभी समाज और राष्ट्र का भविष्य उज्ज्वल बनता है। इसके पश्चात विद्यालय के प्रशासक आर. पी. पांडेय ने आयोजन की प्रशंसा करते हुए कहा विद्यालय की सच्ची सफलता विद्यार्थियों की सक्रियता, अनुशासन, सहयोग और आत्मविश्वास में निहित होती है।

जियोरायडीह की मालिन बिरहोरनी बनीं बिरहोर समुदाय की पहली मैट्रिक पास महिला

आंगनबाड़ी सेविका बन नौनिहालों का भविष्य संवार रहीं

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : जिला मुख्यालय से करीब 18 किलोमीटर दूर डोमचांच प्रखंड के मसनोडीह पंचायत स्थित जियोरायडीह गांव, जहां आदिम जनजाति बिरहोर समुदाय के लगभग 200 लोगों का बसेरा है, वहां शिक्षा का स्तर आज भी बेहद चुनौतीपूर्ण है। ऐसे में इसी समुदाय की बेटी मालिन बिरहोरनी ने संघर्षों को मात देकर वह उपलब्धि हासिल की है, जिस पर पूरा गांव गर्व महसूस कर रहा है। मालिन बिरहोरनी जियोरायडीह गांव की पहली मैट्रिक पास महिला हैं। गरीबी, प्रतिकूल परिस्थितियों और संसाधनों की कमी के बावजूद उन्होंने पढ़ाई जारी रखी। मालिन का सपना था कि वह पढ़-लिखकर सरकारी शिक्षक बनें, लेकिन कमजोर आर्थिक स्थिति ने इस सपने के बीच बाधा खड़ी कर दी। बावजूद इसके उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और मैट्रिक परीक्षा उत्तीर्ण कर समाज में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। वर्तमान में मालिन अपने गांव के आंगनवाड़ी केंद्र में सेविका के रूप में कार्यरत हैं। वह नौनिहालों को पढ़ाकर उनके भविष्य को संवारने में लगी हुई हैं। गांव में शिक्षा की कमी के बीच मालिन की भूमिका महत्वपूर्ण मानी जा रही है। मालिन कहती हैं कि मैं आगे पढ़ना चाहती थी, शिक्षक बनना चाहती थी, लेकिन आर्थिक स्थिति कमजोर थी। फिर भी मैट्रिक पास कर मैंने यह साबित किया कि हौसला हो तो मुश्किलें रास्ता नहीं रोक सकतीं। गांव के लोग भी मालिन पर गर्व व्यक्त करते हैं। उनका कहना है कि मालिन की सफलता ने बिरहोर समुदाय में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाई है और अन्य बच्चों व अभिभावकों को पढ़ाई की ओर प्रेरित किया है। मालिन बिरहोरनी आज बिरहोर समाज के लिए प्रेरणा की स्रोत बन चुकी हैं, उनकी सफलता यह बताती है कि बदलते झारखंड में अब आदिम जनजाति समुदाय की बेटियाँ भी शिक्षा का नया अध्याय लिख रही हैं।

संक्षिप्त खबरें

डॉ राजेंद्र प्रसाद पब्लिक स्कूल में मना क्रिसमस उत्सव

बोकारो : डॉ राजेंद्र प्रसाद पब्लिक स्कूल सेक्टर 9 रानी पोखर में बुधवार को क्रिसमस उत्सव का आयोजन धूमधाम के साथ किया गया। इस अवसर पर स्कूल के पहले कक्षा से लेकर छठी कक्षा तक के छात्र–छात्राओं ने सांता क्लॉज का वेशभूषा धारण कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। साथ ही उपस्थित बच्चों के बीच उपहार भी बांटे। मौके पर स्कूल के प्राचार्य मुकेश कुमार ने कहा कि क्रिसमस का पर्व शांति व प्रेम भाईचारा का पर्व है। इस अवसर पर प्रभु यीशु मसीह को याद किया जाता है। मौके पर स्कूल की शिक्षिका साक्षी कुमारी, प्रीति झा, खुशबू कुमारी, अनु सिंह ,राखी सिंह, वीणा कुमारी आदि शामिल रहे।

डीएवी सेक्टर-4 बोकारो में नन्हे सितारों ने क्रिसमस संग लाल दिवस को उत्साहपूर्वक मनाया

बोकारो : डी.ए.वी पब्लिक स्कूल, सेक्टर–4, बोकारो में क्रिसमस के पावन अवसर पर कक्षा नर्सरी से कक्षा द्वितीय (ई.ई.डी.पी.) तक के नन्हे–मुन्ने विद्यार्थियों द्वारा लाल दिवस हर्षोल्लास एवं उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर सभी छात्र–छात्राएँ लाल रंग के सुंदर परिधानों में सुसज्जित होकर विद्यालय आए, जिससे पूरा विद्यालय परिसर उल्लास और उमंग से भर उठा। क्रिसमस के उपलक्ष्य में एक विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने क्रिसमस की मधुर धुनों पर कविता पाठ, यीशु मसीह के जन्म का सजीव मंचन, अभिनय एवं गीतों की मनमोहक प्रस्तुतियाँ दीं। विभिन्न रचनात्मक एवं रोचक गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को लाल रंग के महत्व से परिचित कराया गया। लाल रंग प्रेम, ऊर्जा, साहस और उत्साह का प्रतीक है, जो हमें सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। तत्पश्चात बच्चों को (स्मर्फ) बाल चलचित्र दिखाया गया, जिसे देखकर बच्चे अत्यंत प्रसन्न एवं उत्साहित दिखाई दिए। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य एस. के. मिश्रा ने बच्चों को क्रिसमस एवं लाल दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन बच्चों में रचनात्मकता, आत्मविश्वास, सहयोग भावना एवं आनंदपूर्वक सीखने की प्रवृत्ति को विकसित करते हैं। उन्होंने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा शिक्षकों के प्रयासों की सराहना की। इस प्रकार डी.ए.वी पब्लिक स्कूल, सेक्टर–4, बोकारो में नन्हे विद्यार्थियों द्वारा लाल दिवस को खुशी, प्रेम और उल्लास के वातावरण में सफलतापूर्वक मनाया गया।

सकारात्मक आउटलुक के बीच वेदांता का शेयर रिकॉर्ड ऊँचाई पर, 599.80 तक पहुंचा

बोकारो : वेदांता लिमिटेड का शेयर बुधवार को एनएसई में कारोबार के दौरान 599.80 के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुँच गया। दिन के कारोबार में शेयर में करीब 2 प्रतिशत की तेजी देखी गई और यह अपने 52 हफ्तों के उच्च स्तर के आसपास बंद हुआ। पिछले एक महीने में वेदांता का शेयर लगभग 20 प्रतिशत चढ़ चुका है। शेयर में इस तेजी की मुख्य वजह कंपनी की डीमर्जर (कारोबार विभाजन) योजना को लेकर बना सकारात्मक माहौल है, जिसे हाल ही में एनसीएलटी से मंजूरी मिली है। ब्रोकरेज कंपनियां वेदांता समूह को लेकर सकारात्मक रुख बनाए हुए हैं। एल्यूमिनियम, जिंक और सिल्वर की मजबूत मांग, इनके बढ़ते उपयोग और परिचालन दक्षता में सुधार से कंपनी की विस्तार योजनाओं को मजबूती मिल रही है। वेदांता समूह के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने सिल्वर को लेकर आशावाद जताते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा कि इस साल सिल्वर ने शानदार प्रदर्शन किया है। डॉलर के हिसाब से सिल्वर में सालाना आधार पर 125 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई है, जबकि गोल्ड में 63 प्रतिशत का रिटर्न मिला है। उनका कहना है कि सिल्वर की कहानी अभी शुरू ही हुई है। 16 दिसंबर को डीमर्जर योजना को एनसीएलटी की मंजूरी मिलने के बाद वेदांता के शेयर में लगातार छठे कारोबारी सत्र में तेजी देखी गई। इस योजना के तहत वेदांता लिमिटेड को पांच अलग–अलग सूचीबद्ध कंपनियों में विभाजित किया जाएगा–वेदांता एल्युमिनियम, वेदांता ऑयल एंड गैस, वेदांता पावर, वेदांता आयरन एंड स्टील और एक पुनर्गठित वेदांता लिमिटेड। इससे पहले दिसंबर में एस एंड पी ग्लोबल ने वेदांता रिसोर्सेज की रेटिंग आउटलुक को ह्यस्टेबलह्न से बढ़ाकर ह्यपॉजिटिवह्न कर दिया था और बी+ रेटिंग की पुष्टि की थी। एजेंसी ने बेहतर आय की स्थिति, लागत में कमी और अनुकूल धातु कीमतों को इसके प्रमुख कारण बताया है। ब्लूमबर्ग के अनुसार, वेदांता को कवर करने वाले 14 विश्लेषकों में से 10 ने शेयर पर बाय रेटिंग दी है। ब्रोकरेज फर्म नुवामा ने शेयर के लिए 686 का सबसे ऊंचा लक्ष्य मूल्य तय किया है। पिछले छह महीनों में वेदांता के शेयर में 33 प्रतिशत से अधिक की तेजी आई है, जबकि इसी अवधि में निफ्टी में लगभग 5 प्रतिशत और निफ्टी मेटल इंडेक्स में करीब 15 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई है।

केंद्र की भाजपा सरकार के विरोध में एक दिवसीय धरना कार्यक्रम को सफल बनाये : वीरेंद्र पांडेय

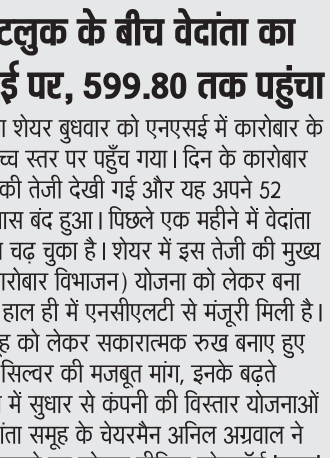

कोडरमा : झारखंड मुक्ति मोर्चा जिला समिति के कोडरमा के तत्वाधान में कोडरमा जिला मुख्यालय परिसर में एकदिवसीय धरना कार्यक्रम का आयोजन दिनांक. 27.12.2025 दिन शनिवार को समय 12:00 बजे किया जाएगा। इस संबंध में जिला अध्यक्ष वीरेंद्र पांडेय ने कहा कि भारत गणराज्य की भाजपा नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा महत्वाकांक्षी रोजगार योजना मनरेगा को रद्द करते हुए–VB-GRAM बिल 2025(विकसित भारत– गारंटी पर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) का जबरन पास करना उसके गरीब विरोधी मानसिकता को दशार्ता है। इसलिए इसके विरोध में दिनांक.27.12.2025 समय 12:00 बजे जिला मुख्यालय परिसर में एक दिवसीय धरना का आयोजन करना सुनिश्चित किया जाए। जिसमें मुख्य रूप से सभी पार्टी के नेता पदाधिकारी अनिवार्य रूप से शामिल होने को कहा गया है इसके साथ ही उन्होंने कहा कि केंद्रीय समिति रांची द्वारा प्राप्त निर्देश का अनुपालन किया जाएगा। आज उसी को लेकर जिला सचिव पवन माइकल कुजूर ने एक पत्र जारी किया है, जिले के सभी पार्टी पदाधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा गया है कि एक दिवसीय धरना व्यापक रूप से प्रचार प्रसार करते हुए सफल बनाएं।

सदर अस्पताल में बच्चे की मौत के विरोध में अनशन पर बैठी आदिवासी पार्टी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम : सदर अस्पताल चाईबासा में 18 दिसंबर को चार माह के बच्चे की मौत मामले को लेकर आदिवासी किसान मजदूर पार्टी ने विरोध तेज कर दिया है। पार्टी ने बुधवार को गांधी मैदान में महात्मा गांधी की प्रतिमा के नीचे 48 घंटे का आमरण अनशन शुरू किया। अनशन का नेतृत्व जिला अध्यक्ष मानसिंह तिरिया कर रहे हैं। अनशन शुरू हुए 26 घंटे से अधिक समय बीत जाने के बावजूद प्रशासन की ओर से अब तक कोई भी अधिकारी या प्रतिनिधि मौके पर नहीं पहुंचा, इससे आंदोलनकारियों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। उल्लेखनीय है कि 18 दिसंबर को सदर अस्पताल में कथित लापरवाही के चलते एक चार माह के बच्चे की मौत हो गई थी। इसके बाद पीड़ित पिता डिंबा चंतोबा को शव वाहन या एंबुलेंस नहीं मिलने के कारण अपने बच्चे का शव थैले में रखकर बस से नोआमुंडी प्रखंड के बालजोड़ी गांव ले जाना पड़ा। जिला मुख्यालय से गांव की दूरी लगभग 80 से 90 किलोमीटर बताई जा रही है। इस हृदयविदारक घटना की तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद पूरे राज्य में स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिली थीं। इस मामले में आम लोगों के साथ-साथ विभिन्न राजनीतिक दलों ने भी सदर अस्पताल की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाया था। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने भी अस्पताल परिसर में धरना देकर विरोध जताया था। अब आदिवासी किसान मजदूर पार्टी ने आंदोलन को आगे बढ़ाते हुए आमरण अनशन का रास्ता अपनाया है।अनशन पर बैठे नेताओं और कार्यकताओं का कहना है कि यह घटना किसी एक परिवार की पीड़ा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था की गंभीर विफलता को उजागर करती है। आंदोलनकारियों की मांग है कि सदर अस्पताल में शव वाहन और एंबुलेंस की स्थायी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा दिया जाए और अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं में ठोस सुधार किया जाए। अनशनकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन ने शीघ्र उनकी मांगों पर संज्ञान नहीं लिया, तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। प्रशासन की चुप्पी को लेकर स्थानीय लोगों में भी नाराजगी लगातार बढ़ती जा रही है।

मनरेगा और केंद्र सरकार की नीतियों के विरोध में 27 को झामुमो का प्रदर्शन

पश्चिमी सिंहभूम : मनरेगा को कमजोर करने और केंद्र सरकार की नीतियों के विरोध में 27 दिसंबर को जिला मुख्यालय चाईबासा स्थित पुराना डीसी कार्यालय के समक्ष सुबह 11 बजे से जोरदार विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। उक्त बाते बुधवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के प्रवक्ता बुधराम लागुरी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कही। उन्होंने कहा कि मनरेगा को समाप्त करना भाजपा की गरीब और मजदूर विरोधी मानसिकता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि मनरेगा ग्रामीण गरीबों के लिए केवल एक योजना नहीं, बल्कि उनकी आजीविका की सुरक्षा का मजबूत आधार रही है। इस आंदोलन में झामुमो पश्चिमी सिंहभूम जिले के सभी जिला एवं वर्ग संगठन, प्रखंड और नगर समितियों के पदाधिकारी, केंद्रीय सदस्य तथा बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि मनरेगा और प्रस्तावित वीबी-जी रामजी बिल 2025 में काफी अंतर है। यह बिल बिना राज्यों से पर्याप्त सलाह और व्यापक चर्चा के शीतकालीन सत्र में जल्दबाजी में लाया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र की भाजपा सरकार एक साजिश के तहत मनरेगा जैसी जनहितकारी योजना को समाप्त कर रही है। झामुमो जिला प्रवक्ता ने कहा कि मनरेगा का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक परिवार को साल में कम से कम 100 दिन का गारंटीकृत रोजगार उपलब्ध कराना था, जिससे ग्रामीण परिवारों को आर्थिक सुरक्षा मिल सके।

एक नजर

शिवराम साधू मेला का आयोजन 26 को

सिल्ली : सिल्ली प्रखंड अंतर्गत बासारुली पंचायत के उरागाढा नदी में मटर पुल के समीप शिवराम साधू मेला का आयोजन 26 दिसम्बर को किया जायेगा। इस मेला का आयोजन हरेक वर्ष किया जाता है मेला कमिटी के गणेश करमाली ने बताया कि मेला में मुर्गा लड़ाई, खिलौना, बेदाम, चाट फुसका आदि समान मिलते हैं साथ ही साथ पश्चिम बंगाल से पाता नाच का भी व्यवस्था किया गया है और मुर्गा लड़ाई में प्रथम द्वितीय तृतीय प्रतिभागियों को अतिथियों के द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाता है।

बोकारो में हाइवा से टकराई बाइक, युवक की मौत पर सड़क जाम

बोकारो : बोकारो थर्मल थाना क्षेत्र के कथारा मुख्य चौक पर बुधवार को सड़क दुर्घटना में मृत युवक के शव को सड़क पर रखकर ग्रामीणों ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। आक्रोशित लोगों ने मृतक के परिजनों को पर्याप्त मुआवजा और दोषी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।पुलिस के अनुसार, मंगलवार देर शाम कथारा बीटीपीएस मोड़ के पास एक हाइवा ने बाइक सवार शंकर मुंडा (42) को टक्कर मार दी थी। हादसे में गंभीर रूप से घायल शंकर का आज इलाज के दौरान निधन हो गया। मृतक कथारा के असनापानी गांव के निवासी थे।घटना की खबर फैलते ही स्थानीय लोग सड़क पर उतर आए। उन्होंने मृतक का शव सड़क पर रखकर यातायात बाधित कर दिया और प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि सड़क पर वाहनों की तेज रफ्तार और खराब लाइटिंग के कारण ऐसी घटनाएं बढ़ रही हैं।थाना प्रभारी ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों को समझाबुझाकर शांत किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि मुआवजे का मामला जल्द सुलझाया जाएगा और ड्राइवर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली जाएगी। फिलहाल सड़क बहाल हो गई है।

हजारीबाग रोड स्टेशन पर झामुमो का प्रदर्शन मुंबई के लिए नई ट्रेन और स्टॉपेज की मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया : प्रवासी मजदूरों की सुविधा और स्थानीय रेल यात्रियों की लंबे समय से चली आ रही मांगों को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने बुधवार को बड़ा आंदोलन छेड़ दिया। जिला उपाध्यक्ष त्रिभुवन मंडल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने स्टेशन अधीक्षक हजारीबाग रोड से मुलाकात कर धनबाद के डीआरएम के नाम 6 सूत्री ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में सबसे प्रमुख मांग (1)हजारीबाग रोड रेलवे स्टेशन को ग्रेड 'बी' का दर्जा देने की है, साथ ही (२)धनबाद से मुंबई के लिए एक नई ट्रेन शुरू करने (3)हावड़ा जोधपुर का टहराव (४) रांची नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस का ठहराव (5) स्वर्ण जयंती एक्सप्रेस (६)तथा पूर्वा एक्सप्रेस का ठहराव हजारीबाग रोड स्टेशन में दिया जाए और कई अन्य महत्वपूर्ण ट्रेनों का यहां स्टॉपेज देने की जोरदार मांग की गई। ज्ञापन सौंपने के बाद त्रिभुवन मंडल ने स्थानीय लोगों को संबोधित करते हुए कहा, इस स्टेशन से रोजाना सैकड़ों की संख्या में प्रवासी मजदूर मुंबई का सफर करते हैं, लेकिन अंग्रेजों के जमाने की एकमात्र ट्रेन आज भी चल रही है। इस रूट पर मुंबई के लिए एक भी नई ट्रेन नहीं जोड़ी गई। हजारीबाग रोड स्टेशन हमेशा से स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा का शिकार रहा है। अब समय आ गया है कि रेलवे प्रशासन जागे और यात्रियों की पीड़ा समझे। यह मांगें क्षेत्र के प्रवासी मजदूरों और आम यात्रियों के लिए बड़ी राहत साबित हो सकती हैं, जो लंबे समय से बेहतर रेल कनेक्टिविटी की आस लगाए बैठे हैं। उन्होंने कहा 28 दिसंबर तक अगर हमारी मांगों पर सहानुभूति पूर्वक विचार नहीं किया गया तो 29 दिसंबर को एकदिवसीय धरना हजारीबाग रोड रेलवे स्टेशन पर दिया जाएगा। झामुमो का यह कदम स्थानीय स्तर पर रेल सुविधाओं में सुधार की दिशा में एक मजबूत आवाज बनकर उभरा है।

चांडिल के हारुडीह में युवक को मारी गोली, इलाके में सनसनी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चांडिल : सरायकेला-खरसावां जिले के चांडिल थाना क्षेत्र अंतर्गत हारुडीह गांव में बुधवार को गोली चलने की सनसनीखेज घटना सामने आई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अज्ञात बदमाशों ने एक युवक को गोली मार दी और घटना को अंजाम देने के बाद मौके से फरार हो गए।

बताया जा रहा है कि घायल युवक की पहचान बिजय तिर्की के रूप में हुई है। गोली लगते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद से जिले की पुलिस पूरी तरह सक्रिय हो गई है। आसपास के इलाकों में छापेमारी की जा रही है तथा हमलावरों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास तेज कर दिए गए हैं। फिलहाल गोली मारने के कारणों का पता नहीं चल पाया है और पुलिस सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है।

संक्षिप्त खबरें

मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना से बांसगढ़ सबर टोला तक एक किमी सड़क का शिलान्यास

पटमदा : मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के मद से स्वीकृत लक्षीपुर पंचायत के बांसगढ़ गांव से बांसगढ़ सबर टोला तक ग्रामीण कार्य विभाग से निर्मित एक किमी सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास विधायक प्रतिनिधि चंद्र शेखर टुडू और सासंद प्रतिनिधि महावीर महतो के द्वारा किया गया। जानकारी देते हुए विधायक प्रतिनिधि चंद्र शेखर टुडू ने बताया कि ग्रामीणों की मांग पर संज्ञान लेते हुए विधायक के अनुशंसा पर मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना मद से योजना को स्वीकृति मिली ।ताकि ग्रामीणों को बारिश के मौसम में हो रही समस्या से निजात मिलेगा। सड़क के निर्माण होने से सबर परिवारों को भी मुख्यालय से सीधा जुड़ाव बन जाएगा। बता दे कि इस टोला में रहने वाले ग्रामीणों को बारिश के मौसम में कई माह तक आने जाने में काफी दिक्कत का सामना करना पड़ता था। शिलान्यास कार्यक्रम में मुख्य रूप से विधायक प्रतिनिधि चंद्र शेखर टुडू,सासंद प्रतिनिधि महावीर महतो, मुखिया कृष्ण पद सिंह, प्रखंड अध्यक्ष अश्वनी महतो, यदुनाथ गोराई, लखीकांत, अपूर्व, सिजेन हेंब्रम सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे।

ग्राम सभा स्थापना दिवस के अवसर पर प्रधान को किया गया सम्मानित

अनगड़ा : हेसल पंचायत सचिवालय में ग्राम सभा का स्थापना दिवस के अवसर पर पंचायत सचिव तस्लीम अंसारी मुखिया प्रतिनिधि कृष्ण भगत के नेतृत्व में हेसल ग्राम रामनाथ करमाली देवराज पहान को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गयो मौके पर साकीर अंसारी मुंकी कुमारी सालो देवी नरेश महली जुगल किशोर महतो सूरज करमाली प्रकाश महतो आदि शामिल थे।

आरटीसी पब्लिक स्कूल में वार्षिक खेल कूद प्रतियोगिता का हुआ समापन

सिल्ली : मुरी आर टी सी पब्लिक स्कूल सिंगपुर मुरी में तीन दिवसीय खेल कूद प्रतियोगिता का भव्य तरीके से समापन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि संयुक्त रूप से पूर्व जिला परिषद सह समाजसेवी सुशील महतो एवम सिल्ली प्रखंड प्रमुख जितेंद्र बड़ाईक एवम बांसारूली पंचायत के मुखिया लालू ऊराँव ने फीता काट कर पुरस्कार वितरण सम्मान समारोह का शुभारंभ किये। मंच पर आसीन बुद्धीजीवी व्यक्तियों सुशील महतो, जितेंद्र बडाईक, लालु ऊराँव, कृष्णा महतो, लक्ष्मण जी को विद्यालय के प्राचार्य तुलसी दास महतो ने शॉल ओढ़ा कर सम्मानित किये। वर्ग दशम में 90 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले छात्र- छात्राओं को अतिथियों के द्वारा पुरस्कृत किया गया। खेल कूद प्रतियोगिता में छोटे बच्चों के लिए जलेबी दौड़, बिस्कुट दौड़, मेढ़क दौड़, 100 मीटर दौड़, कबड्डी, इन- आउट गेम को रखा गया था। सीनियर बच्चों में छात्राओ के लिए गोली- चम्मच, सुई धागा, मुजिकल चेयर, रस्सी खींच प्रतियोगिता, बैडमिंटन, कबड्डी, एक तीर दो निशान, मेथ रेस को रखा गया था। वहीं छात्रों के लिए वॉलीबॉल, कबड्डी रस्सी खींच प्रतियोगिता, एक तीर दो निशान, मेथ रेस को रखा गया था। वॉलीबॉल में वर्ग दशम के छात्र, कबड्डी में वर्ग नवम के छात्राएं चैंपियन बनी। इस मौके पर के जी टू और के जी वन के एक छात्र ने 36 तक का तो दूसरे छात्र ने 25 तक का पहाड़ा सुनाया। इस विशेष अवसर पर सुशील जी ने बच्चों को पढ़ाई के साथ खेल कूद में भी आगे बढ़ चढ़ कर भाग लेने की नसीहत दी।

आर्मी ब्रदर्स को हराकर एनके स्पोर्टिंग क्लब लाली बना चैंपियन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : बीसा गोंदली टोला में अमर शाहिद जितराम बेदिया मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट का फाईनल मैच खेला गया। फाइनल मैच में एनके स्पोटिंग लाली ने आर्मी ब्रदर्स को पेनाल्टी शूटआउट में 5-4 से हराया। अमर शहीद जीतराम बेदिया मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट का एनके स्पोटिंग लाली चैंपियन बना खेल काफी रोमांच से भरपूर रहा। जिसमें मुख्य अथिति के रूप में थ्रो बॉल खेल के अध्यक्ष वेदांत जी एवं नामकुम उपप्रमुख सह आजसू पार्टी महिला जिला अध्यक्ष वीणा कुमारी ने युवाओं को सम्बोधन करते हुवे कहा खेल में युवा पीढ़ी अपना फुटबॉल के माध्यम से कैरियर बना सकते हैं इसलिए गाँव के युवाओ को आगे आकर फुटबॉल खेल पर ध्यान देना होगा। इसी बीच अतिथि के रूप में भाजपा ग्रामीण जिलाध्यक्ष जलेन्द्र प्रसाद,एवं आजसू पार्टी केंद्रीय सचिव सह पूर्व प्रत्याशी पारसनाथ उरांव, ने भी युवाओ को सम्बोधन करते हुवे कहा फुटबॉल खेल अब सिर्फ मनोरंजन का साधन नहीं रह गया है युवा खेल के माध्यम से स्वास्थ्य को बेहतर रखकर अपने समाज और राज्य के बेहतरी के लिए प्रेरणा बन सकते हैं ।मौके पर आजसू पार्टी केंद्रीय सचिव राजेंद्र साही मुंडा जी,असोतोस गोस्वामी, उमेश बड़ाइक, रामसाय मुंडा, आयोजन समिति जयराम स्पोर्टिंग क्लब बिसा संचालक जयराम बेदिया एवं बेदिया सोनाराम बेदिया, प्रेम बेदिया, जुकेश्वर, सहीराम, संतोष, छुटूराम, सोहित, धीरज, चरण, अनिल, केसों, रोहित, दिलबर, अमर, बालकिशोर आदि का योगदान रहा।

विधायक राजेश कच्छप ने आर्च बिशप विंसेंट आइंद को दी क्रिसमस की शुभकामनाएं

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : रांची स्थित बिशप हाउस मे खिजरी विधायक राजेश कच्छप ने आज क्रिसमस के पावन अवसर पर बिशप हॉउस पहुंचकर महामहिम आर्च बिशप विंसेंट आइंद से शिष्टाचार भेंट की और उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर क्रिसमस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर विधायक राजेश कच्छप ने कहा कि प्रभु ईसा मसीह का जीवन हमें प्रेम, दया और क्षमा का मार्ग दिखाता है। उनके आदर्शों पर चलकर ही एक शांतिपूर्ण और समृद्ध समाज का निर्माण संभव है। उन्होंने आर्च बिशप के साथ क्षेत्र की खुशहाली और आपसी सौहार्द को और मजबूत करने के विषय में भी चर्चा की। आर्च बिशप ने विधायक का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें आशीर्वाद दिया और समस्त मानवता के कल्याण की प्रार्थना की। इस मिलन के दौरान विधायक के साथ कुछ प्रमुख गणमान्य व्यक्ति और कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने मनाया दीपोत्सव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जमशेदपुर : जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री, झारखंड राज्य के जनक एवं भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती की पूर्व संध्या पर भव्य दीपोत्सव का आयोजन कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया। जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू के एग्रिको स्थित आवासीय कार्यालय के समक्ष आयोजित कार्यक्रम में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास मुख्य रूप से शामिल रहे। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के विशाल चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। इसके पश्चात, विधायक पूर्णिमा साहू समेत सभी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने मिट्टी के दीप जलाकर अटल जी को नमन किया और झारखंड अलग राज्य निर्माण तथा राष्ट्र के सर्वांगीण विकास में उनके अतुलनीय योगदान को स्मरण करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर अटल बिहारी वाजपेयी अमर रहें, भारत माता की जय और भारतीय जनता पार्टी जिंदाबादह्व के नारों से वातावरण ओतप्रोत रहा। इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी व्यक्ति नहीं विचारधारा का नाम हैं। उन्होंने कहा कि अटल जी का कथन तेरा वैभव अमर रहे माँ, हम दिन चार रहें न रहें उनके संपूर्ण जीवन का सार था, जिसे उन्होंने अक्षरशः जीकर दिखाया। झारखंड अलग राज्य निर्माण का श्रेय भी अटल जी के अटल संकल्प और दृढ़ इच्छाशक्ति को जाता है, जिन्होंने अलग राज्य के दशकों पुरानी मांग को केंद्र में सरकार बनते ही पूरा किया और झारखंड की जनता से किया गया वादा निभाया। पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने 1980 में हुए भाजपा के प्रथम अधिवेशन की स्मृतियों को साझा करते हुए कहा कि अटल जी ने तब कहा था अंधेरा छटेगा, सूरज निकलेगा और कमल खिलेगा आज उनका यह सपना साकार हुआ है। भारतीय राजनीति के अजातशत्रु, महान कवि और दूरदर्शी नेता अटल जी का व्यक्तित्व, विचार और कृतित्व देशवासियों व भाजपा कार्यकर्ताओं को सदैव प्रेरणा देता रहेगा।

कार्यालय :- जिला उद्यान पदाधिकारी, लोहरदगा
Email Id – dholohardaga@gmail.com

अभिरूचि की अभिव्यक्ति (EOI) अतिअल्पकालिन निविदा आमंत्रण सूचना

वित्तीय वर्ष 2025–26 में उद्यान विकास की योजनान्तर्गत उपयोजना "प्रोमोशन ऑफ अरर्बन फार्मिंग" के तहत् विभिन्न सामग्रीयों की आपूर्ति हेतु इच्छुक कार्यकारी संस्था से मुहरबंद अतिअल्पकालिन निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र0.सं0.	कार्यअवयव का नाम	मात्रा/सं0
1	प्रोमोशन ऑफ अरर्बन फार्मिंग अन्तर्गत विभिन्न सामग्रीयों की आपूर्ति	आवश्यकतानुसार

नोटः–
1. निविदा की सामाग्री नियम एवं शर्तो की पूर्ण विवरणी कार्यालय जिला उद्यान पदाधिकरी, लोहरदगा से प्राप्त किया जा सकता है। विस्तृत शर्त एवं दिशा–निर्देश लोहरदगा जिला के वेबसाईट www.lohardaga.nic.in में देखा जा सकता है।
2. इच्छुक निविदादाता दिनांक 03-01-2026 के अपराह्न 02:00 बजे तक कार्यालय जिला उद्यान पदाधिकारी, लोहरदगा में व्यक्तिगत रूप/डाक से मुहरबंद निविदा दे सकते हैं।
3. प्राप्त मुहरबंद द्विलिफाफा को दिनांक 06-01-2026 के पूर्वाहन 11:30 बजे उप विकास आयुक्त, लोहरदगा के कार्यालय प्रकोष्ठ में जिला क्रय समिति के समक्ष उप विकास आयुक्त, लोहरदगा की अध्यक्षता में खोली जाएगी। निविदा खोलते समय निविदादाता अथवा उनके प्राधिकृत प्रतिनिधि अनिवार्य रूप से उपस्थित होंगे।

जिला उद्यान पदाधिकरी,
लोहरदगा

PR 369297 Lohardaga(25-26)#D

कार्यालय, विद्युत कार्यपालक अभियंता
विद्युत कार्यप्रमंडल, इन्जीनियर्स हॉस्टल धुर्वा, रॉची।

अति अल्पकालीन ई–प्रोक्योरमेंट सूचना

ई–निविदा प्रसंग सं0– Energy/EWD/Ranchi/89/2025-26 दिनांक–24/12/2025

1.	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रूपये में)	परिमाण विपत्र का मूल्य	अग्रधन की राशि	कार्य समाप्ति की अवधि
I	कॉके रोड, रॉची स्थित मान्नीय मुख्य मंत्री आवास एवं मुख्य मंत्री सचिवालय में अधिष्ठापित विद्युतीय उपकण, पंखा, सुरक्षा लाईट, भूमिगत केबल, एल0 टी0 पैनल, कम्पाउण्ड लाईट इत्यादि के वार्षिक विद्युत सम्पोषण का कार्य।	28,76,551=00	5,000=00	58,000=00	एक वर्ष
II	एफ0 एफ0 पी0 भवन (100 भवन) में अधिष्ठापित विद्युतीय उपकण, एवं 2 अदद् 200 के0 वी0ए0 जनित्र एवं 2 अदद् लिफ्ट के वार्षिक विद्युत सम्पोषण का कार्य।	34,55,559=00	5,000=00	70,000=00	एक वर्ष
III	योजना भवन, नेपाल हाउस, डोरण्डा, रॉची में अधिष्ठापित विद्युतीय उपकण, पंखा, एल0 ई0 डी0 फ्लड लाईट, भूमिगत केबल, पैनल, जेनरेटर (2 अदद् 250 के0वी0ए0) एवं 4 अदद् लिफ्ट के वार्षिक विद्युत सम्पोषण का कार्य।	43,52,922=00	5,000=00	88,000=00	एक वर्ष
IV	विधायक आवास, रसियन हॉस्टल, एच0ई0सी0 धुर्वा रॉची में अधिष्ठापित विद्युतीय उपकण, कम्पाउण्ड लाईट, गेट लाईट, हाई मास्ट लाईट एवं रोड लाईट के वार्षिक विद्युत सम्पोषण का कार्य।	15,60,579=00	5,000=00	32,000=00	एक वर्ष
2.	वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	31.12.2025			
3.	निविदा जमा करने की तिथि	01.01.2026 के 10.30 बजे पूर्वाहन से 07.01.2026 के 2.00 बजे अपराह्न तक			
4.	निविदा खोलने की तिथि	08.01.2026 को 3.00 बजे अपराह्न में			
5.	निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता	विद्युत कार्यपालक अभियन्ता, विद्युत कार्य प्रमण्डल, रॉची।			
6.	निविदा खोलने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता	विद्युत कार्यपालक अभियन्ता, विद्युत कार्य प्रमण्डल, रॉची।			
7.	ई प्रोक्युरमेन्ट प्रकोष्ट का फोन नं0/ई0 मेल	0651–2490069/electricalexecutiveengineerewd@gmail.com			

Note :- Tender Fee and Earnest Money Deposit (EMD) are to be paid through online mode only as per instruction of IT Dept. Govt. of Jharkhand Letter no.-120 Dated- 03-10-2023.
निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी हेतु वेबसाईट http://jharkhandtenders.gov.in मे देखा जा सकता है।

विद्युत कार्यपालक अभियन्ता
विद्युत कार्य प्रमण्डल, रॉची।

PR.NO.369389 Energy(25-26):D

अटल बिहारी वाजपेयी : लोकतांत्रिक नेतृत्व के आदर्श पुरुष

स्वतंत्र भारत में यहाँ की विराट सांस्कृतिक परम्परा के संधान और उन्मेष की मानसिकता संजोने वाले जन-नायकों में भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी निश्चय ही अनूठे व्यक्तित्व हैं। वह बिना किसी पूर्वाग्रह के पक्ष हो या विपक्ष, वाम हो या दक्षिण, केंद्र हो या परिधि सब प्रकार के लोगों के साथ संवाद करने के लिए प्रस्तुत रहते थे। लोकाभिमुख होने की यह वृत्ति प्रचारक के रूप में उनकी लम्बी देश-साधना के दौरान विकसित हुई थी। साथ ही संपादन कार्य उनको अद्यतन करता रहा। इस क्रम की ही परिणति थी कि भारतीय संस्कृति की साधना के लिए उन्होंने अपना जीवन समर्पित कर दिया। आधुनिक मन वाले वाजपेयी जी ने आगे बढ़ कर देश की व्यापक कल्पना को संकल्प, प्रतिज्ञा और कर्म से जोड़ा और समर्पण के लिए आवाहन किया। स्मरणीय है कि भारत पर अंग्रेजी औपनिवेशिक राज की लम्बी दासता से मुक्ति मिलने के बाद आज लोकतांत्रिक देशों की प्रथम पंक्ति में वैश्विक क्षितिज पर भारत आर्थिक और तकनीकी दृष्टि से एक सशक्त देश के रूप में प्रतिष्ठित हो रहा है। इस विरल उपलब्धि के पीछे राष्ट्रीय नेतृत्व और रीति-नीति की भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने विभाजन के बाद की कठिन परिस्थितियों में साल 1947 में एक आधुनिक और समाजवादी रुझान के साथ उत्तर उपनिवेशी स्वतंत्र भारत की यात्रा शुरू की थी। इस यात्रा में जिस ढांचे को लेकर हम आगे बढ़े वह अपने बौद्धिक गठन में बहुत हद तक अंग्रेजों द्वारा अपने उपनिवेश के लोगों के लिए खड़ा किया था। शिक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी आदि के क्षेत्रों में नवाचार जरूर शुरू हुए और पंचवर्षीय विकास योजनाओं का दौर भी चला ताकि देश विकास की दौड़ में विकासशील देशों से पीछे न रह जाय। पर असंतोष भी बढ़ा जिसके फलस्वरूप स्वतंत्रता सेनानी जयप्रकाश नारायण की अगुआई में देश में व्याप्त विसंगतियों के खिलाफ संपूर्ण क्रांति का बिगुल बजा और भारत में सामाजिक-राजनैतिक परिवर्तन की ऐतिहासिक शुरूआत हुई। भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद, गरीबी, बेरोजगारी, अशिक्षा और विभिन्न क्षेत्रों की उपेक्षा जैसे प्रश्नों से उलझते राजनीति का विकेंद्रीकरण शुरू हुआ। संभ्रांत के वर्चस्व की जगह व्यापक समुदाय जिसमें हाशिए पर स्थित मध्यम और दलित वर्ग भी शामिल था राजनीति में प्रतिभागी बन कर अपनी प्रभावी भूमिका के लिए अग्रसर हुआ। वाजपेयी जी ने देश के लिए व्यापक परिवर्तन की आकांक्षा को इन शब्दों में रेखांकित किया: आजादी अभी अधूरी है, सपने सच होने बाकी हैं, रावी की शपथ अधूरी है। भारतीय राजनीति के नए दौर में पारदर्शिता, साझेदारी और संवाद की खास भूमिका रही। लोकतंत्र के लिए आपातकाल बड़ा आघात था। उसके बाद कांग्रेस के विकल्प के रूप में 'जनता दल' का गठन हुआ और मोरारजी देसाई के नेतृत्व में सरकार बनी। वाजपेयी ने इस सरकार में परराष्ट्र मंत्री का दायित्व संभला। आगे चलकर भारत का राजनैतिक परिदृश्य इस अर्थ में क्रमशः जटिल होता गया। यह स्पष्ट होने लगा कि विभिन्न राजनैतिक दलों को साथ लेकर चलने वाली एक समावेशी दृष्टि ही कारगर हो सकती थी। इसके लिए सहिष्णुता, खुलेपन की मानसिकता, सबको साथ ले चलने की क्षमता, सुनने-सुनाने का धैर्य और युगानुरूप सशक्त तथा दृढ़ संकल्प की आवश्यकता थी। इन सभी कसौटियों पर एक सर्वमान्य नेता के रूप में अटल बिहारी वाजपेयी ही खरे उतरे। विविधता भरी राजनीति में उनको लेकर बनी सहमति का ही परिणाम था कि भारतीय संसद में उनको तीन बार देश के प्रधानमंत्री पद के लिए स्वीकार किया गया। यह अनूठी घटना थी। वर्ष 1999 में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (नेशनल डेमोक्रेटिक अलाएंस या एनडीए) के कठिन नेतृत्व की कमान संभालते हुए वाजपेयी जी तीसरी बार प्रधान मंत्री बने। गठबंधन वाली यह पहली पूर्णकालिक सरकार थी। एनडीए में दो दर्जन के करीब राजनैतिक दल साथ आये थे और 81 मंत्री थे। इन सबको साथ लेकर चलना कठिन चुनौती थी जिसे वाजपेयी जी ने स्वीकार किया था और उस अवधि में अनेक महत्वपूर्ण कार्य किये।

सूडोकु नवताल- 7654

***** कठिनतम

		4			9			
	2			8	4			
8						3		
							9	4
	3						7	
5	6							
		7						9
			2	5			8	
			6			2		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7653 का हल

5	9	1	2	8	4	3	6	7
6	4	2	3	5	7	9	1	8
8	3	7	9	6	1	4	2	5
4	7	5	8	2	6	1	9	3
3	6	9	7	1	5	8	4	2
1	2	8	4	3	9	7	5	6
7	5	6	1	9	8	2	3	4
9	8	3	5	4	2	6	7	1
2	1	4	6	7	3	5	8	9

खोरठा भाषा नहीं, झारखंड की जीवित पहचान

मिथलेश दास

झारखंड की पहचान केवल उसकी खनिज संपदा, जंगलों या औद्योगिक मानचित्र से नहीं बनती, बल्कि उसकी असली पहचान वहाँ के लोगों की भाषा, संस्कृति और जीवन-दृष्टि से निर्मित होती है। इसी पहचान का सबसे सशक्त और जीवंत स्वर है खोरठा। खोरठा कोई साधारण बोली नहीं, बल्कि झारखंड के जनजीवन की धड़कन, उसकी सामूहिक स्मृति और उसके संघर्षों की अभिव्यक्ति है। यही कारण है कि हर वर्ष 25 दिसंबर को खोरठा दिवस मनाया जाता है एक ऐसे दिन के रूप में, जो खोरठा के भीष्म पितामह श्रीनिवास पानुरी की जयंती के साथ-साथ इस भाषा की सांस्कृतिक, सामाजिक और वैचारिक विरासत को रेखांकित करता है। लेकिन आज सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या खोरठा दिवस केवल औपचारिक आयोजन बनकर रह गया है, या हम सचमुच खोरठा को उसकी वास्तविक पहचान और सम्मान दिलाने के लिए तैयार हैं? खोरठा झारखंड की सबसे अधिक बोली जाने वाली जनभाषाओं में से एक है। धनबाद, बोकारो, गिरिडीह, हजारीबाग, कोडरमा, रामगढ़, चतरा और आसपास के क्षेत्रों में यह करोड़ों लोगों की मातृभाषा है। खेतों में काम करता किसान, खदानों में पसीना बहाता मजदूर, बाजार में व्यापार करता दुकानदार और घर-आंगन में जीवन जीता आम परिवार सबकी सहज अभिव्यक्ति खोरठा में ही होती है। यह भाषा श्रम की गरिमा, रिश्तों की ऊष्मा और संघर्ष की पीड़ा को अपने भीतर समेटे हुए है। इसलिए खोरठा को केवल 'क्षेत्रीय बोली' कहकर सीमित कर देना, दरअसल झारखंड के आम जन की आवाज को हाशिए पर धकेलने जैसा है। भाषा किसी समाज की आत्मा होती है।

खोरठा में झारखंड का इतिहास, उसकी लोकचेतना, उसका हास्य, उसका प्रेम और उसका प्रतिरोध जीवित है। लोकगीतों, झूमर, विवाह गीतों, पर्व-त्योहारों और कथाओं के माध्यम से खोरठा समाज की पूरी जीवन-दृष्टि सामने आती है। यह भाषा बताती है कि झारखंड का समाज प्रकृति के साथ कैसे संतुलन बनाकर जीता है, श्रम को कैसे सम्मान देता है और सामूहिकता को कैसे महत्व देता है। खोरठा को बचाना केवल एक भाषा को बचाना नहीं, बल्कि उस पूरी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करना है, जो पीढ़ियों से चली आ रही है। इतिहास गवाह है कि खोरठा को लंबे समय तक उपेक्षा और तिरस्कार का सामना करना पड़ा। इसे हिंदी की 'अशुद्ध बोली' या 'उपभाषा' कहकर खारिज किया गया, जबकि भाषावैज्ञानिक दृष्टि से खोरठा की अपनी स्वतंत्र पहचान है। इसकी शब्द-संपदा, ध्वनि-व्यवस्था, व्याकरणिक संरचना और अभिव्यक्ति की शैली इसे एक पूर्ण भाषा के रूप में स्थापित करती है। किसी भाषा को केवल प्रशासनिक सुविधा के आधार पर दूसरी भाषा की छाया मान लेना, उस भाषा और उसके बोलने वालों दोनों के साथ अन्याय है। खोरठा के साथ दशकों से यही अन्याय होता रहा है। इस उपेक्षा के बावजूद खोरठा आज भी जीवित है, क्योंकि इसे जीवित रखने वाले लोग हैं। खोरठा गीत-संगीत और साहित्य ने इस भाषा को जन-जन तक पहुंचाने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई है।

खोरठा गीतों के माध्यम से मनोज देहाती, सतीश दास, सुकुमार, गौतम महतो, मिलन दास, कैलाश देहाती, रॉबिन दास, राकेश दास जैसे गायक खोरठा को पारंपरिक मंचों से निकालकर कैसेट, सीडी और आज के डिजिटल प्लेटफॉर्म तक ले गए। इन कलाकारों ने यह सिद्ध किया कि खोरठा केवल अतीत की भाषा नहीं, बल्कि वर्तमान की जीवंत आवाज है, जो नई पीढ़ी से संवाद कर सकती है। वहीं दूसरी ओर खोरठा गीतकारों और साहित्यकारों की परंपरा ने इस भाषा को वैचारिक आधार और साहित्यिक गरिमा प्रदान की। विनय तिवारी, दीपक सवाल, महेंद्रनाथ गोस्वामी 'सुधाकर', गिरिधारी गोस्वामी 'आकाशखूंटी', डॉ. नागेश्वर महतो, डॉ. मुकुंद रविदास और अनिता महतो जैसे रचनाकारों ने गीत, कविता, लोकसाहित्य और शोध के माध्यम से यह स्थापित किया कि खोरठा केवल बोलचाल की भाषा नहीं, बल्कि संवेदना, विचार और विमर्श की समर्थ भाषा है। इन सभी का योगदान खोरठा को मनोरंजन से आगे सामाजिक चेतना, सांस्कृतिक स्वाभिमान और भाषायी अस्मिता के स्तर तक ले जाने में निर्णायक रहा है।

आज का दौर डिजिटल है और खोरठा इस दौर में एक नए मोड़ पर खड़ी है। सोशल मीडिया, यूट्यूब और मोबाइल प्लेटफॉर्म ने खोरठा को नए श्रोता और दर्शक दिए हैं। खोरठा गीत और रचनाएँ तेजी से लोकप्रिय हो रही हैं, जो यह संकेत देती हैं कि भाषा में आज भी ऊर्जा और स्वीकार्यता है। लेकिन यह भी सच है कि केवल डिजिटल लोकप्रियता किसी भाषा को सुरक्षित नहीं कर सकती। जब तक भाषा को शिक्षा, प्रशासन और नीति-निर्माण से नहीं जोड़ा जाएगा, तब तक उसका भविष्य अनिश्चित बना रहेगा। सबसे बड़ी चुनौती यह है कि खोरठा औपचारिक शिक्षा से लगभग बाहर है। स्कूलों और विश्वविद्यालयों में इसे स्थान नहीं मिलने के कारण नई पीढ़ी इसे केवल 'घर की भाषा' मानने लगी है। रोजगार, प्रतियोगी परीक्षाओं और सामाजिक प्रतिष्ठा की दौड़ में हिंदी और अंग्रेजी को प्राथमिकता मिलती है, जिससे खोरठा धीरे-धीरे हाशिए पर जाती है। यह किसी भी जीवंत भाषा के लिए सबसे खतरनाक स्थिति होती है, क्योंकि भाषा तब कमजोर पड़ती है, जब वह बच्चों की शिक्षा और युवाओं के भविष्य से कट जाती है। यहीं पर खोरठा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने की माँग का महत्व स्पष्ट होता है। आठवीं अनुसूची में शामिल होना केवल प्रतीकात्मक सम्मान नहीं, बल्कि भाषा के अस्तित्व की सुरक्षा है। इससे भाषा को शिक्षा प्रणाली में स्थान मिलता है, सरकारी संरक्षण प्राप्त होता है और राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनती है। खोरठा जैसी व्यापक और समृद्ध भाषा का अब तक इस अनुसूची से बाहर रहना सवाल खड़े करता है। जब अन्य कई क्षेत्रीय भाषाएँ लंबे संघर्ष के बाद संवैधानिक मान्यता पा सकती हैं, तो खोरठा क्यों नहीं?

हर वर्ष मनाया जाने वाला खोरठा दिवस हमें यह याद दिलाता है कि भाषा अभी जीवित है, लेकिन साथ ही यह चेतावनी भी देता है कि यदि ठोस और संगठित प्रयास नहीं हुए, तो इसका भविष्य खतरे में पड़ सकता है। अब समय आ गया है कि खोरठा के सवाल को केवल साहित्यिक गोष्ठियों और सांस्कृतिक आयोजनों तक सीमित न रखा जाए, बल्कि इसे राजनीतिक और नीतिगत विमर्श का हिस्सा बनाया जाए। हम सभी को एकजुट होकर यह स्पष्ट करना होगा कि खोरठा झारखंड की जीवित पहचान है और इसे उसका संवैधानिक, शैक्षणिक और सामाजिक सम्मान मिलना चाहिए। खोरठा भाषा नहीं, बल्कि झारखंड की आत्मा है। यह उस मिट्टी की खुशबू है, जिसमें पीढ़ियों ने जीवन जिया है; यह उन हाथों की थकान है, जिन्होंने खेतों और खदानों में श्रम किया है; यह उन सपनों की आवाज है, जो बेहतर भविष्य की उम्मीद से भरे हैं। यदि हम खोरठा को खो देंगे, तो हम केवल एक भाषा नहीं खोएँगे, बल्कि अपनी पहचान का एक अनमोल हिस्सा खो देंगे। इसलिए खोरठा को बचाना, संवारना और सम्मान दिलाना केवल भाषायी दायित्व नहीं, बल्कि झारखंड के सामाजिक और सांस्कृतिक भविष्य की जिम्मेदारी है।

(शोध छात्र, हिंदी विभाग, राधा गोविंद विश्वविद्यालय, रामगढ़)

अटल बिहारी वाजपेयी हजारीबाग के कई नेताओं से गहरे रूप से जुड़े रहे

विजय केसरी

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी हजारीबाग के कई राष्ट्रीय सेवक संघ के कार्यकताओं और जन संघ व भाजपा नेताओं से गहरे रूप से जुड़े हुए थे। वे आजादी के बाद देश में होने वाले लोकसभा के चुनाव के दौरान हजारीबाग आते रहे थे। उनकी होने वाली सभाओं में काफी संख्या में लोग उन्हें सुनने के लिए एकत्रित होते थे। स्वर्गीय शत्रुघ्न प्रसाद अग्रवाल, स्वर्गीय राम अवतार अग्रवाल, स्वर्गीय काशी लाल अग्रवाल, स्वर्गीय सुरेश केसरी स्वर्गीय सीताराम केसरी, स्वर्गीय काली साव, स्वर्गीय डोमन साहू, हरिनारायण प्रसाद, महावीर लाल विश्वकर्मा आदि सीधे तौर पर अटल बिहारी वाजपेयी से जुड़े हुए थे। अटल बिहारी वाजपेयी की हजारीबाग में होने वाली सभाओं को सफल बनाने में इन लोगों की महत्वपूर्ण भूमिका रहती थी। यह मेरा सौभाग्य रहा कि संघ के एक युवा कार्यकर्ता के रूप में ऐसे कार्यकताओं के साथ कार्य करने का मुझे अवसर मिला। इसी दौरान अटल बिहारी वाजपेई को नजदीक से देखने और सुनने का अवसर भी प्राप्त हुआ था। हजारीबाग आगमन पर अटल बिहारी वाजपेयी हमेशा पार्टी कार्यकर्ताओं को उत्साहित करते रहते थे। वे बीच-बीच में कुछ ऐसी बात बोल जाते थे कि लोग हंसने के लिए विवश हो जाते थे। एक बार उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए हजारीबाग के प्रथम सांसद बाबू राम नारायण सिंह का जिक्र किया था। उन्होंने बाबूराम नारायण सिंह के राष्ट्रवादी चिंतन और गौ हत्या आंदोलन के प्रति समर्पण की तारीफ की थी।

शत्रुघ्न प्रसाद अग्रवाल, रामावतार अग्रवाल काशी लाल अग्रवाल, सुरेश केसरी आदि हजारीबाग के नेता गण अटल बिहारी वाजपेयी की झारखंड में होने वाली सभाओं में भी भाग लिया करते थे। अटल बिहारी वाजपेयी की जुबान पर इन नेताओं के नाम दर्ज हो गए थे। मैंने हजारीबाग में एक चुनावी सभा के दौरान अटल बिहारी वाजपेयी को काशी लाल अग्रवाल और सुरेश केसरी को इनके नामों से पुकारते हुए सुना था। आपातकाल की घोषणा के बाद 26 जून 1975 को अटल बिहारी वाजपेयी को गिरफ्तार कर हजारीबाग के सेंट्रल जेल में बंद किया गया था। यहां वे सिर्फ एक ही रात बंद रहे थे। इसी दौरान उनका चप्पल टूट गया था। हजारीबाग के कार्यकर्ता रामावतार अग्रवाल ने एक नया चप्पल खरीद कर उन्हें दिया था। दूसरे दिन अटल बिहारी वाजपेयी को बेंगलुरु जेल के लिए यहां से ले जाया गया था। वे बेंगलुरु के जेल में लगभग 19 महीने तक बंद रहे थे। हजारीबाग से कोडरमा जाने के दौरान राम अवतार अग्रवाल उनके साथ रहे थे। हजारीबाग सेंट्रल जेल से रवाना होने के दौरान कई कार्यकर्ता उनसे मिले भी थे। इस मुलाकात पर रामावतार अग्रवाल ने कहा था कि अटल बिहारी वाजपेयी गिरफ्तारी के दौरान भी मुस्कुरा रहे थे। पार्टी कार्यकर्ताओं से वाजपेयी जी ने एकजुट होकर इंदिरा गांधी की तानाशाही का विरोध करने का निर्देश भी दिया था।

13 जून 1952 को नई दिल्ली के रामलीला मैदान में राष्ट्रीय स्वयं संघ का गुरु दक्षिणा के कार्यक्रम में पंडित दीनदयाल उपाध्याय के साथ हजारीबाग के प्रथम सांसद बाबूराम नारायण सिंह भी सम्मिलित हुए थे। चूंकि बाबूराम नारायण सिंह देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और कांग्रेस पार्टी की नीतियों से नाराज होकर के अखिल भारतीय कांग्रेस पार्टी की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। आयोजित इस कार्यक्रम में अटल बिहारी वाजपेयी, दिल्ली से प्रकाशित हिंदी दैनिक 'वीर अर्जुन' के संपादक की हैसियत से सम्मिलित हुए थे। उन्होंने वीर अर्जुन के मुख्य पृष्ठ पर प्रथम लीड में पंडित दीनदयाल उपाध्याय और दूसरे लीड में बाबू राम नारायण सिंह के वक्तव्य को प्रकाशित किया था। आगे चलकर अटल बिहारी वाजपेयी ने कई सभाओं में बाबूराम नारायण सिंह का जिक्र किया था। अटल बिहारी वाजपेयी के दिल में हजारीबाग जिला एक विशेष स्थान रखता था।

अटल बिहारी वाजपेयी अपने उत्कृष्ट कार्यों के लिए सदा याद किए जाते रहेंगे। भारतीय राजनीति में उनका प्रवेश कुछ विशेष कार्यों को करने के लिए हुआ था। अपने लंबे राजनीतिक जीवन में उन्होंने भारतीय राजनीति को जो दिशा दी, सदा लोगों को प्रेरित करता रहेगा। उनका संपूर्ण जीवन भारतीय राजनीति के इर्द-गिर्द ही बीता था। उनका जन्म 25 दिसंबर 19 24 को हुआ था। अर्थात भारत की आजादी से मात्र 23 वर्ष पूर्व उनका इस धरा पर आना हुआ था। उन्होंने युवावस्था में प्रवेश करते ही देश की आजादी के एक सेनानी के रूप में अपना नाम दर्ज करवा लिया था। उन्हें छात्र जीवन से ही राजनीति बहुत पसंद थी। उन्होंने देश की एकता और अखंडता को मजबूती प्रदान करने के लिए ही भारतीय राजनीति में दस्तक दी थी। उन्होंने कहा कि 'राजनीति कोई व्यवसाय नहीं बल्कि राष्ट्र की सेवा ही इसका लक्ष्य होना चाहिए'।

अटल बिहारी वाजपेयी समाज के अंतिम व्यक्ति तक सत्ता का लाभ पहुंचाना चाहते थे। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए उनका राजनीति में आना हुआ था। वे इस धरा पर 94 वर्षों तक रहे। वे सदा समाज के सभी वर्गों के लोगों के कल्याण के लिए अग्रसर रहे थे । वे देश के तीन बार प्रधानमंत्री बने थे। दो बार उनका प्रधानमंत्री बनना और पद से हट जाना भारतीय राजनीति के लिए उदाहरण बन गया। तीसरी बार 1999 में जब वे प्रधानमंत्री बने, तब उन्होंने अपना कार्यकाल पूरा किया था। वे एक राजनेता के साथ कवि और पत्रकार भी थे। राजनीति में रहकर वे देश के कई प्रतिष्ठित पत्रिकाओं और समाचार पत्रों में कई आलेख लिखा करते थे। बाद के कालखंड में उन्होंने राष्ट्रधर्म, पांचजन्य, वीर अर्जुन जैसे प्रतिष्ठित पत्रिकाओं का संपादन भी किया।

अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय जनसंघ के संस्थापक सदस्यों में एक थे। वे 1968 से 1973 तक भारतीय जनसंघ के अध्यक्ष रहे। भारतीय जनसंघ का अध्यक्ष बनने के बाद उन्होंने संपूर्ण देश में पार्टी को मजबूत आधार प्रदान किया। वे अपने काम के प्रति बहुत ही निष्ठावान राजनेता थे। वे हास्य - विनोद को जीवन के लिए बहुत जरूरी मानते थे। राजनीति उनके लिए सिर्फ राजनीति नहीं थी बल्कि राजनीति के माध्यम से देश के करोड़ों लोगों की सेवा हो। वे देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करना चाहते थे। उनका मत था कि 'भारत में निवास करने वाले चाहे जिस धर्म, जाति,वर्ग के लोग हों, सभी भारत माता की संतान हैं। सभी मिलकर देश को मजबूत बनाएं। भारत में निवास करने वाले लोगों को ऐसा महसूस हो कि भारत राष्ट्र उनका अपना है'। जब पहली बार अटल बिहारी वाजपेई लोकसभा में पहुंचे थे,तब वे बिल्कुल युवा थे। लोकसभा में अपने पहले ही वक्तव्य से उपस्थित सांसदों को अपनी ओर आकृष्ट कर लिया था । उनकी बातों में दम होता था। वे लोकसभा में अपना वक्तव्य देने से पूर्व गहराई से अध्ययन मनन करते थे। लोकसभा में सांसद गण उनकी बातों को बहुत ही शांति पूर्वक सुना करते थे। देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरु ने भी अटल बिहारी वाजपेयी के वक्तव्य की सराहना की थी। जबकि अटल बिहारी वाजपेई, जवाहरलाल नेहरू की नीतियों की जमकर आलोचना किया करते थे। अटल बिहारी वाजपेयी का लोकतंत्र पर गहरा विश्वास और आस्था थी। वे समय-समय पर अपने वक्तव्य के माध्यम से देशवासियों को बताते रहते थे कि 'किसी भी लोकतांत्रिक देश की शक्ति जनता के हाथों में निहित होती है। इसलिए जनता के अधिकारों की रक्षा करना राजनीति का पहला कर्तव्य है'। उनका मानना था कि 'आजादी का सच्चे अर्थों में यही मतलब है कि आम जनता के मौलिक अधिकार सुरक्षित रहें। हर भारतीय स्वतंत्र रूप से अपनी भावनाओं को प्रकट कर सकें। देश के सभी नागरिक आजादी पूर्वक अपनी बातों को रख सकें। केंद्र में चाहे जिसकी भी सरकार हो, जनता के अधिकारों को कुचलने का अधिकार न हो।'

योगी के ब्राह्मण और ठाकुर विधायक अलग-अलग लामबंद

संजय सक्सेना

उत्तर प्रदेश की राजनीति में कई बार छोटी घटनाएं बड़े सियासी बदलावों का संकेत देती हैं। विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान लखनऊ में हुआ एक सहभोज भी कुछ ऐसा ही माना जा रहा है। कुशीनगर से भाजपा विधायक पंचानंद पाठक के सरकारी आवास पर 22 दिसंबर की शाम आयोजित इस कार्यक्रम को बाहर से निजी और पारिवारिक बताया गया, लेकिन इसमें शामिल चेहरों, समय और माहौल ने इसे राजनीतिक बहस के केंद्र में ला दिया। सत्र के बीच राजधानी में बड़ी संख्या में ब्राह्मण विधायकों और विधान परिषद सदस्यों का एक साथ जुटना सामान्य नहीं माना जा रहा। जानकारी के मुताबिक, इस सहभोज में करीब 35 से 40 विधायक और एमएलसी शामिल हुए। इनमें अधिकांश भारतीय जनता पार्टी से जुड़े थे, लेकिन कुछ अन्य दलों के ब्राह्मण जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी भी सामने आई। मिर्जापुर से विधायक रत्नाकर मिश्र, देवरिया से डॉ. शलभ मणि त्रिपाठी, बांदा से प्रकाश द्विवेदी, तरबगंज से प्रेम नारायण पांडेय, बदलापुर से रमेश मिश्र, महनौन से विनय द्विवेदी और एमएलसी साकेत मिश्र जैसे नामों ने बैठक को राजनीतिक रूप से अहम बना दिया। भोजन में लिट्टी-चोखा और मंगलवार व्रत का फलाहार परोसा गया, जिसे आयोजकों ने सांस्कृतिक और सामाजिक परंपरा से जोड़ा।

यूपी विधानसभा में मौजूदा समय में ब्राह्मण विधायकों की संख्या 52 बताई जाती है, जिनमें से 46 भाजपा के हैं। यह आंकड़ा खुद में यह बताने के लिए काफी है कि सत्ता पक्ष में यह समाज कितना प्रभावशाली है। बावजूद इसके, हाल के महीनों में पार्टी के भीतर यह चर्चा जोर पकड़ती रही है कि संगठन और सरकार में संतुलन बदल रहा है। प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी कुर्मी समाज से आने वाले नेता को मिलने के बाद यह भावना और मजबूत हुई कि ब्राह्मण नेतृत्व को अपेक्षाकृत कम अहमियत मिल रही है। उत्तर प्रदेश की राजनीति में ब्राह्मण समाज का इतिहास लंबा और प्रभावशाली रहा है। आजादी के बाद दशकों तक सत्ता की धुरी ब्राह्मण नेतृत्व के इर्द-गिर्द घूमती रही। 1990 के दशक में मंडल राजनीति के उभार के बाद समीकरण बदले, पिछड़ी और दलित जातियों का राजनीतिक प्रभाव बढ़ा, लेकिन ब्राह्मण समाज पूरी तरह हाशिये पर नहीं गया। उसने समय-समय पर नए राजनीतिक समीकरणों के साथ खुद को जोड़े रखा। यही कारण है कि आज भी यह समाज भले आबादी में 8 से 10 फीसदी माना जाता हो, लेकिन राजनीतिक असर इससे कहीं ज्यादा रखता है। चुनावी आंकड़े इस प्रभाव को साफ दिखाते हैं। 2017 के विधानसभा चुनाव में ब्राह्मण मतदाताओं का करीब 83 फीसदी समर्थन भाजपा को मिला था। 2022 में यह समर्थन बढ़कर लगभग 89 फीसदी तक पहुंच गया। यानी लगातार दो चुनावों में भाजपा को इस वर्ग से मजबूत समर्थन मिला। प्रदेश की 100 से ज्यादा विधानसभा सीटें ऐसी मानी जाती हैं, जहां ब्राह्मण मतदाता निर्णायक भूमिका निभाते हैं। बलरामपुर, बस्ती, संत कबीर नगर, महाराजगंज, गोरखपुर, देवरिया, जौनपुर, अमेठी, वाराणसी, चंदौली, कानपुर और प्रयागराज जैसे जिलों में ब्राह्मण आबादी 15 फीसदी से अधिक बताई जाती है। ऐसे में लखनऊ की इस बैठक को केवल सामाजिक सहभोज कहना कई लोगों को अधूरा सच लगता है। राजनीतिक हलकों में यह सवाल उठ रहा है कि क्या यह जुटान सिर्फ आपसी मेल-मिलाप थी या इसके पीछे भविष्य की रणनीति भी छिपी है। सूत्रों के मुताबिक, बैठक में खुलकर राजनीति पर तो चर्चा नहीं की गई, लेकिन ब्राह्मण समाज से जुड़े मुद्दों पर चिंता जरूर जताई गई। हाल के दिनों में प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में सामने आई घटनाओं का जिक्र हुआ, जहां ब्राह्मण समाज के साथ अन्याय या उपेक्षा की शिकायतें सामने आई थीं। ऐसे मामलों में संगठित होकर प्रतिक्रिया देने और पीड़ित परिवारों के साथ खड़े होने की बात कही गई।

बताया जा रहा है कि बैठक में समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की मदद के लिए एक व्यवस्थित ढांचा तैयार करने पर भी बातचीत हुई। इसमें वकील, डॉक्टर, रिटायर्ड अधिकारी और समाज के प्रभावशाली लोगों को जोड़ने की योजना पर विचार किया गया। मकसद यह बताया गया कि जरूरत पड़ने पर समाज अपने स्तर पर मदद कर सके और किसी पर निर्भर न रहे। इसके साथ ही राजनीतिक हिस्सेदारी के सवाल पर भी चर्चा हुई कि आबादी और योगदान के अनुपात में प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए।सरकार की ओर से इस पूरे घटनाक्रम को लेकर सतर्क बयान आए। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि विधानसभा सत्र के दौरान विधायकों का मिलना-जुलना स्वाभाविक है और इसे जातीय नजरिए से देखना गलत है। उनका कहना था कि विधायक आपस में मिलते हैं, चर्चा करते हैं और इसे किसी समुदाय विशेष की बैठक कहना सही नहीं है। सत्ता पक्ष के कई अन्य नेताओं ने भी इसी तरह की प्रतिक्रिया दी।

विपक्ष ने इस बैठक को भाजपा का आंतरिक मामला बताया, लेकिन साथ ही तंज कसने से भी नहीं चूका। समाजवादी पार्टी के नेताओं का कहना है कि अगर पार्टी के भीतर इस तरह की बैठकें हो रही हैं, तो इसका मतलब है कि असंतोष कहीं न कहीं मौजूद है। कुछ नेताओं ने इसे 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले की बेचैनी के तौर पर देखा राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यह बैठक अपने आप में कोई बड़ा आंदोलन नहीं है, लेकिन यह संकेत जरूर देती है कि जातीय संतुलन का सवाल फिर से केंद्र में आ रहा है। पिछले कुछ समय में ठाकुर समाज और फिर कुर्मी समाज से जुड़े कार्यक्रमों की चर्चा सामने आई थी। उसी क्रम में अब ब्राह्मण विधायकों की यह जुटान देखी जा रही है।

दैनिक पंचांग

25 दिसम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

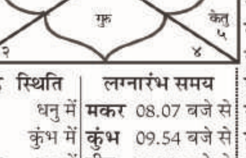

गुरुवार 2025 वर्ष का 359 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** हेमन्त।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास पौष **पक्ष** शुक्ल
तिथि पंचमी 13.43 बजे को समाप्त।
नक्षत्र धनिष्ठा 08.19 बजे को समाप्त।
योग वज्र 15.14 बजे को समाप्त।
करण बालव 13.43 बजे तदनन्तर कौलव 01.48 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 04.9 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 23° 24'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872569
जूलियन दिन 2461034.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना रज्जब
तारीख 04
विशेष स्कंद षष्ठी, क्रिसमस।

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	धनु में	मकर	08.07 बजे से
चंद्र	कुंभ में	कुंभ	09.54 बजे से
मंगल	धनु में	मीन	11.27 बजे से
बुध	वृश्चिक में	मेष	12.57 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृष	14.37 बजे से
शुक्र	धनु में	मिथुन	16.35 बजे से
शनि	मीन में	कर्क	18.49 बजे से
राहु	कुंभ में	सिंह	21.05 बजे से
केतु	सिंह में	कन्या	23.17 बजे से
		तुला	01.28 बजे से
		वृश्चिक	03.42 ब.से
		धनु	05.58 बजे से

राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	रोग	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	काल	10.15 से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.43 से	04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

मुफस्सिल पुलिस ने देशी कट्टा व दो जिंदा कारतूस के साथ एक अभियुक्त को किया गिरफ्तार, भेजा जेल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : मुफस्सिल थाना पुलिस ने एक देशी कट्टा व दो जिंदा गोली के साथ एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। अनुमंडलीय कार्यालय स्थित एसडीपीओ कक्ष में डीएसपी विजय कुमार कुशवाहा ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली कि मुफस्सिल थाना कांड संख्या 100/25 व आर्म्स एक्ट के प्राथमिकी आरोपी लालबथानी, रामावतार टोला निवासी रंजीत महतो किशन प्रसाद के समीप पुल के पास शराब पी रहा है। सूचना मिलते ही एक टीम ने मुफस्सिल थाना प्रभारी अनीश कुमार पांडेय के नेतृत्व में उक्त

स्थल पर छापा मार उसे गिरफ्तार कर लिया। उसकी तलाशी लेने पर उसकी बायीं कमर से एक देशी कट्टा व दाहिने कमर में दो जिंदा कारतूस बरामद हुआ। मामले में मुफस्सिल थाना कांड संख्या 128/25 व आर्म्स एक्ट दर्ज कर आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। डीएसपी ने बताया कि 10 अक्टूबर को रंजीत महतो ने अपने 4 साथियों के साथ जान मारने की नीयत से गोलीबारी की थी। इस मामले में वादिनी लीला देवी पति जगदेव महतो ने एफआईआर दर्ज कराते हुए पुत्र विष्णु कुमार को जान मारने की नियत से फायरिंग करने का रंजीत व अन्य 4 लोगों पर आरोप लगाया था। उक्त कांड में घटना स्थल से पुलिस ने एक खोखा बरामद किया था। आरोपी रंजीत महतो(42) पर नगर थाना क्षेत्र में 12 अगस्त 2007 को मारपीट को लेकर कांड संख्या 129/2007 दर्ज किया गया था। जहां कागजी प्रक्रिया पूरी करने के उपरांत सदर अस्पताल साहिबगंज में शारीरिक जांच करने के बाद अभियुक्त को पुलिस ने न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। मौके पर छापामारी दल में पुअनि अनिश कुमार पाण्डेय, थाना प्रभारी, सअनि उमाकान्त ओझा, सअनि केशव मालाकार, सअनि रविन्द्र कुमार सिंह, सअनि बिजेन्द्र कुमार सिंह, आरक्षी 67 मो० अकीकुल रहमान, 184 रामस्वरूप प्रसाद, 333 सरोज सोरेन, सभी मुफस्सिल थाना शामिल थे।

एक नजर

डस्ट लोड ट्रैक्टर चाय दुकान में घुसा, बाल-बाल बच्चे लोग

साहिबगंज : जिला के बोरियो थाना क्षेत्र के तीनमुहानी चौक के समीप डस्ट लोडेड ट्रैक्टर का गुल्ला टूटने से अनियंत्रित होकर चाय दुकान में घुस गया। चाय दुकान में बैठे लोग बाल-बाल बच गए। मिली जानकारी के अनुसार डस्ट लेकर एक ट्रैक्टर तेज रफ्तार से बरहेट की ओर जा रही थी। बोरियो-बरहेट तीनमुहानी चौक के पास एक चाय दुकान में ट्रैक्टर घुस गया। दुकान के समीप खड़ा एक मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दिया। दुकान के आगे सीमेंट पिलर को ट्रैक्टर ने जोरदार टक्कर मारी जिससे चाय दुकान में बैठे सभी लोग बाल-बाल बच गए। हालांकि इस घटना में किसी को चोट नहीं आई है। मौके पर पुलिस पेट्रोलिंग वाहन पहुंचकर मामले की छानबीन की। पुअनि सिद्धार्थ टोप्पो तीनमुहानी पहुंचकर मामले की छानबीन की।

धरमपुर गुड शेफर्ड चर्च में धूमधाम से मनेगा क्रिसमस, तैयारी जोरों पर

साहिबगंज: जिला के पतना प्रखंड में 25 दिसंबर को क्षेत्र के विभिन्न चर्चों व घरों में ईसाई धर्मालंबियों के द्वारा धूमधाम से क्रिसमस मनाया जायेगा। क्रिसमस को लेकर पतना प्रखंड के धरमपुर स्थित गुड शेफर्ड चर्च में तैयारी जोरों पर है। धरमपुर गुड शेफर्ड चर्च के पादरी दानियल मुर्मू ने बताया कि ब्रिटिश काल में वर्ष 1870 के आसपास शिक्षा बांटने के उद्देश्य से धरमपुर में मिशनरी के द्वारा विद्यालय की स्थापना की गयी थी। जहां आस-पास के सैकड़ों छात्र-छात्राएं न्यूनतम शुल्क पर शिक्षा प्राप्त करते थे। इसी क्रम में विद्यालय में शिक्षा प्रदान कर रहे शिक्षक, शिक्षिकाएं एवं अन्य ईसाई धर्मावलंबियों के द्वारा विद्यालय के बगल में मिट्टी के एक चर्च का निर्माण कराया गया। तत्पश्चात धीरे-धीरे मिशनरी के सहयोग से चर्च के कई विद्यालय व छात्रावास का निर्माण किया गया, जो आज संत थॉमस बालिका मध्य विद्यालय एवं संत थॉमस बालिका उच्च विद्यालय के नाम से संचालित किये जाते हैं। सन 1910 में चर्च ऑफ नार्थ इंडिया के सहयोग से पक्का गिरजाघर (चर्च) का निर्माण कराया गया। जिसका नाम गुड शेफर्ड चर्च रखा गया। चर्च का आकार क्रॉस के जैसा एवं विशाल बनाया गया है आज 115 वर्षों के बाद भी चर्च उसी आकार में है। समय के साथ चर्च की सजावट व्यवस्था में काफी वृद्धि किया गया है एवं सैकड़ों लोगों के बैठने की व्यवस्था की गयी है। सुरक्षा को लेकर सीसीटीवी कैमरे भी लगाये गये हैं।

8वें महाकाल महोत्सव की तैयारिया जोरों पर सांसद मनीष जायसवाल को दिया निमंत्रण

रामगढ़ : सामाजिक संगठन रामगढ़ बचाओ संघर्ष समिति (फ्झरर) के तत्वावधान में आगामी 05 जनवरी को आयोजित होने वाले 8वें महाकाल महोत्सव की तैयारियाँ जोर-शोर से चल रही हैं। महोत्सव को भव्य, ऐतिहासिक और जन-सहभागिता से परिपूर्ण बनाने के लिए समिति द्वारा लगातार बैठकों एवं जनसंपर्क अभियान चलाए जा रहे हैं। समिति के केंद्रीय अध्यक्ष धनंजय कुमार पुटूस ने हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल से भेंट कर उन्हें महाकाल महोत्सव में शामिल होने का औपचारिक निमंत्रण दिया। इस अवसर पर धनंजय कुमार पुटूस ने कहा कि महाकाल महोत्सव केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, सांस्कृतिक चेतना और जनआस्था का महापर्व है, जिसमें क्षेत्र के हजारों श्रद्धालु एवं गणमान्य लोग शामिल होते हैं। उन्होंने सांसद मनीष जायसवाल की उपस्थिति को महोत्सव के लिए गौरवपूर्ण बताया।

रामगढ़ में तीन चाउमिन फैक्ट्रियों पर कार्रवाई, उत्पादन पर रोक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : असैनिक शल्य चिकित्सक सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी एवं अभिहित अधिकारी सह- अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, रामगढ़ के निदेर्शानुसार खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा पारसोतिया स्थित तीन चाउमिन फैक्ट्रियों का निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान तीनों फैक्ट्रियों में खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम के अनुरूप कुछ भी नहीं पाया गया, साथ ही बहुत ज्यादा गंदगी पाई गई। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने तीनों फैक्ट्रियों में चाउमिन का उत्पादन तत्काल रूप से बंद करते हुए सुधार करने के उपरांत ही फैक्ट्रियों को संचालन करने का निर्देश दिया। सुनील कुमार अग्रवाल के चाउमिन फैक्ट्री पर 25000/- जुर्माना किया गया, जबकि एस.एम. फूड प्रोडक्ट्स पर 5000/- जुर्माना किया गया। साथ ही कड़े निर्देश दिए गए कि वे खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन करें और स्वच्छता बनाए रखें। इसके अलावा, मां फूड प्रोडक्ट्स के सॉस फैक्ट्री पर जांच किया गया और कानूनी नमूना लिया गया। जांच टीम ने टायर मोड, रामगढ़ स्थित बनारसी होटल, मां काली होटल, सत्कार होटल का निरीक्षण किया और दिशानिर्देश दिए। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, लेबलिंग, समाप्ति तिथि और स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया। सभी दुकानदारों को निर्देशित किया गया कि वे समाप्त हो चुके उत्पाद न बेचें, सभी खाद्य सामग्री पर स्पष्ट लेबलिंग करें, नियमित पेस्ट कंट्रोल कराएँ और होटल/रेस्टोरेंट स्टाफ द्वारा एप्रोन, ग्लव्स और हेडगियर का पालन सुनिश्चित करें। खाना बनाने में साफ पानी का उपयोग करने, कर्मियों की स्वच्छता पर ध्यान देने, एफएसएसएआई मानक वाले खाद्य पदार्थ का प्रयोग करने, उचित लेबलिंग के साथ खाद्य सामग्री को पैकिंग करने, कृत्रिम रंग का प्रयोग न करने और अनावश्यक रंगों के इस्तमाल से परहेज करने का निर्देश दिया गया।

रात्रिकालीन औचक निरीक्षण में सिविल सर्जन ने सदर अस्पताल की व्यवस्थाओं की समीक्षा की

ड्यूटी में लापरवाही पर कर्मियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने का निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जनहित एवं आम नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सिविल सर्जन, साहिबगंज रामदेव पासवान द्वारा रात्रि में सदर अस्पताल, साहिबगंज का आकस्मिक रात्रि निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में सिविल सर्जन द्वारा आपातकालीन वार्ड, आईपीडी वार्ड, केंद्रीय प्रयोगशाला, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग,एसएनसीयू, पीएनसी वार्ड, ब्लड बैंक तथा जिला अस्पताल भंडार का क्रमवार निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग तथा ब्लड बैंक में पदस्थ कुछ कर्मी ड्यूटी के दौरान सोते हुए पाए गए।

इसे गंभीर कर्तव्यहीनता मानते हुए सिविल सर्जन द्वारा संबंधित कर्मियों के विरुद्ध कारण बताओ नोटिस जारी करने का निर्देश दिया गया। इसके अतिरिक्त, अस्पताल भंडार में उपलब्ध क्लिनिकल उपकरणों एवं चिकित्सा सामग्री की समीक्षा करते हुए सिविल सर्जन ने निर्देश दिया कि सभी संसाधनों एवं उपकरणों का पूर्ण, प्रभावी एवं सुचारू उपयोग रोगियों के उपचार में सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को बेहतर एवं समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त हो सकें। सिविल सर्जन ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि रात्रिकालीन ड्यूटी के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही कदापि बर्दाश्त नहीं की जाएगी। भविष्य में यदि इस प्रकार की लापरवाही दोहराई जाती है, तो संबंधित कर्मियों के विरुद्ध कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। यह निरीक्षण अस्पताल की सेवाओं को और अधिक सुदृढ़, पारदर्शी एवं जनोन्मुखी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

संत फ्रांसिस स्कूल में क्रिसमस कार्निवल खुशियों का रंग और प्रेम का संदेश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : बंजारी नगर रामगढ़ के संत फ्रांसिस स्कूल में मंगलवार को क्रिसमस कार्निवल का आयोजन हुआ, जिसमें बच्चों ने जमकर मस्ती की। जिंगल बेल्स और कैरोल से पूरा स्कूल परिसर गूंज उठा। आयोजन में शिक्षकों और बच्चों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया। बीच-बीच में सांता बने शिक्षकों ने बच्चों के बीच टॉफियां बांटकर उनमें उमंग भर दिया। कार्निवल में आकर्षक चरनी भी सजाई गई थी, जिसमें प्रभु यीशू के जन्म की कहानी को दशार्या गया था। विद्यालय की सिस्टर्स ने इस अवसर पर प्रभु यीशू के जीवन का गुणगान करते हुए मेरा प्रभु जन्मा, प्यारा प्रभु जन्मा, पापिन कारण तारणहारा, प्यारा प्रभु जन्मा आदि गीत और कैरोल की प्रस्तुति की। शिक्षिकाओं ने क्रिसमस पर्व के महत्व के बारे में बताते हुए ईसा मसीह के जीवन, उनके प्रेम, त्याग और सेवा के संदेश पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि क्रिसमस केवल एक पर्व नहीं, बल्कि मानवता, प्रेम और सेवा की भावना को आत्मसात करने का अवसर है। प्राचार्य ने शुभकामना संदेश में कहा कि हमें सभी धर्मों का समान रूप से आदर करना चाहिए। क्रिसमस एक ऐसा त्योहार है जो ईश्वर के प्रेम, आनंद एवं उद्धार का संदेश देता है। जीवन में हमें जो भी प्राप्त है, यह उनका आभार करना सिखाता है। कार्निवल में बच्चों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हिस्सा लिया, जिसमें नृत्य, संगीत और नाटक शामिल थे। बच्चों ने अपने अभिनय और गायन से सभी का मन मोह लिया। कार्निवल का समापन सांता क्लॉज के आगमन के साथ हुआ, जिन्होंने बच्चों को उपहार बांटे और उनके साथ फोटो खिंचवाई। बच्चों ने खुशी-खुशी अपने उपहार प्राप्त किए और अपने दोस्तों के साथ मिलकर उनका आनंद लिया।

साहिबगंज कॉलेज ने राष्ट्रीय सम्मेलन में ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत कर बढ़ाया गौरव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : साहिबगंज कॉलेज, साहिबगंज के रसायन विज्ञान विभागाध्यक्ष एवं अकादमिक डीन (इंचार्ज) डॉ. अनिल कुमार ने बी.एन. मंडल विश्वविद्यालय, मधेपुरा द्वारा आयोजित नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन ड्रग डिजाइन एंड मेडिसिनल केमिस्ट्री में आमंत्रित व्याख्यान ऑनलाइन वर्चुअल माध्यम से प्रस्तुत किया। इस राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन यूनिवर्सिटी डिपार्टमेंट ऑफ केमिस्ट्री, मधेपुरा द्वारा विभागाध्यक्ष डॉ. नरेश कुमार के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर डॉ. अनिल कुमार ने ड्रग डिजाइन एंड मेडिसिनल केमिस्ट्री फ्रॉम ट्रेडीशनल एप्रोचेस टू एआई-ड्रिवन इनोवेशन विषय पर अपना सारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत किया। अपने व्याख्यान में डॉ. अनिल कुमार ने औषधि रसायन विज्ञान एवं ड्रग डिजाइन की पारंपरिक एवं

आधुनिक विधियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने नई दवाओं के विकास में आने वाली व्यावहारिक समस्याओं, ड्रग्स के विभिन्न प्रकार, स्ट्रक्चर बेस्ड ड्रग डांसिंग, कंप्यूटर-एडेड ड्रग डिजाइन तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते उपयोग पर गहन चर्चा की। डॉ. अनिल ने बताया कि किस प्रकार एआई को ड्रग डेवलपमेंट, क्लिनिकल ट्रायल्स और डेटा एनालिसिस में एकीकृत किया जा रहा है। साथ ही उन्होंने एआई के उपयोग से जुड़े लाभ, सीमाएँ, भविष्य की चुनौतियाँ एवं नैतिक चिंताओं पर भी विस्तार से अपने विचार साझा किए।

डीसी की अध्यक्षता में डीएमएफटी व अन्य योजनाओं की प्रगति को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला दंडाधिकारी-सह-डीसी हेमंत सती की अध्यक्षता में आज समाहरणालय सभागार में डीएमएफटी, अनाबद्ध निधि, आकांक्षी मद, नीति आयोग सहित अन्य मदों के अंतर्गत संचालित योजनाओं की प्रगति को लेकर समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में वित्तीय वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 के अंतर्गत विभिन्न योजनाओं की अद्यतन प्रगति की समीक्षा करते हुए डीसी ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सभी योजनाओं को समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने पर विशेष बल दिया तथा कार्यों में

▶ विकास कार्यों में तेजी लाने पर डीसी का जोर कई विभागों की योजनाओं की समीक्षा

किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने का निर्देश दिया। समीक्षा के क्रम में कार्यपालक अभियंता नृप, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, भवन प्रमंडल, असैनिक शल्य चिकित्सा, नगर परिषद एवं समेकित जनजातीय विकास अभिकरण द्वारा संचालित योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक के दौरान साहेबगंज स्थित शंकुतला सहाय घाट में स्थायी सीढ़ी घाट निर्माण एवं सौंदर्यकरण कार्य, सदर

अस्पताल जाने वाले मार्ग की चारदीवारी निर्माण एवं हॉर्टिकल्चर कार्य, पुलिस लाइन जिरवाबाड़ी में मार्केट हेतु चारदीवारी-सह-पेवर्स ब्लॉक निर्माण, बरहेट पुराने प्रखंड परिसर में चारदीवारी मरम्मती एवं पेवर्स ब्लॉक अधिष्ठापन, विभिन्न पंचायतों एवं ग्रामों में पीसीसी सड़क निर्माण, आंगनबाड़ी केंद्र, एचएससी में चारदीवारी सह अन्य निर्माण कार्य, विद्यालयों में कक्षा कक्ष एवं शौचालय निर्माण, खेल मैदान में गैलरी निर्माण, अस्पतालों में चारदीवारी एवं नाला निर्माण, तालाब के किनारे रिटेनिंग वॉल निर्माण, ज्ञान केंद्र से संबंधित अतिरिक्त तल एवं चारदीवारी निर्माण, शिवगादी धाम के समीप शौचालय-सह-स्नानघर निर्माण सहित कई महत्वपूर्ण योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। इसके अतिरिक्त पीवीटीजी अनुसूचित जनजाति छात्रों हेतु संचालित आवासीय विद्यालयों में स्वास्थ्य दृष्टिकोण से मॉड्यूलर किचन-सह-भोजनालय के उन्नयन कार्यों की भी समीक्षा की गई। डीसी ने निर्देश दिया कि सभी योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जाए, ताकि आमजन को शीघ्र लाभ मिल सके। बैठक में उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा, सिविल सर्जन डॉ. राम देव पासवान, जिला योजना पदाधिकारी अनुप कुमार, जिला शिक्षा अधीक्षक कुमार हर्ष सहित संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

बाल श्रम उन्मूलन पर जिला टास्क फोर्स की बैठक संपन्न

पाकुड़ : ज़िले के समाहरणालय सभागार में उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में बाल श्रम उन्मूलन एवं बाल विवाह रोकथाम हेतु गठित जिला स्तरीय टास्क फोर्स समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में बाल श्रम एवं बाल विवाह की वर्तमान स्थिति, अब तक की गई कार्रवाई तथा आगे की रणनीति की गहन समीक्षा की गई। बैठक के दौरान श्रम अधीक्षक द्वारा जिले में संचालित बाल श्रम उन्मूलन अभियानों की विस्तृत प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सभी प्रखंडों में निरंतर, अभियानात्मक एवं परिणामोन्मुख बाल श्रम विमुक्ति सह जन-जागरूकता अभियान चलाया जाए। उन्होंने श्रम अधीक्षक एवं जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी को अभियान की सतत निगरानी एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि होटल, ढाबा, व्यावसायिक प्रतिष्ठान, निर्माण स्थल एवं सार्वजनिक स्थानों पर नियमित और सघन छापेमारी अभियान चलाया जाए तथा बाल श्रम में संलिप्त पाए जाने वालों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उपायुक्त ने कहा कि बाल विवाह पूर्णतः अस्वीकार्य है और इस पर किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी एवं सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिया कि अपने-अपने क्षेत्र में सतत निगरानी रखते हुए सूचना मिलते ही त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी जिला एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों को क्षेत्र भ्रमण के दौरान बाल श्रम की स्थिति पर विशेष नजर रखने तथा कहीं भी बच्चों को श्रम में संलग्न पाए जाने पर तत्काल श्रम अधीक्षक को सूचित करने का निर्देश दिया। चाइल्ड लाइन को निर्देशित किया गया कि रेलवे स्टेशन एवं सार्वजनिक स्थलों पर बिना अभिभावक के पाए जाने वाले 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों पर विशेष निगरानी रखी जाए। किसी भी संदिग्ध स्थिति में तत्काल श्रम अधीक्षक एवं रेलवे पुलिस को सूचना देकर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि बाल श्रम और बाल विवाह केवल कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि समाज के भविष्य के साथ अपराध हैं। इनकी रोकथाम के लिए प्रशासन, समाज और सभी संबंधित संस्थाओं का समन्वित प्रयास आवश्यक है।

जिलेभर में रक्तदान शिविर आयोजित, 90 लोगों ने किया स्वैच्छिक रक्तदान

पाकुड़ : जिले में स्वास्थ्य सुरक्षा, संवेदनशीलता और सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आज प्रोजेक्ट जागृति के तहत जिले के सभी प्रखंडों में एक साथ रक्तदान शिविरों का आयोजन किया गया। ये शिविर रक्त अधिकोष, पुराना सदर अस्पताल पाकुड़, तथा सीएचसी हिरणपुर, लिट्टीपाड़ा, अमड़ापाड़ा, महेशपुर और पाकुड़िया में सफलतापूर्वक संचालित हुए। शिविरों में आम नागरिकों, जिला एवं प्रखंड स्तरीय अधिकारियों और स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ उपायुक्त मनीष कुमार व सिविल सर्जन डॉ सुरेन्द्र कुमार मिश्रा एवं उपाधीक्षक सदर अस्पताल डॉ मनीष कुमार ने रक्त अधिकोष, पुराना सदर अस्पताल में दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर उन्होंने रक्तदाताओं से संवाद किया और उनके योगदान की सराहना की। उपायुक्त ने रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र एवं कॉफी मग प्रदान कर सम्मानित किया तथा कहा कि रक्तदान एक महान मानव सेवा है—यह किसी जरूरतमंद को नया जीवन देने का अवसर प्रदान करती है। समाज में जागरूकता बढ़ाने और सामूहिक प्रयासों से ही हम हर स्थिति में पर्याप्त रक्त उपलब्ध करा सकते हैं। आज आयोजित शिविरों में कुल 90 रक्तदाताओं ने स्वेच्छा से रक्तदान कर समाजसेवा और मानवता का संदेश दिया। इनमें जिला व प्रखंड के पदाधिकारी, कर्मचारी तथा आम नागरिक शामिल थे। उपायुक्त मनीष कुमार ने बताया कि प्रोजेक्ट जागृति के तहत जिले में प्रत्येक माह की 24 तारीख को नियमित रूप से रक्तदान शिविर आयोजित किए जाते हैं, ताकि किसी भी परिस्थिति में रक्त की उपलब्धता बाधित न हो। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि स्वस्थ व्यक्ति समय-समय पर रक्तदान कर इस जन-कल्याणकारी अभियान में सहभागी बनें।

रामगढ़ पुलिस ने अपराध पर कसा नकेल, एसपी ने दिए कई अहम निर्देश

रामगढ़ : पुलिस अधीक्षक, रामगढ़ अजय कुमार (भा०पु०से०) के द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय, रामगढ़ स्थित सभागार कक्ष में अपराध गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस गोष्ठी में मुख्य रूप से सभी थाना/ओ०पी० प्रभारी को कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए।

पुलिस अधीक्षक ने लंबित काण्डों के निष्पादन करने, पुराने काण्डों में माननीय व्यवहार न्यायालय, रामगढ़ में अभियुक्तों को ससमय उपस्थापित करने, सी०सी०टी०एन०एस० के IIF-2,3,4,5 में लंबित प्रविष्टि को माह दिसम्बर के अंत तक अद्यतन करने, गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजे गये अभियुक्तों का फोटो को माह दिसम्बर के अंत तक अद्यतन करने, ई-साक्ष्य में प्रविष्टि हेतु लंबित मामलों को अविलम्ब प्रविष्टि करने का निर्देश दिया। इसके अलावा, जेवलर्स दूकान, बैंक, अस्पताल, स्कूल, कॉलेज में सुरक्षा के दृष्टिकोण से पेट्रोलिंग करने, वाहन चेकिंग की प्रविष्टि रक्षक ऐप में करने, संपत्तिमूलक, आर्म्स एक्ट, संगठित अपराध के काण्डों में जेल से बाहर आय अभियुक्तों का सत्यापन कर सी०सी०ए० के तहत थाना हाजरी, निगरानी, जिला बदर की कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। पुलिस अधीक्षक ने चोरी की घटना होने पर पूर्व में घटित चोरी/गृहभेदन के काण्डों में जेल गये अभियुक्तों से पूछताछ करने, पॉकेट डिस्पोजल काण्डों में आरोप पत्र/अंतिम प्रतिवेदन माह दिसम्बर के अंत तक समर्पित करने, मालखाना का चार्ज सभी थाना प्रभारी ग्रहण करने, मालखाना में रखे पुराने लावारिस एवं कार्ट से निष्पादित काण्डों में जप्त समर्पित का निष्पादन करने हेतु निर्देश दिया। लम्बे समय से लंबित यू०डी० काण्डों का निष्पादित करने, थाना क्षेत्र में घटित होने वाली घटना के संबंध में अविलम्ब कन्ट्रोल रूम को सूचित करने, महत्वपूर्ण एवं सुरूरवर्ती क्षेत्र में सी०सी०टी०वी० कैमरा लगवाने हेतु गणमान्य व्यक्तियों को प्रोत्साहित करने, रंगदारी / नक्सल /गिरोह / हत्या के काण्डों में सभी कार्रवाई को पूर्ण करते हुए अविलम्ब काण्डा को निष्पादित करने, महिला संबंधित अपराधों को समय सीमा के अन्दर निष्पादित करने का निर्देश दिया गया। क्रिसमस एवं नव वर्ष को लेकर वाहन चेकिंग अभियान चलाने, चर्च एवं पिकनीक स्पॉट के आस-पास पेट्रोलिंग करने एवं अन्य सुरक्षात्मक कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया गया। पुलिस अधीक्षक, रामगढ़ के द्वारा विगत माह में प्रतिवेदित काण्डों की अपेक्षा 03 या 03 से अधिक काण्डों का निष्पादन करने वाले अनुसंधानकर्ता एवं थाना प्रभारी को एक-एक सुसेवांक से पुरस्कृत किया गया।

विदेश भेजे जाने वाले धन में सालाना आधार पर 1.81 प्रतिशत की गिरावट

यात्रा और शिक्षा खर्च घटे, लेकिन विदेशी निवेश में तेज उछाल

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की उदारीकृत धनप्रेषण योजना (एलआरएस) के तहत अक्टूबर 2025 में विदेश भेजे जाने वाले धन में सालाना आधार पर 1.81 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। आरबीआई के ताजा आंकड़ों के अनुसार यह धनप्रेषण एक साल पहले के 2.40 अरब डॉलर की तुलना में घटकर 2.35 अरब डॉलर रह गया। अंतरराष्ट्रीय यात्रा और विदेश में शिक्षा पर खर्च कम होने से कुल धनप्रेषण में कमी आई, हालांकि विदेश में निवेश बढ़ने से गिरावट कुछ हद तक थमी है। एलआरएस के तहत कुल धनप्रेषण में अंतरराष्ट्रीय यात्रा की हिस्सेदारी लगभग 60 प्रतिशत होती है। अक्टूबर 2025 में अंतरराष्ट्रीय यात्रा पर खर्च सालाना आधार पर 7.02 प्रतिशत घटकर 1.35 अरब डॉलर रह गया, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 1.45 अरब डॉलर था। इसी तरह, विदेश में शिक्षा पर खर्च में भी बड़ी गिरावट दर्ज की गई। यह खर्च 26.19 प्रतिशत घटकर 16.33 करोड़ डॉलर रह गया, जो एक साल पहले 22.118 करोड़ डॉलर था। जहां उपभोग से जुड़े खर्च घटे, वहीं विदेश में निवेश के मोर्चे पर मजबूत बढ़ोतरी देखने को मिली। इक्विटी और डेट में निवेश सालाना आधार पर 83 प्रतिशत बढ़कर 27.309 करोड़ डॉलर हो गया, जो पिछले साल इसी अवधि में 14.934 करोड़ डॉलर था। इसके अलावा विदेश में अचल संपत्ति की खरीद से जुड़ा धनप्रेषण 78.8 प्रतिशत बढ़कर 4.464 करोड़ डॉलर पहुंच गया। जमा (डिपॉजिट) के लिए भेजे गए धन में भी 20.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। गौरतलब है कि वर्ष 2004 में शुरू की गई एलआरएस योजना के तहत कोई भी भारतीय, अवयस्क सहित, एक वित्त वर्ष में 2.50 लाख डॉलर तक विदेश भेज सकता है। शुरुआत में इसकी सीमा 25,000 डॉलर थी, जिसे समय-समय पर आर्थिक परिस्थितियों के अनुसार बढ़ाया गया।

दोपहिया वाहनों की थोक बिक्री हुई 18 लाख यूनिट, जीएसटी कटौती का असर

नई दिल्ली ।

नवंबर महीने में दोपहिया वाहनों की थोक बिक्री सालाना आधार पर करीब 18 लाख यूनिट तक पहुंच गई। बिक्री के आंकडे में आए इस उछाल को जीएसटी कटौती के सकारात्मक असर के रुप में देखा जा रहा है। रेटिंग एजेंसी आईसीआरए की ताजा रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है।

जानकारी के मुताबिक, वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में कटौती और कंपनियों द्वारा डीलरों को दिए गए आकर्षक ऑफर्स के चलते त्योहारी सीजन के बाद भी शोरूम में ग्राहकों की आवाजाही बनी रही, जिससे डीलरों ने इन्वेंट्री दोबारा भरने पर जोर दिया। आईसीआरए का मानना है कि इन सकारात्मक कारकों का असर आगे भी देखने को मिल सकता है। रेटिंग एजेंसी ने अनुमान जताया है कि वित्त वर्ष 2026 में दोपहिया वाहनों की वॉल्यूम ग्रोथ 6 से 9 प्रतिशत के बीच रह सकती है।

इसमें जीएसटी कटौती, शहरी क्षेत्रों में खपत बढ़ने और सामान्य मानसून के चलते ग्रामीण मांग में सुधार से मदद मिलने की उम्मीद है। हालांकि, थोक बिक्री के उलट नवंबर में दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री में गिरावट दर्ज की गई। सालाना आधार पर रिटेल बिक्री 9.1 प्रतिशत घटी है। इसकी मुख्य वजह यह बताई गई है कि अक्टूबर में दशहरा और दीपावली जैसे बड़े त्योहारों के दौरान बिक्री रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थी, जिससे नवंबर में स्वाभाविक गिरावट देखने को मिली।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि शादी के मौजूदा सीजन और जीएसटी कटौती के सकारात्मक असर से डीलरों को ग्राहकों से लगातार अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री में नवंबर में सालाना आधार पर 1.4 प्रतिशत की मामूली गिरावट दर्ज की गई और इनकी बिक्री 1,17,335 यूनिट रही। वित्त वर्ष 2026 के पहले आठ महीनों में कुल दोपहिया बाजार में इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी 6-7 प्रतिशत पर स्थिर बनी हुई है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (एफएडीए) के आंकड़ों के अनुसार, खुदरा बिक्री में सुधार के चलते इन्वेंट्री का स्तर भी बेहतर हुआ है। सितंबर के अंत में जहां इन्वेंट्री करीब 60 दिनों की थी, वहीं नवंबर 2025 तक यह घटकर 44-46 दिनों पर आ गई।

भारतीय रियल एस्टेट सेक्टर में संस्थागत निवेश 10 अरब डॉलर से अधिक होगा

मुंबई।

भारतीय रियल एस्टेट सेक्टर में संस्थागत निवेश 2025 में 10 अरब डॉलर से अधिक होगा है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई। रिपोर्ट में बताया गया कि 2025 में रियल एस्टेट में कुल 77 लेनदेन देखने को मिले हैं और इस दौरान कुल 10.4 अरब डॉलर का निवेश हुआ है। यह लगातार दूसरा साल है, जब रियल एस्टेट में रिकॉर्ड निवेश हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया हैं कि यह आंकड़ा बीते साल के मुकाबले 17 प्रतिशत अधिक है और 2024 में सेकटर में कुल संस्थागत निवेश 8.9 अरब डॉलर रहा था।

2025 में निवेश के अलावा कुल 11.43 अरब डॉलर की निवेश प्रतिबद्धता देखने को मिली है और यह निवेश अगले 3-7 वर्षों के दौरान देश के रियल एस्टेट सेक्टर में आएगा। रियल एस्टेट सेक्टर की जानकार ने कहा, ÷2014 के बाद पहली बार, घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 52 प्रतिशत की मजबूत बाजार हिस्सेदारी हासिल की है। साथ ही, 2025 में मुख्य परिसंपत्ति अधिग्रहण में दोगुनी वृद्धि यह दिखाती है कि निवेशक न केवल भारत की ग्रोथ स्टोरी पर दांव लगा रहे हैं, बल्कि हमारी स्थिर, आय-सृजन करने वाली संपत्तियों के माध्यम से सक्रिय रूप से दीर्घकालिक संपत्ति का निर्माण कर रहे हैं। भारतीय आरईआईटी और इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (इनविस्ट्स) इस परिवर्तन के प्रमुख घटक के रूप में उभरे हैं, जिन्होंने 2.5 बिलियन डॉलर का निवेश किया है जो कि मुख्य परिसंपत्ति अधिग्रहण का 56 प्रतिशत है। भारतीय निजी इक्विटी कंपनियों ने भी इसमें अतिरिक्त योगदान दिया है, जो कुल घरेलू पूंजी निवेश का 30 प्रतिशत है। हालांकि, कुल गतिविधि के प्रतिशत के रूप में विदेशी संस्थागत निवेश में गिरावट आई है, लेकिन कुल विदेशी पूंजी निवेश में सालाना आधार पर 18 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो भारतीय रियल एस्टेट के बुनियादी सिद्धांतों में निरंतर विश्वास को दर्शाता है।

मीशो के शेयर में चार फीसदी की गिरावट

- कंपनी का मार्केट कैप घटकर लगभग 86,652 करोड़ रह गया

नई दिल्ली । ई-कॉमर्स कंपनी मीशो के शेयर में मंगलवार को शुरुआती कारोबार में बीएसई पर करीब 4 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। 22 दिसंबर को यह शेयर 202.05 रुपये पर लोअर सर्किट में बंद हुआ था। यह लगातार तीसरा कारोबारी दिन है जब शेयर गिरावट में रहा। इस गिरावट के बाद कंपनी का मार्केट कैप घटकर लगभग 86,652 करोड़ रुपये रह गया।

12 से 18 दिसंबर के बीच मीशो के शेयर में जबरदस्त तेजी देखी गई थी और शेयर लगभग 42.5 फीसदी बढ़ा था। शेयर ने बीएसई पर 254.65 रुपये का हाई लेवल भी छू लिया था। मौजूदा गिरावट को लिस्टिंग के बाद हुई तेजी के बाद निवेशकों की प्रॉफिट बुकिंग से जोड़ा जा रहा है। मीशो के शेयर 10 दिसंबर 2025 को लिस्ट हुए थे। आईपीओ प्राइस 111 रुपये था, और अब शेयर लगभग 82 फीसदी ऊपर है। कंपनी के आईपीओ का सब्सक्रिप्शन 81.76 गुना हुआ था। प्रमोटर्स की हिस्सेदारी वर्तमान में 16.76 फीसदी है।

आरबीआई ने अक्टूबर में रुपए को गिरने से बचाने 11.9 अरब डॉलर बेचे

- डॉलर की खरीद 2.2 अरब डॉलर से बढ़कर 17.7 अरब डॉलर हुई

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने अक्टूबर 2025 में रुपये की स्थिरता बनाए रखने के लिए स्पॉट मार्केट में 11.9 अरब डॉलर की शुद्ध बिक्री की। सितंबर में यह राशि 7.9 अरब डॉलर थी। इस दौरान डॉलर की खरीद 2.2 अरब डॉलर से बढ़कर 17.7 अरब डॉलर हो गई, जबकि बिक्री 192 फीसदी बढ़कर 29.6 अरब डॉलर हो गई। इसका मुख्य उद्देश्य रुपये को गिरने से रोकना था। आरबीआई ने भविष्य की कीमतों पर नियंत्रण के लिए फॉरवर्ड कॉन्ट्रैक्ट्स का भी उपयोग किया। अक्टूबर में शुद्ध फॉरवर्ड बिक्री 63.6 अरब डॉलर तक बढ़ी, जो सितंबर में 59.4 अरब डॉलर थी। इससे विदेशी मुद्रा भंडार पर तत्काल दबाव कम हुआ और निवेशकों को यह भरोसा मिला कि जरूरत पड़ने पर डॉलर उपलब्ध होंगे। एक्सचेंज-ट्रेडेड करेंसी फ्यूचर्स (ईटीसीएफ) बाजार में आरबीआई ने शुद्ध पोजीशन न्यूट्रल रखी। अक्टूबर में खरीदी और बिक्री दोनों 2.3 अरब डॉलर रही, जबकि ट्रेडिंग वॉल्यूम 73.5 फीसदी बढ़ा। शुद्ध फ्यूचर्स बिक्री अक्टूबर में घटकर 1.4 अरब डॉलर रह गई। आंकड़ों से पता चलता है कि आरबीआई ने रुपए को लगभग 88-89 प्रति डॉलर के स्तर से नीचे गिरने से रोकने पर ध्यान केंद्रित किया। अक्टूबर में प्रभावी हस्तक्षेप मूल्य 88.25 रुपए प्रति डॉलर रहा, जो सितंबर के 88.35 रुपए से थोड़ा कम था।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को रुपया 13 पैसे की बढ़त पर बंद हुआ। सुबह शुरुआती कारोबार में रुपये में कमजोरी देखी गई। घरेलू शेयर बाजारों में नरमी और विदेशी निवेशकों की पूंजी निकासी के चलते रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 5 पैसे गिरकर 89.73 पर आ गया। इससे पहले सोमवार को रुपया 89.68 पर बंद हुआ था। हालांकि, डॉलर में कमजोरी और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट ने स्थानीय मुद्रा को निचले स्तर पर कुछ समर्थन दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया शुरुआती स्तर 89.67 पर खुला था, लेकिन बाद में गिरकर 89.73 पर आ गया। छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.20 फीसदी की गिरावट के साथ 98.08 पर रहा, जिससे रुपये को स्थिरता मिली।

सोना-चांदी के बाद अब तांबा बनेगा निवेशकों की नई पसंद

- एआई डेटा सेंटर्स, इलेक्ट्रिक व्हीकल्स और ग्रीन एनर्जी बढ़ा रहे तांबे की मांग

नई दिल्ली । साल 2025 में सोना और चांदी ने निवेशकों को हैरान करने वाला रिटर्न दिया, लेकिन अब तांबा निवेशकों की नजर में नया किंग बनता जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले वर्षों में तांबे की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। बाजार विशेषज्ञों के मुतो बिक एआई डेटा सेंटर्स, इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (ईवी), ग्रीन एनर्जी और इलेक्ट्रिफिकेशन की बढ़ती जरूरत तांबे की मांग को तेजी से बढ़ा रही है। वैश्विक तांबा बाजार में 2025 में लगभग 1.24 लाख टन और 2026 में 1.50 लाख टन की कमी रहने का अनुमान है। भारत में तांबे का एकमात्र प्रमुख उत्पादक हिंदुस्तान कॉपर है, जिससे सप्लाई सीमित बनी हुई है। उनका कहना है कि बिजली के इस्तेमाल में वृद्धि, इंडस्ट्रियल मैन्युफैक्चरिंग और ग्रिड वायरिंग में तांबे की अहम भूमिका इसे रणनीतिक धातु बनाती है। इस साल अब तक तांबे की कीमतों में लगभग 35 फीसदी की तेजी आई है, जो 2009 के बाद सबसे बड़ी बढ़त मानी जा रही है। वर्तमान में तांबे की कीमत लगभग 12,000 डॉलर प्रति मीट्रिक टन तक पहुँच चुकी है। निवेशक इसे सिर्फ सट्टा नहीं मान रहे, बल्कि वास्तविक मांग पर आधारित निवेश विकल्प के रूप में देख रहे हैं। बताया जा रहा है कि 2026 में वैश्विक तांबे की मांग 27 मिलियन टन तक पहुंच सकती है, जिसमें अकेले चीन की मांग में 3.7 फीसदी की वृद्धि शामिल है। विशेषज्ञ मानते हैं कि एआई डेटा सेंटर्स, इले क्ट्रिक वाहनों और ग्रीन एनर्जी की तेजी से बढ़ती जरूरत तांबे की कीमतों को नए रिकॉर्ड तक ले जा सकती है।

अमेरिका में बनी कारों को घरेलू बाजार में बेचेगी टोयोटा

नई दिल्ली ।

जापानीज कंपनी टोयोटा साल 2026 से अमेरिका में बनी कुछ कारों को घरेलू बाजार में बेचेगी। टोयोटा के मुताबिक, अमेरिका में बने कैमरी सेडान, हाईलैंडर एसयूवी और टुंड्रा पिक-अप ट्रक को जापान में बिक्री के लिए पेश किया जाएगा। ये वाहन अमेरिका के केंटकी, इंडियाना और टेक्सास स्थित प्लांट्स में तैयार किए जाते हैं। कंपनी का कहना है कि इससे वह जापानी ग्राहकों की बदलती जरूरतों को पूरा कर सकेगी और साथ ही दोनों देशों के बीच व्यापारिक सहयोग भी बढ़ेगा। दरअसल, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल में जापान से अमेरिका आने वाली कारों और ऑटो पार्ट्स पर भारी टैरिफ लगाए गए थे। इससे जापानी ऑटो कंपनियों पर काफी दबाव बढ़ गया था। टोयोटा का यह फैसला उसी पृष्ठभूमि में देखा जा रहा है, जहां कंपनी अमेरिका के प्रति 'गुडविल' दिखाने की कोशिश कर रही है। हालांकि, एक्सपर्ट्स मानते हैं कि यह रास्ता आसान नहीं होगा। ब्लूमबर्ग इंटेलिजेंस के ऑटो एनालिस्ट तात्सुओ योशिदा के अनुसार, कैमरी और हाईलैंडर जैसी गाड़ियां जापानी सड़कों और पार्किंग स्पेस के हिसाब से काफी बड़ी हैं। इसके अलावा, लेफ्ट-हैंड ड्राइव भी जापानी ग्राहकों के लिए एक बड़ी चुनौती हो सकती है। अगर भविष्य में राइट-हैंड ड्राइव वर्जन पेश किए जाते हैं, तो मांग बढ़ने की संभावना बन सकती है। बता दें कि टोयोटा कंपनी के इस कदम को सिर्फ बिजनेस रणनीति नहीं, बल्कि अमेरिका-जापान के बीच ट्रेड रिश्तों को मजबूत करने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है।

शेयर बाजार में मिला-जुला कारोबार हुआ

सेंसेक्स 42.64 अंक गिरा, निफ्टी 4.75 अंक ऊपर आया

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार में मंगलवार को मिला-जुला रुख रहा। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार सपाट बंद हुआ। एशियाई बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी बिकवाली हावी होने से दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 42.64 अंक टूटकर 85,524.84 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 4.75 अंक ऊपर आकर 26,177.15 पर बंद हुआ था। आज कारोबार के दौरान केवल एफएमसीजी, मेटल और उर्जा शेयरों में ही तेजी रही। निफ्टी मेटल और उर्जा शेयरों में बढ़त रही। वहीं निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज और निफ्टी ऑटो में भी हल्की तेजी रही जबकि निफ्टी आईटी , निफ्टी पीएसयू बैंक 0, निफ्टी फार्मा और निफ्टी रियल्टी में गिरावट रही।

सेंसेक्स के शेयरों की बात करें तो टाटा स्टील, एचडीएफसी बैंक, एनटीपीसी, पावर ग्रिड, कोटक महिंद्रा बैंक, एचसीएल टेक, एचयूएल, बजाज फाइनेंस, एमएंडएम के शेयरों में तेजी रही। वहीं भारती एयरटेल, सन फार्मा, टेक महिंद्रा, एक्सिस बैंक, मारुति सुजुकी, ट्रेंट, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक के शेयरों में गिरावट रही।

आज साप्ताहिक एक्सपायरी पर निफ्टी ने एक सीमित दायरे में कारोबार किया। बाजार सपाट बंद हुआ पर व्यापक स्तर पर बाजार में तेजी थी। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर 2,292 शेयरों में तेज जबकि 1,892 शेयरों में गिरावट रही। 181 शेयर बिना किसी बदलाव के बंद हुआ।

इससे पहले आज सुबह भारतीय बाजारों की शुरुआत सपाट स्तर पर रही। ,सुबह शुरुआत के बाद निफ्टी 50 7.5 अंक की मामूली गिरावट के साथ 26,164.20 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। वहीं सेंसेक्स 50.96 अंक फिसलकर 85,516.52 पर आ गया। बाजार में सीमित दायरे में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। आज एशियन पेंट्स, एटरनल और भारती एयरटेल के शेयर भी नुकसान में रहे। वहीं एशियाई बाजारों में भी तेजी देखने को मिली। जापान का निक्कई 225 लगभग स्थिर रहा, जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.73 फीसदी और ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी एसएएक्स 200 0.42 फीसदी ऊपर कारोबार करता दिखा। अमेरिकी बाजारों में भी हॉलिडे शॉर्टेड वीक में सकारात्मक रुख रहा। एसएंडपी 500 0.64 फीसदी, नेस्डेक कम्पो जिट 0.52 फीसदी और डाओ जोंस 0.47 फीसदी बढ़े।

आरआईटीईएस को दक्षिण अफ्रीका में 315 करोड़ का लोकोमोटिव ठेका

- भारत की रेल तकनीक का अंतरराष्ट्रीय विस्तार, डेढ़ साल में प्रोजेक्ट पूरा

नई दिल्ली । रेल अवसंरचना, परामर्श एवं इंजीनियरिंग कंपनी (आरआईटीईएस लिमिटेड) ने दक्षिण अफ्रीका की नडालामा कैपिटल लिमिटेड से डीजल-इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव की आपूर्ति और संचालन का ठेका हासिल किया है। ठेके की कुल लागत 315.7 करोड़ रुपये (35.2 मिलियन अमेरिकी डॉलर) है। कंपनी ने बीएसई को बताया कि यह प्रोजेक्ट डेढ़ वर्ष में पूरा किया जाएगा। आरआईटीईएस लिमिटेड, जो रेल मंत्रालय के अधीन नवरत्न सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम है, इस ठेके के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय बाजार में अपनी उपस्थिति मजबूत कर रही है। इस परियोजना से भारत-दक्षिण अफ्रीका के द्विपक्षीय रेल सहयोग को भी बल मिलेगा। विशेषज्ञों के अनुसार, यह ठेका भारतीय रेल प्रौद्योगिकी की वैश्विक स्वीकार्यता का प्रतीक है।

उत्सर्जन धोखाधड़ी मामले में मर्सिडीज-बेंज 14.96 करोड़ डॉलर भुगतान करेगी

मैडिसन । मर्सिडीज-बेंज यूएसए और उसकी मूल कंपनी डेमलर एजी ने उत्सर्जन धोखाधड़ी के आरोपों के निपटान के लिए 14.96 करोड़ अमेरिकी डॉलर का भुगतान करने पर सहमति जताई है। अटॉर्नी जनरल के एक गठबंधन ने यह घोषणा की। 008 से 2016 के बीच, जर्मनी की कंपनी ने 211,000 से अधिक डीज़ल कारों और वैनों में ऐसा सॉफ्टवेयर लगाया, जो परीक्षण के समय उत्सर्जन नियंत्रण को बेहतर दिखाता था, लेकिन सामान्य संचालन में यह नियंत्रण कम कर देता था। मझौते के तहत मर्सिडीज को रिपोर्टिंग आवश्यकताओं का पालन करना होगा और किसी भी प्रकार की भ्रामक बिक्री या विपणन से बचना होगा। 2020 में कंपनी ने अमेरिकी सरकार और कैलिफ़ोर्निया राज्य को पहले ही 1.5 अरब डॉलर का भुगतान किया था। इसी तरह वोल्क्सवेगन को पहले उत्सर्जन धोखाधड़ी के मामलों में 2.8 अरब डॉलर का भुगतान करना पड़ा था।

सिप्ला ने भारत में लॉन्च की पहली इनहेल्ड इंसुलिन 'अफ्रेजा'

- डायबिटीज पीड़ित वयस्कों के लिए इंजेक्शन का नया विकल्प, सांस के जरिए ली जाने वाली इंसुलिन

नई दिल्ली ।

दवा कंपनी सिप्ला ने भारत में डायबिटीज से पीड़ित वयस्कों के लिए इनहेल्ड इंसुलिन 'अफ्रेजा' को लॉन्च करने की घोषणा की है। इसके साथ ही अफ्रेजा भारत में व्यावसायिक रूप से उपलब्ध होने वाली पहली ऐसी इंसुलिन बन गई है, जिसे इंजेक्शन की बजाय सांस के जरिए लिया जाता है। कंपनी के अनुसार उसे पिछले साल के अंत में इस दवा के विशेष वितरण और विपणन के लिए केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) से नियामकीय मंजूरी मिली थी। अफ्रेजा एक तेजी से असर करने वाली इंसुलिन है, जिसे मुंह से सांस के जरिए लिया जाता है। इसका निर्माण अमेरिका की मैनकाइंड कॉर्पोरेशन द्वारा किया जाता है। यह दवा एक बार इस्तेमाल किए जाने वाले कार्ट्रिज में उपलब्ध होती है, जिसे एक छोटे, हाथ में पकड़े जाने वाले इनहेलर उपकरण के माध्यम से लिया जाता है। कंपनी के मुताबिक, इंसुलिन लेने के बाद यह तेजी से घुल जाती है और लगभग 12 मिनट के भीतर ब्लड ग्लूकोज को कम करना शुरू कर देती है। इस उपचार की शुरुआत आमतौर पर दिन के प्रमुख भोजन के साथ की जाती है और मरीज की क्लीनिकल जरूरतों के अनुसार इसकी खुराक को समायोजित किया जा सकता है। सिप्ला ने बताया कि यह इनहेल्ड फॉर्मूलेशन टाइप 1 और टाइप 2 डायबिटीज से पीड़ित वयस्कों के लिए इंजेक्टेबल प्रैंडियल इंसुलिन का एक वैकल्पिक विकल्प है। चिकित्सा विशेषज्ञों का मानना है कि इंजेक्शन से जुड़ी चिंता, इलाज की जटिलता और व्यवहार संबंधी कारणों के चलते कई मरीज इंसुलिन थेरेपी शुरू करने में देरी करते हैं या बीच में छोड़ देते हैं।

नवंबर में बुनियादी उद्योगों की वृद्धि घटकर 1.8 प्रतिशत पर

- पिछले साल नवंबर महीने में 5.8 प्रतिशत थी

नई दिल्ली । देश के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि नवंबर 2025 में घटकर 1.8 प्रतिशत रह गई, जबकि पिछले साल इसी महीने यह 5.8 प्रतिशत थी। कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद और बिजली के उत्पादन में कमजोरी इसके मुख्य कारण रहे। अक्टूबर में इन उद्योगों का उत्पादन 0.1 प्रतिशत घटा था। अप्रैल-नवंबर 2025-26 में आठ प्रमुख उद्योगों का कुल उत्पादन 2.4 प्रतिशत बढ़ा, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में वृद्धि 4.4 प्रतिशत थी। इससे पता चलता है कि इस वर्ष उद्योगों की वृद्धि पिछली अवधि की तुलना में धीमी रही। नवंबर में कोयला और इस्पात उत्पादन में नरमी आई। वहीं उर्वरक और सीमेंट उत्पादन ने बेहतर प्रदर्शन किया, क्रमशः 5.6 प्रतिशत और 14.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। मासिक आधार पर आंकड़े बताते हैं कि अक्टूबर से नवंबर के बीच अधिकांश क्षेत्रों में सुधार हुआ। एक अर्थशास्त्री के अनुसार त्योहारों के बाद नवंबर में बुनियादी उद्योगों की वृद्धि सुधरी, लेकिन यह अभी भी सुस्त है। उन्होंने कहा कि औद्योगिक उत्पादन सूचकांक नवंबर में 3.5-4.5 प्रतिशत तक बढ़ने की संभावना है।

बिहार के 25 जिलों में कोल्ड डे का अलर्ट:

घर में आग लगने से पति-पत्नी जिंदा जले; 4 फ्लाइट कैंसिल, संपूर्ण क्रांति-तेजस 9 घंटे लेट

पटना। बिहार पिछले एक सप्ताह से शीतलहर की चपेट में है। बर्फीली हवा ने प्रदेश में कनकनी बढ़ा दी है। ठंड को देखते हुए कई जिलों में स्कूलों को बंद कर दिया गया हैं। गयाजी में घर में अचानक आग लगने से पति-पत्नी की जिंदा जलकर मौत हो गई। कोहरे की वजह से 4 फ्लाइट कैंसिल हुई, जबकि 20 जोड़ी विमान ने लेट उड़ान भरी। वहीं संपूर्ण क्रांति और तेजस 9 घंटे तक की देरी से चल रही है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, 4 जिलों का तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से कम रिकॉर्ड किया गया। जबकि 8 जिलों का तापमान 11 डिग्री सेल्सियस से नीचे है। 5 दिनों तक मौसम के ऐसे ही रहने का अनुमान है। भागलपुर के पीरपैंती में आज सुबह घने कोहरे के कारण एक कार की बस से टक्कर हो गई। हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। पुलिस के पहुंचने से पहले सभी मौके से फरार हो गए। गाड़ी मालिक का अब तक कुछ पता नहीं चल पाया है। मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, 'आज प्रदेश के 25 जिले कोल्ड डे और घने कोहरे की चपेट में रहेंगे। इनमें 12 जिलों में घने कोहरे और कोल्ड-डे का ऑरेंज अलर्ट है। जबकि 13 जिलों में कोहरे का यलो अलर्ट है। बिहार में 28 दिसंबर तक घने कोहरे और शीतलहर की स्थिति रह सकती है।गयाजी में मंगलवार की देर शाम हादसा हुआ। एक घर में आग लग गई। आग की चपेट में आकर पति-पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई। घर राख हो गया। तीन बच्चे अनाथ हो गए। घटना चाकंद थाना क्षेत्र के बिथो गांव की है। मृतकों की पहचान सरयू साव के बेटे प्रमोद साव और उनकी पत्नी के रूप में हुई है। प्रमोद साव घर पर ही पत्तल बनाने का काम करता था। हालांकि, आग कैसे लगी इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है। वहीं भोजपुर के तीयर थाना क्षेत्र के कटाई बोझ गांव में मंगलवार घर में आग तापने के दौरान नौ महीने की गर्भवती महिला बुरी तरह

झुलस गई। महिला को पहले इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे पटना रेफर कर दिया गया।

जबकि मंगवार को सारण में कोहरे के कारण एक बाइक, सीमेंट लदे ट्रक से टकराई, जिसमें छात्र की मौत हो गई। वहीं, आरा में एक ट्रैक्टर पैसेंजर ट्रेन से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रैक्टर के परखच्चे उड़ गए। करीब 500 मीटर तक ट्रेन में फंसकर घसीटता रहा और इंजन में फंस गया। हालांकि किसी तरह का भारी नुकसान नहीं हुआ। सोमवार को गयाजी का पारा 4 डिग्री पहुंच गया जो कि मनाली के तापमान के बराबर था। वहीं, मंगलवार सुबह पटना, जहानाबाद, भागलपुर, जमुई, दरभंगा, खगड़िया, बक्सर समेत करीब 20 जिलों में घना कोहरा छाया रहा। इस दौरान विजिबिलिटी 10 मीटर से कम रही।

शीतलहर के कारण पटना और बक्सर के सभी स्कूल 26 दिसंबर तक बंद कर दिए गए हैं। वहीं, जहानाबाद में कक्षा एक से लेकर कक्षा 8 तक के सभी स्कूलों को 27 दिसंबर तक, बांका में 31 दिसंबर तक, जबकि लखीसराय में 4 जनवरी तक स्कूल बंद करने के आदेश दिए गए हैं। किशनगंज में शीतलहर की वजह से स्कूल की टाइमिंग में बदलाव किया गया है। स्कूलों में अब सुबह 10 से दोपहर 3 बजे तक पढ़ाई होगी। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 4 से 5 दिनों में राज्य के बाकी हिस्सों में भी कुछ जगहों पर मध्यम से घना कोहरा देखने को मिल सकता है। खासकर सुबह के समय दृश्यता बेहद कम रहने की आशंका है। अगले 2 से 3 दिनों के दौरान बिहार के कई हिस्सों में अधिकतम तापमान में 1 से 4 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी हो सकती है। हालांकि तापमान में यह बढ़ोतरी लोगों को ठंड से पूरी तरह राहत नहीं दे पाएगी, क्योंकि न्यूनतम तापमान में खास बदलाव के संकेत नहीं हैं।मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, पछुआ जेट स्ट्रीम समुद्र तल से करीब 12.6 किलोमीटर की ऊंचाई पर सक्रिय है और इसकी रफ्तार लगभग 140 नॉट बताई गई है। इसी वजह से उत्तर भारत के साथ-साथ बिहार में भी ठंडी हवाओं का प्रभाव बढ़ गया है। यह स्थिति फिलहाल बनी रहने की संभावना है।

सांसद पति रमेश कुशवाहा का विवादित बयान

सीवान। में अतिक्रमण हटाओ अभियान के बीच सांसद पति रमेश कुशवाहा का बयान अब सियासी और सामाजिक बहस का केंद्र बन गया है। सड़क किनारे ठेला-खोमचा लगाकर रोजी-रोटी कमाने वाले गरीबों को लेकर दिए गए उनके बयान को सत्ता का घमंड और गरीब विरोधी सोच बताया जा रहा

है। दरअसल, मीडिया द्वारा सवाल पूछे जाने पर कि प्रशासन अतिक्रमण के नाम पर सड़क किनारे ठेला लगाने वाले गरीबों को बिना वैकल्पिक व्यवस्था हटवा रहा है, तो सांसद पति से उम्मीद थी कि वे मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए पुनर्वास या वैकल्पिक स्थान की बात करेंगे। लेकिन इसके उलट उन्होंने जिला प्रशासन का खुला समर्थन करते हुए कहा कि ठेला लगाने वालों को कोई जगह देने की जरूरत नहीं है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि वे लोग सड़क पर ठेले क्यों लगाएंगे? दुकान चलानी है तो निजी जमीन पर या किराये पर दुकान लेकर चलाएं। लाखों रुपए की पगड़ी और भारी-भरकम किराया देना असंभव इस बयान ने उन हजारों गरीब परिवारों की पीड़ा को उजागर कर दिया है जो रोज कमाते हैं और उसी से घर का चूल्हा जलता है। ठेला न लगे तो कई घरों में उस दिन खाना नहीं बनता। ऐसे में लाखों रुपए की पगड़ी और भारी-भरकम किराया देना उनके लिए असंभव है। सवाल यह है कि जब कमाई ही रोज की रोटी तक सीमित हो, तो दुकान का सपना कैसे पूरा होगा? अतिक्रमण हटाने के लिए किसी अलग निर्देश की जरूरत नहीं सांसद पति यहीं नहीं रुके। उन्होंने यह भी कहा कि अतिक्रमण हटाने के लिए किसी अलग निर्देश की जरूरत नहीं है, क्योंकि ठेला लगाने वाले खुद जानते हैं कि वे अतिक्रमण कर रहे हैं। उनके अनुसार, यह पूरी तरह गलत तर्क है कि प्रशासन गरीबों को उजाड़ रहा है। उन्होंने साफ कहा कि प्रशासन ने जो कदम उठाया है, वह सही है और इसमें किसी गरीब दुकानदार के प्रति उदारता नहीं बरती जानी चाहिए।'विपक्ष आज सत्ता से बाहर' इस दौरान उन्होंने विपक्ष पर भी निशाना साधते हुए गरीबों के पक्ष में खड़े होने को गलत ठहराया और कहा कि यही वजह है कि विपक्ष आज सत्ता से बाहर है। लेकिन सवाल यह उठता है कि चुनाव के समय इन्हीं गरीबों के दरवाजे पर जाकर हर संभव मदद का वादा कौन करता है?सफाई और यातायात को गरीबों की रोजी-रोटी से ज्यादा जरूरी बता दिया सबसे चौंकाने वाला बयान तब आया जब उनसे पूछा गया कि जिनके पास दुकान लेने के पैसे नहीं हैं, उनके लिए क्या व्यवस्था होनी चाहिए। इस पर उनका जवाब था–ह्वउनके लिए कोई व्यवस्था नहीं होनी चाहिए.ह्व उन्होंने सड़क की सफाई और यातायात को गरीबों की रोजी-रोटी से ज्यादा जरूरी बता दिया।

बिहार में खरगोश का मांस बोलकर कुत्ते का मीट खिलाया

मोतिहारी। में एक शख्स ने जंगली खरगोश का मांस कहकर कुत्ते का मांस बेच दिया। मांस खाने के बाद तीन लोगों की तबीयत खराब हो गई। राज तब खुला जब मांस बेचने वाले ने ही शराब के नशे में गांव में घूम-घूमकर कहा कि, शराब के लिए पैसे कम पड़ रहे थे, इसलिए खरगोश की जगह लोगों को कुत्ते का मांस खिला दिया। घटना मधुबन प्रखंड स्थित गरहिया बाजार थाना क्षेत्र के गरहिया गांव की है। बताया जाता है कि, यहां रहने वाला मंगरु सहनी नामक युवक शराब का आदी है। आरोप है कि मंगरु सहनी ने गांव में एक कुत्ते को पकड़कर उसे मार डाला। इसके बाद उसने

कुत्ते के शव को टुकड़ों में काटा और मांस को खरगोश का मांस बताकर गांव में बेचने निकल गया। गांव के कई लोगों ने मांस खरीद भी लिया।गड़हिया गांव निवासी अनिल कुमार सिंह ने भी मांस खरीदा। अनिल सिंह जब यह मांस घर ले गए और बनाकर खाया, तो कुछ ही देर बाद उनके परिजनों की तबीयत खराब होने लगी। उन्हें उल्टी, दस्त, पेट दर्द और तेज चक्कर आने लगे। पीड़ितों में अनिल कुमार सिंह की पत्नी लक्ष्मी देवी और अन्य ग्रामीण रामप्रवेश साहनी की भी हालत खराब होने लगी। दोनों अनिल के यहां पार्टी करने आए थे। अनिल कुमार का कहना है कि, मंगरु सहनी ने 500 रुपए में आधा किलो मांस दिया था। मांस को खाने के बाद हम सब की तबीयत बिगड़ गई। मंगलवार को हमलोग जब उसके घर पहुंचे तो उसने कहा कि, मर्डर करके इंसान बाहर आ जाता है। मैंने तो बस कुत्ते का मांस ही खिलाया है। तुमलोग से कुछ नहीं होगा। राम प्रवेश सहनी ने बताया कि, मंगरु मेरे पास आया और कहा कि, जंगली खरगोश का मांस है, लेकिन मैंने मना कर दिया। मेरे घर से निकलने के बाद उसने 500 ग्राम मांस मेरे घर पर रख दिया। मैं बाहर से लौटा तो पता चला कि मेरी पत्नी और बेटी ने मांस बनाकर खा लिया। उनकी भी तबीयत खराब हो गई। गांव के लोगों का कहना है कि हम सबको लगा कि, मंगरू शराब के नशे में बोल रहा है कि उसने कुत्ते का मांस बेचा है। लेकिन जब हमलोगों ने इसकी पड़ताल की तो सन्न रह गए। गांव के बाहरी इलाके में सुनसान जगह पर कुत्ते का सिर और कुछ हड्डियां मिला। इसके बाद हमें यकीन हो गया कि मंगरु ने हमारे साथ बहुत गलत किया है।

लापता बच्चे के पोस्टर से 50 हजार की ठगी

मोतिहारी। पुलिस ने अपहरण के एक फर्जी मामले का खुलासा किया है। साइबर ठगों ने परिजनों से 50 हजार रुपए भी ठग लिए। पुलिस ने सोमवार की रात मुजफ्फरपुर रेलवे स्टेशन से लापता किशोर को सकुशल बरामद कर लिया है। यह मामला नगर थाना क्षेत्र के चांदमारी मोहल्ले से जुड़ा है। चांदमारी निवासी मो. आरिफ नामक किशोर के गुम होने की शिकायत शनिवार को परिजनों ने नगर थाना में दर्ज कराई थी। शिकायत मिलते ही नगर थाना पुलिस ने किशोर की तलाश शुरू कर दी। कर दिया था। इसी का फायदा उठाकर साइबर ठगों ने परिजनों को निशाना बनाया। ठगों ने बच्चे की फोटो एडिट की, फिर वीडियो कॉल कर परिवार को दिखाई। तस्वीर की गर्दन पर तलवार रखकर परिवार को डराते हुए दावा किया कि वहीं उनका बच्चा है। साथ ही एक लाख रुपए नहीं देने पर उसकी हत्या करने की धमकी दी। डर के मारे परिजनों ने पुलिस को सूचना दिए बिना UPI के जरिए साइबर ठगों को 50 हजार रुपए भेज

दिए। बाद में जब इसकी जानकारी ऊढ दिलीप कुमार को मिली, तो उन्होंने तत्काल वैज्ञानिक तरीके से जांच शुरू कराई। जांच में सामने आया कि जिस खाते और मोबाइल नंबर पर रुपए भेजे गए थे, वह हैदराबाद का था।जफ्फरपुर स्टेशन से बच्चा सकुशल बरामद इससे पुलिस को स्पष्ट हो गया कि यह अपहरण नहीं, बल्कि साइबर ठगी का मामला है, क्योंकि इतने कम समय में बच्चे का हैदराबाद पहुंचना संभव नहीं था। इसी बीच, सोमवार रात करीब 10 बजे परिजनों को फोन आया कि बच्चा मुजफ्फरपुर रेलवे स्टेशन पर है। सूचना मिलते ही नगर थाना पुलिस तत्काल मुजफ्फरपुर पहुंची और उसे सकुशल बरामद कर थाने ले आई। पुलिस किशोर से पूछताछ कर रही है कि वह वहां तक कैसे पहुंचा।जफ्फरपुर स्टेशन से बच्चा सकुशल बरामद इससे पुलिस को स्पष्ट हो गया कि यह अपहरण नहीं, बल्कि साइबर ठगी का मामला है, क्योंकि इतने कम समय में बच्चे का हैदराबाद पहुंचना संभव नहीं था।इसी बीच, सोमवार रात करीब 10 बजे परिजनों को फोन आया कि बच्चा मुजफ्फरपुर रेलवे स्टेशन पर है। सूचना मिलते ही नगर थाना पुलिस तत्काल मुजफ्फरपुर पहुंची और उसे सकुशल बरामद कर थाने ले आई। पुलिस किशोर से पूछताछ कर रही है कि वह वहां तक कैसे पहुंचा।जफ्फरपुर स्टेशन से बच्चा सकुशल बरामद इससे पुलिस को स्पष्ट हो गया कि यह अपहरण नहीं, बल्कि साइबर ठगी का मामला है, क्योंकि इतने कम समय में बच्चे का हैदराबाद पहुंचना संभव नहीं था।इसी बीच, सोमवार रात करीब 10 बजे परिजनों को फोन आया कि बच्चा मुजफ्फरपुर रेलवे स्टेशन पर है। सूचना मिलते ही नगर थाना पुलिस तत्काल मुजफ्फरपुर पहुंची और उसे सकुशल बरामद कर थाने ले आई। पुलिस किशोर से पूछताछ कर रही है कि वह वहां तक कैसे पहुंचा।जफ्फरपुर स्टेशन से बच्चा सकुशल बरामदससे पुलिस को स्पष्ट हो गया कि यह अपहरण नहीं, बल्कि साइबर ठगी का मामला है, क्योंकि इतने कम समय में बच्चे का हैदराबाद पहुंचना संभव नहीं ीच, सोमवार रात करीब 10 बजे परिजनों को फोन आया कि बच्चा मुजफ्फरपुर रेलवे स्टेशन पर है। सूचना मिलते ही नगर थाना पुलिस तत्काल मुजफ्फरपुर पहुंची और उसे सकुशल बरामद कर थाने ले आई। पुलिस किशोर से पूछताछ कर रही है कि वह वहां तक कैसे पहुंचा।जफ्फरपुर स्टेशन से बच्चा सकुशल बरामद इससे पुलिस को स्पष्ट हो गया कि यह अपहरण नहीं, बल्कि साइबर ठगी का मामला है, क्योंकि इतने कम समय में बच्चे का हैदराबाद पहुंचना संभव नहीं था। इसी बीच, सोमवार रात करीब 10 बजे परिजनों को फोन आया कि बच्चा मुजफ्फरपुर रेलवे स्टेशन पर है।

गर्लफ्रेंड के लिए थावे मंदिर में 1.8 करोड़ की चोरी

गोपालगंज। के थावे भवानी मंदिर में हुई 1.08 करोड़ रुपए के आभूषण चोरी मामले में पुलिस ने बड़े खुलासे किए हैं। इस हाई-प्रोफाइल चोरी के मास्टरमाइंड को घटना से ठीक 6 दिन पहले पुलिस ने हिरासत में लिया था, लेकिन शक के बावजूद उसे छोड़ दिया गया।दरअसल, आरोपी 10-11 दिसंबर की रात थावे मंदिर परिसर में रेकी कर रहा था। पुलिस ने शक के आधार पर उसे हिरासत में लिया। करीब 5 घंटे तक थाने में बैठाकर पूछताछ की। इस दौरान आरोपी ने पुलिस को गुमराह करते हुए कहा, वह अपनी प्रेमिका से मिलने यहां आया है।पुलिस की सख्ती और लगातार सवालों के बावजूद आरोपी अपनी कहानी पर अड़ा रहा। इसके बाद पुलिसकर्मियों से उसने अपने पिता से फोन पर बात कराई। पिता के हस्तक्षेप के बाद पुलिस ने आरोपी को सरकारी गाड़ी से रेलवे स्टेशन तक छोड़ा।

मास्टरमाइंड की पहचान उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले के रहने वाले दीपक राय के रूप में हुई है। आरोपी ने पुलिस पूछताछ में जानकारी दी कि उसने चोरी की प्लानिंग कैसे और कब की थी। पुलिस का कहना है कि 13 नवंबर को जेल से रिहा होने के बाद दीपक ने प्रयागराज में रहने वाली अपनी गर्लफ्रेंड से कहा था कि मैं बहुत बड़ा काम करने जा रहा हूं। अब लाइफ सेट है।SP अवधेश दीक्षित ने बताया, 'थावे मंदिर से पहले दीपक महाराष्ट्र के पुणे में एक फेमस मंदिर में चोरी की योजना बना रहा था। मास्टरमाइंड दीपक राय ने 6 से 8 दिसंबर तक लगातार गूगल और यूट्यूब पर मंदिरों से जुड़ी जानकारियां सर्च की थीं।उसके मोबाइल फोन से पुणे के एक प्रसिद्ध मंदिर की वेबसाइट, वहां के मुकुट, गर्भगृह और सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े वीडियो और तस्वीरें देखे जाने के सबूत मिले हैं। हालांकि, उस मंदिर का नाम पुलिस ने नहीं बताया है।' पुणे मंदिर की वेबसाइट देखते समय थावे मंदिर पर पड़ी नजर आरोपी ने पुलिस को बताया, 8 दिसंबर की रात पुणे के उस मंदिर के बार में वो सर्च कर रहा था। इसी दौरान उसे थावे मंदिर से जुड़े कुछ वीडियोज मिले। जिसके बाद आरोपी ने सोचा पुणे उसके घर से ज्यादा दूर हो जाएगा। इस वजह से उसने ये प्लान ड्राप कर दिया। इसके बाद दीपक ने थावे मंदिर पर फोकस किया। गूगलयूट्यूब से तैयार की गई चोरी की ब्लूप्रिंटपुलिस के मुताबिक, आरोपी ने सिर्फ रेकी पर भरोसा नहीं किया, बल्कि डिजिटल प्लेटफॉर्म को अपना हथियार बनाया। उसने 9 से 13 दिसंबर तक करीब 10-12 यूट्यूब वीडियो देखे। मंदिर की वेबसाइट, यूट्यूब पर श्रद्धालुओं के वीडियो, ड्रोन और रील्स में दिख रहे कैमरा एंगल, गूगल मैप से रास्तों की जानकारी, इन सबको जोड़कर उसने चोरी की पूरी ब्लूप्रिंट तैयार की।आरोपी के मोबाइल फोन से यह सर्च हिस्ट्री बरामद की गई है, जिसे पुलिस ने ठोस डिजिटल सबूत माना है। पुलिस जांच में सामने आया है कि 10-11 दिसंबर की रात दीपक ने निमार्णाधीन भवन, मंदिर की दीवार, रस्सी के सहारे चढ़ने का तरीका सब तय कर लिया था।सीसीटीवी फुटेज में भी 10-11 दिसंबर की रात चोर की मौजूदगी निमार्णाधीन भवन और मंदिर की दिशा में कैद हुई है।SP ने आगे बताया, थावे मंदिर आभूषण चोरी कांड को सुलझाने में सबसे अहम भूमिका एक अज्ञात फोन कॉल ने निभाई। चोरी के खुलासे के लिए एक लाख रुपए का इनाम घोषित किया गया था। इसके बाद हमें एक अनजान नंबर से फोन कर एक व्यक्ति ने बताया, चोरी गाजीपुर का एक शातिर चोर करता है, उसी लाइन में छापेमारी करिए। इसी सूचना के आधार पर पुलिस ने गाजीपुर जिले में छापेमारी की और दीपक राय के घर तक पहुंची। इस दौरान दीपक घर से बाहर था। परिवार वालों से पूछताछ में पता चला कि

दीपक पहले भी चोरी के आरोप में जेल जा चुका है। हमलोगों ने दीपक की तलाश के लिए बॉर्डर पर पुलिस टीम को एक्टिव किया। इसी दौरान 22 दिसंबर की रात आरोपी यूपी बॉर्डर के पास गोपालगंज से उसे अरेस्ट किया गया। तकनीकी जांच में मंदिर के लॉकर, दीवार, रस्सी पर मिले फिंगर प्रिंट भी दीपक राय से मैच कर गए। इससे यह पूरी तरह स्पष्ट हो गया कि थावे मंदिर चोरी का मास्टरमाइंड वही है। वाराणसीमऊ समेत कई मंदिरों में कर चुका है चोरी पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी पेशेवर मंदिर चोर है। वह इससे पहले वाराणसी, मऊ सहित पूर्वांचल के कई बड़े मंदिरों में चोरी की घटनाओं को अंजाम दे चुका है। यूपी के मऊ के शीतला भवानी मंदिर चोरी कांड में मार्च 2025 महीने में आरोपी जेल गया था। 3 नवंबर 2025 में जेल से बाहर आने के बाद वह दोबारा एक्टिव हो गया और थावे मंदिर को निशाना बनाया।

गोपालगंज SP ने आगे बताया, आरोपी बास्केट बॉल प्लेयर रहा है। उसके पिता रिटायर्ड आर्मी के जवान हैं।

संक्षिप्त डायरी

शराब पार्टी करते वार्ड पार्षद के देवर समेत 4 गिरफ्तार

मोतिहारी। के छतौनी थाना क्षेत्र में पुलिस ने शराब पार्टी का भंडाफोड़ करते हुए वार्ड पार्षद के देवर समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है। छतौनी थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर यह कार्रवाई की। पकड़े गए आरोपियों में तीन युवक और उन्हें शराब की होम डिलीवरी करने वाला एक तस्कर शामिल है। पुलिस सभी से पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेजने की तैयारी कर रही है।थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि उन्हें शहर के सरकार ब्लॉक के पास कुछ युवकों द्वारा शराब पार्टी करने की गुप्त सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही उन्होंने तत्काल एक पुलिस टीम का गठन किया और बताए गए स्थान पर छापेमारी की। पुलिस के पहुंचने पर मौके से वार्ड पार्षद के भाई राजन कुमार, अविनाश कुमार और रोहित पटेल को शराब की बोतलों के साथ गिरफ्तार किया गया।होम डिलीवरी हुई थी शराबगिरफ्तार युवकों से पूछताछ में उन्होंने बताया कि शराब उन्हें होम डिलीवरी के माध्यम से मिली थी। इस जानकारी के आधार पर पुलिस ने जाल बिछाया और राजन कुमार के माध्यम से शराब पहुंचाने वाले तस्कर को मौके पर बुलवाया। जैसे ही विकास नामक युवक शराब की खेप लेकर पहुंचा, पहले से मौजूद पुलिसकर्मियों ने उसे गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से भी शराब की बोतल बरामद हुई।पुलिस ने इस कार्रवाई में एक कार, एक बाइक, तीन शराब की बोतलें, शराब पीने में इस्तेमाल किए गए तीन गिलास और शराब तस्कर विकास को गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार के अनुसार, विकास के खिलाफ पहले से ही आधा दर्जन से अधिक शराब तस्करी के मामले दर्ज हैं।शराब तस्करी के जरिए संपत्ति की अर्जित प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि विकास ने शराब तस्करी के जरिए काफी संपत्ति अर्जित की है। उसकी अवैध रूप से अर्जित संपत्ति को जब्त करने का प्रस्ताव विभाग को भेजा जा रहा है। पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच कर रही है।पुलिस की इस कार्रवाई से इलाके में हड़कंप मच गया है। वहीं, छतौनी थाना पुलिस ने साफ किया है कि शराबबंदी कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आगे भी इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

ऑटो लिफ्टर गैंग के 7 शातिर पकड़ाए

पटना। में जक्कनपुर थाने की पुलिस ने ऑटो लिफ्टर गैंग के 7 शातिरों को पकड़ा है। पहली 2 गिरफ्तारी मीठापुर बाईपास से हुई। इनकी निशानदेही पर 2 नाबालिग भी कल पकड़े गए। आज खुलासा हुआ है कि ये लूट की मोबाइल को दुकानदार के माध्यम से नेपाल में बेचते थे। वहां से अब तक 7 लाख रुपए का भुगतान हो चुका है। 2 दिन पहले पुलिस ने पहले 2 बदमाशों को पकड़ा। इनकी

पहचान राघोपुर वैशाली निवासी विनय कुमार और पटना धनरूआ निवासी सूरज कुमार के तौर पर हुई। इनकी निशानदेही पर एक नेटवर्क का खुलासा हुआ है। अब तक इस मामले में 7 शातिर बदमाश पकड़े गए हैं। फिलहाल इनकी निशानदेही पर पटना पुलिस नेपाल के नेटवर्क की तलाश कर रही है।वॉट्सऐप के जरिए भेजते थे फोटो विनय और सूरज की निशानदेही पर कल दो नाबालिग पकड़े गए। दोनों नाबालिगों ने पुलिस को बताया कि वॉट्सऐप के जरिए छोटू नाम के शख्स को तस्वीर भेजते थे। फिर उससे डील पक्की होती थी। अब इनकी निशानदेही पर छोटू पकड़ा गया।छोटू ने पुलिस को बताया कि वो नाला रोड स्थित चश्मा दुकान में मोबाइल देता था। फिर चश्मा दुकानदार आदित्य कदमकुआं के रहने वाले शिवम को लूट का मोबाइल देता था। इसके बाद शिवम मोबाइल को खपाता था।नेपाल से जुड़े ट्रांजेक्शन का पूरा डेटा बरामदपूछताछ में शिवम ने खुलासा किया कि वह इन मोबाइलों को एक अन्य व्यक्ति को देता था, जो बस के माध्यम से नेपाल भेजता था। इसके बदले उसे नेपाल से अकाउंट के जरिए लाखों रुपए का भुगतान किया गया है।पुलिस ने शिवम के मोबाइल की जांच के दौरान नेपाल से जुड़े ट्रांजेक्शन का पूरा डेटा बरामद किया है। मोबाइल में घोस्ट ाम से सेव एक संदिग्ध नंबर भी मिला है, जिससे नेटवर्क के अंतरराज्यीय और अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन की पुष्टि हुई है।फिलहाल, सभी गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। पुलिस आरोपियों से मिले इनपुट के आधार पर नेपाल कनेक्शन से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुट गई है और पूरे मामले की छानबीन जारी है। इसमें और भी शातिर हो सकते हैं।पूर्वी एसपी परिचय कुमार ने बताया है कि नेपाल से मनी ट्रेल की जानकारी मिली है। इसकी पूरी छानबीन चल रही है।

राजगीर केंद्रीय विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रशिक्षण

नालंदा। जिले के राजगीर में पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय में बुधवार को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। केंद्रीय विद्यालय संगठन के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में आगरा, बनारस, भुवनेश्वर, रांची और पटना

संभाग के विभिन्न केंद्रीय विद्यालयों से चयनित कुल 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया।कार्यक्रम का उद्घाटन केंद्रीय विद्यालय संगठन मुख्यालय के संयुक्त आयुक्त सोमित श्रीवास्तव ने किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि किसी भी विद्यालय का प्रभावी संचालन तभी संभव है जब वहां सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता और निष्पक्षता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।श्रीवास्तव ने प्राचार्यों की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि प्राचार्यों को न केवल शैक्षणिक गुणवत्ता सुनिश्चित करनी होती है, बल्कि प्रशासनिक और अनुशासनात्मक मामलों में भी ंतुलित एवं न्यायपूर्ण निर्णय लेने होते हैं।संयुक्त आयुक्त ने सतर्कता मामलों के उचित एवं नियम सम्मत क्रियान्वयन के लिए नियमित प्रशिक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इससे निर्णय प्रक्रिया में आत्मविश्वास बढ़ता है और प्रभावशाली नेतृत्व का निर्माण होता है।अपने अनुभवों को साझा करते हुए, उन्होंने प्राचार्यों को सलाह दी कि वे शिक्षकों, कर्मचारियों, छात्रों और अन्य हितधारकों से प्राप्त शिकायतों की निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध जांच करें। साथ ही, नियमों के अनुरूप उचित कार्यवाही सुनिश्चित करें।

क्रिसमस एक ऐसा त्यौहार है जिसे शायद दुनिया के सर्वाधिक लोग पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं. आज यह त्यौहार विदेशों में ही नहीं बल्कि भारत में भी समान जोश के साथ मनाया जाता है. भारत की विविधतापूर्ण संस्कृति के साथ क्रिसमस का त्यौहार भी पूरी तरह घुल-मिल गया है. सदियों से यह त्यौहार लोगों को खुशियां बांटता और प्रेम और सौहार्द की मिसाल कायम करता रहा है.

क्रिसमस पर्व की खास परंपराएं, जिनके बिना अधूरा है क्रिसमस

कहते हैं कि यीशु का जन्म 25 दिसंबर 6 ईसा पूर्व हुआ था। इसीलिए हर वर्ष 25 दिसंबर को जीसस क्राइस्ट के जन्म दिवस को क्रिसमस पर्व के रूप में मनाया जाता है। आओ जानते हैं इस त्योहार की 15 खास परंपराएं, जिनके बिना अधूरा है यह फेस्टिवल।

- **गोशाला** : क्रिसमस के दिन चर्च में ईसा के जन्म की झांकी बनाई जाती है जिसमें गौशाला बनाकर उसमें बालक येशु को मदर मैरी के साथ दर्शाया जाता है।
- **क्रिसमस ट्री** : सदाबहार क्रिसमस वृक्ष डगलस, बालसम या फर का पौधा होता है जिस पर सजावट की जाती है। क्रिसमस ट्री को रिबन, गिफ्ट, घंटी और लाइट्स लगाकर सजाया जाता है।
- **सैंटा क्लॉज** : मान्यता अनुसार सैंटा क्रिसमस के दिन स्वर्ग से आकर बच्चों के लिए टॉफियां, चॉकलेट, फल, खिलौने व अन्य उपहार बांटकर वापस स्वर्ग में चले जाते हैं। सैंटा क्लॉज चौथी शताब्दी में मायरा के निकट एक शहर में जन्मे थे। उनका नाम निकोलस था। अब लोग उन्हीं के भेष में बच्चों को गिफ्ट देते हैं।
- **गिफ्ट देना** : परंपरा से अब सिर्फ सांता ही उपहार नहीं देते हैं बल्कि क्रिसमय पर लोग एक दूसरे को उपहार देते हैं। कई लोग सैंटा का भेष धारण करके बच्चों को टॉफियां, चॉकलेट, फल, खिलौने व अन्य उपहार बांटते हैं।
- **जिंगल बेल** : गिरजाघरों में पारंपरिक तरीके से ईसा मसीह के लिए गाए जा रहे भक्ति गीत के अलावा 'जिंगल बेल्स', 'ओह होली नाइट' और 'सैंटा क्लॉज इज कमिंग टु टाउन' सरीखे गानों से भी माहौल खुशनुमा हो जाता है।
- **क्रिसमस कार्ड** : कहते हैं कि सर्वप्रथम क्रिसमस कार्ड विलियम एंगले द्वारा सन्? 1842 में अपने दोस्तों को भेजा था। बाद में यह कार्ड महारानी विक्टोरिया को दिखाया गया। इससे खुश होकर उन्होंने अपने चित्रकार डोबसन को बुलाकर शाही क्रिसमस कार्ड बनवाने के लिए कहा और तब से क्रिसमस कार्ड की शुरुआत हो गई।
- **स्वादिष्ट पकवान** : कई पशिचम देशों में स्मोक्ड टर्की, फ्रुअ केक, विगिल्ला, जेली पुडिंग, टुररॉन आदि को बनाना पसंद किया जाता है। भारत में भी कई तरह के स्वादिष्ट पकवान बनाए जाते हैं। क्रिसमस पर हर देश में अलग परम्परागत भोजन भी बनता है। कुछ लोग दूध और कुकीज के रुप में सैंटा के लिये भोजन रखते हैं।
- **क्रिसमय पुडिंग** : पुडिंग बनाने की परंपरा 1970 में प्रारंभ हुई। यह आलू बुखारे से दलिया जैसा व्यंजन बनाया जाता है। बाद में मांस, शराब और रोटी मिलाकर पुडिंग बनाने की परंपरा प्रारंभ हुई।
- **रिंगिंग बेल्स** : क्रिसमस के दिन घंटी को बजाने का भी रिवाज है जिसे रिंगिंग बेल कते हैं। यह बेल सदियों में सूर्य के लिए भी बजाई जाती है और खुशियों के लिए भी। मान्यता है कि घर को घंटियों से सजाने से नकारात्मक ऊर्जा दूर हो जाती है।
- **प्रार्थना** : इस दिन चर्च में विशेष तौर पर सामूहिक प्रार्थना भी की जाती है। इस दिन लोग चर्च जाते हैं और क्रिसमस कैरोल (धार्मिक गीत) गाते हैं।
- **मोजे लटकाना** : संत निकोलस के काल में बच्चे मौजे लटका देते थे ताकि सैंटा उसमें टॉफियां या तोहफे रख सके। हलांकि आज भी कई जगहों पर यह किया जाता है ताकि सैंटा क्लॉज आ सकें और उनमें अपने उपहार डाल सकें।
- **नए वस्त्र** : इस दिन लाल और हरे रंग का अत्यधिक उपयोग होता है क्योंकि लाल रंग जामुन का होता है और यह ईसा मसीह के खून का प्रतीक भी है। इसमें हरा रंग सदाबहार परंपरा का प्रतीक है।
- **पिकनिक** : क्रिसमय की 10 दिन की छुट्टियों के दौरान लोग या तो अपने पैत्रक घर, नाना नानी या दादा दादी के घर जाकर क्रिसमय मनाते हैं। कुछ लोग समुद्र के तट पर जाकर क्रिसमस का आनंद लेते हैं।
- **मोमबत्तियां** : क्रिसमय पर गिरजाघरों में जाकर लोग ईसा मसीह और मदर मैरी की मूर्ति के समक्ष मोमबत्तियां जलाकर अपनी खुशी का इजहार करते हैं। मान्यता है कि अलग-अलग रंगों की मोमबत्तियां जलाने से जीवन में खुशियां और सफलता आती हैं।
- **केक** : ईसा मसीह के जन्मदिन पर खुशियां बांटने के लिए केक खाया जाता है और लोगों को बांटा जाता है।

अनेक बाधाओं से जूझने के बाद मिली क्रिसमस को मान्यता

सामान्यत: 25 दिसंबर को ईसा मसीह का जन्मदिवस माना जाता है और उसी रूप में क्रिसमस का आयोजन होता है परंतु प्रारंभ में स्वयं धर्माधिकारी भी इस रूप में इस दिन को मान्यता देने के लिए तैयार नहीं थे। यह वास्तव में रोमन जाति के एक त्योहार का दिन था, जिसमें सूर्यदेवता की आराधना की जाती थी। यह माना जाता था कि इसी दिन सूर्य का जन्म हुआ। उन दिनों सूर्य उपासना रोमन सम्राटों का राजकीय धर्म हुआ करता था। बाद में जब ईसाई धर्म का प्रचार हुआ तो कुछ लोग ईसा को सूर्य का अवतार मानकर इसी दिन उनका भी पूजन करने लगे मगर इसे उन दिनों मान्यता नहीं मिल पाई। प्रारंभ में तो ईसाइयों में इस प्रकार के किसी पर्व का सार्वजनिक आयोजन होता ही नहीं था। चौथी शताब्दी में उपासना पद्धति पर चर्चा शुरू हुई और पुरानी लिखित सामग्री के आधार पर उसे तैयार किया गया। 360 ईस्वी के आसपास रोम के एक चर्च में ईसा मसीह के जन्मदिवस पर प्रथम समारोह आयोजित किया गया, जिसमें स्वयं पोप ने भी भाग लिया मगर इसके बाद भी समारोह की तारीख के बारे में मतभेद बने रहे। यहूदी धर्मावलंबी गड़रियों में प्राचीनकाल से ही 8 दिवसीय बसंतकालीन उत्सव मनाने की परंपरा थी। ईसाई धर्म के प्रचार के बाद इस उत्सव में गड़रिए अपने जानवरों के पहले बच्चे की ईसा के नाम पर बलि देने लगे और उन्हीं के नाम पर भोज का आयोजन करने लगे मगर यह समारोह केवल गड़रियों तक सीमित था। उन दिनों कुछ अन्य समारोह भी आयोजित किए जाते थे, जिनकी अवधि 30 नवंबर से 2 फरवरी के बीच में होती थी। जैसे नोर्समेन जाति का यूल पर्व और रोमन लोगों का सेटरनोलिया पर्व, जिसमें नौकरों को मालिक के रूप में आचरण करने की पूरी छूट होती थी। इन उत्सवों का ईसाई धर्म से उस समय तक कोई संबंध नहीं था। तीसरी शताब्दी में ईसा मसीह के जन्मदिन का समारोह करने पर गंभीरता से विचार किया जाने लगा मगर अधिकांश धर्माधिकारियों ने उस समय उस चर्चा में भाग लेने से ही मना कर दिया। फिर भी ईसाई धर्मावलंबियों में विचार-विमर्श हुआ और यह तय किया गया कि बसंत ऋतु का ही कोई दिन इस समारोह के लिए तय किया जाए।

तद्नुसार इसके लिए पहले 28 मार्च और फिर 19 अप्रैल के दिन निर्धारित किए गए। बाद में इसे भी बदलकर 20 मई कर दिया गया। इस संदर्भ में 8 और 18 नवंबर की तारीखों के भी प्रस्ताव आए। लंबी बहस और विचार-विमर्श के बाद चौथी शताब्दी में रोमन चर्च तथा सरकार ने संयुक्त रूप से 25 दिसंबर को ईसा मसीह का जन्मदिवस घोषित कर दिया। इसके बावजूद इसे प्रचलन में आने में लंबा समय लगा। इससे पूर्व मनाए जाने वाले अन्य जातियों के उत्सव इनके साथ घुले-मिले रहे और बाद में भी उनके कुछ अंश क्रिसमस के पर्व में स्थायी रूप से जुड़ गए। ईसा की जन्मभूमि यरुशलम में इस तारीख को पांचवीं शताब्दी के मध्य में स्वीकार किया गया। इसके बाद भी क्रिसमस दिवस की यात्रा सहज नहीं रही। विरोध और अंतर्विरोध चलते रहे। 13वीं शताब्दी में जब प्रोटस्टेंट आंदोलन शुरू हुआ तो इस पर्व पर पुन: आलोचनात्मक दृष्टि डाली गई और यह महसूस किया गया कि उस पर पुराने पैगन धर्म का काफी प्रभाव शेष है। इसलिए क्रिसमस केरोल जैसे भक्ति गीतों के गाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया और 25 दिसंबर 1644 को इंग्लैंड में एक नया कानून बना, जिसके अंतर्गत 25 दिसंबर को उपवास दिवस घोषित कर दिया गया। क्रिसमस विरोधी यह आंदोलन अन्य देशों में भी फैला। अमेरिका में भी इसका प्रभाव हुआ। बोस्टन में तो 1690 में क्रिसमस के त्योहार को प्रतिबंधित ही कर दिया गया। 1836 में अमेरिका में क्रिसमस को कानूनी मान्यता मिली और 25 दिसंबर को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया। इससे विश्व के अन्य देशों में भी इस पर्व को बल मिला।

योरप के विभिन्न भागों में हंसी-खुशी के विभिन्न अवसरों पर वृक्षों को सजाने की प्राचीन परंपरा थी। जर्मनी में 24 दिसंबर को एक पर्व मनाया जाता था और उसी दिन एक रहस्यात्मक नाटक भी खेला जाता था- 'अदन का वृक्ष'। संभव है इन परंपराओं ने क्रिसमस वृक्ष की विचारधारा को जन्म दिया हो। इस विचारधारा के साथ बाद में अनेक दंतकथाएं भी जुड़ गईं। 1821 में इंग्लैंड की महारानी ने एक 'क्रिसमस वृक्ष' बनवाकर बच्चों के साथ समारोह का आनंद उठाया था। उन्होंने ही इस वृक्ष में एक देव प्रतिमा रखने की परंपरा को जन्म दिया। बधाई के लिए पहला क्रिसमस कार्ड लंदन में 1844 में तैयार हुआ और उसके बाद क्रिसमस कार्ड देने की प्रथा 1870 तक संपूर्ण विश्व में फैल गई। जहां तक सान्ता क्लॉज का संबंध है, इसकी परंपरा क्रिसमस के साथ काफी बाद में जुड़ी। मध्ययुग में संत निकोलस (जन्म 340 ईस्वी) का जन्म दिवस 6 दिसंबर को मनाया जाता था और यह मान्यता थी कि इस रात्रि को संत निकोलस बच्चों के लिए तरह-तरह के उपहार लेकर आते हैं। यही संत निकोलस अमेरिकी बच्चों के लिए 'सान्ता क्लॉज' बन गए और वहां से यह नाम संपूर्ण विश्व में लोकप्रिय हो गया। आज विश्व के लगभग 100 देशों में क्रिसमस का त्योहार बड़े उल्लास और उत्साह के साथ मनाया जाता है। अनेक देशों में इस दिन राजकीय अवकाश घोषित किया जाता है तथा सभी ईसाईजन बड़े आमोद-प्रमोद और तरह-तरह के पकवानों के साथ उत्सव का आयोजन करते हैं! इस मंजिल तक पहुंचने में इस पर्व को लंबा समय लगा है और उसे अनेक बाधाओं से जूझना पड़ा है। पिछली लगभग डेढ़ शताब्दी से ही क्रिसमस का पर्व अपने वर्तमान रूप में निर्विघ्न आयोजित होने लगा है।बदलते समय के साथ दिन-प्रतिदिन इसका चलन और ज्यादा बढ़ गया है।

क्रिसमस को बड़ा दिन क्यों कहा जाता है?

भारतीय संस्कृति को परंपराओं का संगम कहें तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। सभी त्योहारों की तरह क्रिसमस यानी बड़े दिन का त्यौहार पूरे विश्व की तरह भारत भर में मनाया जाता है, मगर क्या कभी आपने सोंचा है भारत में क्रिसमस को बडे दिन के नाम से क्यों पूकारा जाता है। वैसे तो क्रिसमस को प्रभु ईसा मसीह या यीशु के जन्म की खुशी में मनाया जाता है। भारत में क्रिसमस को बड़ा दिन कहने के पीछे कई अलग अलग मान्यताएं प्रचलित है कहा जाता है।पहले इसे रोमन उत्सव के रूप में मनाया जाता था इस दिन लोग एक दूसरे को ढेर सारे उपहार देते थे। जब धीरे-धीरे ईसाई सभ्यता पनपने लगी तब भारत में यह दिन मकर संक्रान्ति के रूप में मनाया जाने लगा। इसके अलावा बड़े दिन के पीछे प्रभू ईसा के जन्म से जुड़ी कई कथाएं भी प्रचलित हैं। 25 दिसंबर यीशु मसीह के जन्म की कोई ज्ञात वास्तविक जन्म तिथि नहीं है। एन्नो डोमिनी काल प्रणाली के आधार पर यीशु का जन्म, 7 से 2 ई.पू. के बीच हुआ था भारत में इस तिथि को एक रोमन पर्व यामकर संक्रांति से संबंध स्थापित करने के आधार पर चुना गया है जिसकी वजह से इसे बड़े दिन के नाम से मनाया जाने लगा। वैसे तो पूरी दुनिया में इसे इसे 25 दिसंबर को मनाया जाता है मगर जर्मनी में 24 दिसंबर को ही इससे जुडे समारोह शुरू हो जाते हैं। क्रिसमस के दिन संता क्लॉज का भी अपना अलग महत्व है, कहते हैं इस दिन सांता क्लॉज बच्चों के लिए ढेर सारे खिलौने और चॉकलेट लाते है। सांता क्लॉज को क्रिसमस का पिता भी कहा जाता है जो केवल क्रिसमस वाले दिन ही आते हैं। क्रिसमस का एक और दिलचस्प पहलू यह है कि ईसा मसीह के जन्म की कहानी का संता क्लॉज की कहानी के साथ कोई संबंध नहीं है, कहते हैं तुर्किस्तान के मीरा नामक शहर के बिशप संत निकोलस के नाम पर सांता क्लॉज का चलन करीब चौथी सदी में शुरू हुआ वे गरीब और बेसहारा बच्चों को तोहफे दिया करते थे। चाहे क्रिसमस कहें या फिर बड़ा दिन कुल मिलाकर इस दिन चारों ओर खुशियां ही खुशियां दिखाई देती है, लोग अपने घरों को सजाते है, गिरजाघरों में प्राथनाएं होती है। अब क्रिसमस को आने में कुछ ही दिन बचें है बाजारों में क्रिसमस गिफ्ट, कार्ड, प्रभु ईशु की चित्राकृतियाँ, सांता क्लॉज की टोपी, सजावटी सामग्री और केक मिलने भी शुरू हो गए है।

क्रिसमस की ये हैं सदाबहार पवित्र चीजें

होली (शूलपर्णी), मिसलटो (वांदा), लबलब (आइव) यह कुछ सदाबहार चीजें हैं, जिन्हें पवित्र माना जाता है। इन सभी का अपना एक अलग अर्थ है।

होली माला - परंपरागत रूप से होली माला घरों तथा गिरजाघरों में लटकाई जाती है। इसे सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। भारत में इन होली मालाओं में मोमबतियां लगाई जाती हैं।

मिसलटो - आम तौर पर यह बेर के आकार की सफेद रचनाएं होती हैं जो सेबफल के वृक्षों की शाखाओं पर पाई जाती हैं। इसका सर्वाधिक प्रचलित और लोकप्रिय अर्थ यह है कि इसके नीचे खड़ा रहने वाला किसी का भी चुंबन ले सकता है।

परंपरागत रूप से यह माना जाता है कि मिसलटो के नीचे मिलने वाले दो मित्रों पर भाग्य हमेशा मुस्कुराता रहता है और यदि दो दुश्मन इसके नीचे मिल जाएं तो दुश्मनी दोस्ती में बदल जाती है यानि कि यह मित्रता और प्रेम का प्रतीक है।

आइव - यह मित्रता का प्रतीक है। ऐसा प्रेम जो स्थायी तथा अटूट होता है।

संत निकोलस (सांता क्लॉज) - सांता क्लाज शब्द की उत्पत्ति डच सिंटर क्लाज से हुई है। यह संत निकोलस का लोकप्रिय नाम है। दिलचस्प बात तो यह है कि संत निकोलस की कहानी का येसु के जन्मोत्सव से कोई लेना-देना नहीं है। निकोलस पर्व 6 दिसंबर को मनाया जाता है तथा इस दिन परंपरानुसार बच्चों को फलों तथा मिठाइयों के तोहफे दिए जाते हैं।

ऐसी धारणा है कि संत निकोलस एक ईसाई पादरी थे जो एशिया माइनर में कोई डेढ़ हजार साल पहले रहते थे। वे बहुत उदार तथा दयालु थे तथा हमेशा जरूरतमंदों की सहायता करते रहते थे।

बच्चों से उनके संबंधों के बारे में एक किंवदंती प्रचलित है कि एक बार वे ऐसे मकान में ठहरे थे, जहां तीन बच्चों की हत्याएं कर उनके शवों को अचार की बरनियों में छिपा दिया गया था। संत निकोलस ने चमत्कार द्वारा उन बच्चों को जीवित कर दिया। तभी से उन्हें बच्चों का संत कहा जाने लगा। एक अन्य किंवदंती के अनुसार संत निकोलस क्रिसमस की रात को गलियों में घूमकर गरीब व जरुरतमंद बच्चों को चाकलेट-मिठाई आदि वितरित करते थे जिससे वे भी क्रिसमस को हर्षोल्लास से मना सकें। इस तरह क्रिसमस व बच्चों के साथ सांता क्लॉज के रिश्ते जुड़ गए।

क्रिसमस ट्री कैसे बना ईसाई धर्म का परंपरागत प्रतीक

क्रिसमस ट्री/वृक्ष- सदाबहार झाड़ियों तथा वृक्षों को ईसा युग से पूर्व भी पवित्र माना जाता रहा है। इसका मूल आधार यह रहा है कि फर वृक्ष की तरह के सदाबहार वृक्ष बर्फीली सर्दियों में भी हरे-भरे रहते हैं। इसी धारणा के आधार पर रोमनवासियों ने सर्दियों के भव्य भगवान सूर्य के सम्मान में मनाए जाने वाले सैटर्नेलिया पर्व में चीड़ के वृक्षों को सजाने की परंपरा आरंभ की थी। क्रिसमस के परिप्रेक्ष्य में सदाबहार फर का प्रतीक ईसाई संत बोनिफेस द्वारा ईजाद किया गया था। जर्मनी में यात्राएं करते हुए वे एक ओक वृक्ष के नीचे विश्राम कर रहे थे, जहां गैर ईसाई ईश्वरों की संतुष्टि के लिए लोगों की बलि दी जाती थी। संत बोनिफेस ने वह वृक्ष काट डाला और उसके स्थान पर फर का वृक्ष लगाया। तभी से अपने धार्मिक संदेशों के लिए संत बोनिफेस फर के प्रतीक का प्रयोग करने लगे थे। इसके बारे में एक जर्मन किंवदंती यह भी है कि जब नवजात शिशु के रूप में येसु का जन्म हुआ वहां चर रहे पशुओं ने उन्हें प्रणाम किया और देखते ही देखते जंगल के सारे वृक्ष सदाबहार हरी पत्तियों से लद गए। बस, तभी से क्रिसमस ट्री को ईसाई धर्म का परंपरागत प्रतीक माना जाने लगा।

एक अन्य किंवदंती के अनुसार संत निकोलस क्रिसमस की रात को गलियों में घूमकर गरीब व जरूरतमंद बच्चों को चॉकलेट-मिठाई आदि वितरित करते थे जिससे वे भी क्रिसमस को हर्षोल्लास से मना सकें। इस तरह क्रिसमस व बच्चों के साथ सांता क्लॉज के रिश्ते जुड़ गए।

विजय हजारे ट्रॉफी में रोहित के तेज शतक से मुम्बई जीती

जयपुर (एजेंसी)। अनुभवी सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने मुंबई की ओर से खेलते हुए विजय हजारे ट्रॉफी के एलीट ग्रुप सी मुकाबले में सिक्किम के खिलाफ 155 रनों की आक्रामक पारी खेली। एक दशक के बाद ये टूर्नामेंट खेल रहे रोहित की इस शतकीय पारी से मुंबई ने सिक्किम को आसानी से हरा दिया। इस मैच में मुंबई को जीत के लिए 237 रनों का लक्ष्य मिला था। जिसे उसने 30.3 ओवर में ही दो विकेट पर 237 रन बनाकर हासिल कर लिया। इस प्रकार मुम्बई को 8 विकेट से जीत मिली है।

लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई की ओर से अंगकृष रघुवंशी और रोहित शर्मा की जोड़ी ने तेज शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 141 रन बनाये। अंगकृष रघुवंशी 38 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने अपनी पारी में चार चौके लगाये। वहीं रोहित एक छोर पर जमे रहे और उन्होंने शतकीय पारी खेली। उन्होंने 94 गेंदों में 18 चौके और नौ छक्के लगाकर 155 रनों रन बनाये। वह 30वें ओवर में क्रांति कुमार का शिकार बने। मुंबई ने 30.3 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया। उस समय मुशीर खान 27 और सरफराज खान 8 रन बनाकर खेल रहे थे। इससे पहले इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सिक्किम ने 50 ओवरों में सात विकेट पर 236 रन बनाये। आशीष थापा ने सिक्किम की ओर से सबसे अधिक 79 रन बनाये। वहीं मुंबई की ओर से शार्दुल ठाकुर ने छह ओवर में 19 रन देकर दो विकेट लिए जबकि तुषार देशपांडे जबकि , तनुष कोटियान, शम्स मुलानी और मुशीर खान को एक-एक विकेट मिला।

विराट ने विजय हजारे ट्रॉफी में शतकीय पारी के साथ ही लिस्ट ए क्रिकेट में 16,000 रन पूरी किये

बेंगलुरु । अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने एक दशक के बाद विजय हजारे ट्रॉफी में वापसी करते हुए एक रन बनाते ही लिस्ट ए क्रिकेट में अपने 16,000 रन पूरे कर लिए । इस प्रकार वह महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के बाद ये उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे भारतीय बने हैं । वहीं इसी के साथ ही लिस्ट ए में वह इतने रन बनाने वाले विश्व के नौवे खिलाड़ी बन गये हैं । लिस्ट एक में इतने अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ियों के क्लब में ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग के अलावा श्रीलंका के कुमार संगकारा और वेस्टइंडीज के सर विवियन रिचर्ड्स भी शामिल हैं । यहां बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में विराट ने दिल्ली की ओर से खेलते हुए आंध्र प्रदेश के खिलाफ मैच में विराट ने शतक लगाने के दौरान ही ये उपलब्धि हासिल की । कोहली ने इससे पहले साल 2010-11 सत्र में विजय हजारे ट्रॉफी में दिल्ली की कप्तानी की थी । कोहली 308 मैचों में 58.46 के असाधारण औसत से 14,557 रन के साथ वनडे क्रिकेट में 14,000 रन बनाने वाले सबसे तेज खिलाड़ी हैं । उनके नाम इस प्रारुप में सबसे ज्यादा शतक भी हैं, उनके नाम 53 शतक हैं । वह लिस्ट ए क्रिकेट में तेंदुलकर के 60 शतकों के रिकॉर्ड का पीछा कर रहे हैं । उनके नाम अब 58 शतक हो गये हैं ।

आर्चर मांसपेशियों में खिंचाव के कारण एशेज सीरीज से बाहर हुए, एटकिंसन शामिल

-ऑली की जगह बेथेल को मौका

मेलबर्न (एजेंसी)। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर मांसपेशियों में खिंचाव के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज सीरीज के बचे हुए दोनो टेस्ट मैचों में नहीं खेल पायेंगे। पहले ही खराब प्रदर्शन से जूझ रही इंग्लैंड के लिए ये करारा झटका है। आर्चर ने अब तक इस सीरीज में अच्छी गेंदबाजी की है। ऐसे में उनके बाहर होने से टीम की गेंदबाजी कमजोर होगी। आर्चर की जगह गस एटकिंसन को अंतिम एकादश में शामिल किया गया है। ये पहली बार नहीं है जब आर्चर चोटिल हुए हैं। वह पिछले चार साल से पीठ और दाहिनी कोहनी में स्ट्रेस फ्रैक्चर सहित कई तरह की परेशानियों से जूझते जा रहे हैं। इसी कारण अधिकतर समय मैदान से बाहर रहे हैं। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच चौथा टेस्ट 26 दिसंबर से मेलबर्न क्रिकेट मैदान (एमसीजी) में शुरू होगा। वहीं पांचवां और अंतिम टेस्ट मैच चार जनवरी से सिडनी में खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में अभी 3-0 से आगे है और उसने एशेज ट्रॉफी अपने पास बरकरार रखी है। आर्चर बुधवार को अभ्यास सत्र के लिए मैदान पर पहुंचे थे पर कर नहीं पाये। बाद में टीम के एक प्रवक्ता ने कहा कि वह दौरे के बचे हुए दोनों मैचों से बाहर हो गए हैं। आर्चर ने तीन टेस्ट मैचों में 27.11 की औसत से 9 विकेट लिए थे। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने चौथे टेस्ट मैच के लिए बुधवार को अपनी टीम की घोषणा की जिसमें आर्चर की जगह गस एटकिंसन को अंतिम एकादश में शामिल किया गया है। इसके अलावा बल्लेबाज ओली पोप की जगह जैकब बेथेल को टीम में लिया गया है। वहीं बेन डकेट सीरीज में खराब प्रदर्शन के बाद भी टीम में बने हुए हैं।

टीम इस प्रकार है

बेन स्टोक्स (कप्तान), जैक क्रॉली, बेन डकेट, जैकब बेथेल, जो रूट, हैरी ब्रुक, जेमी स्मिथ, विल जैक्स, गस एटकिंसन, ब्रायडन कार्स और जोश टोंग।

नेमार को विश्वकप फुटबॉल खेलने की उम्मीद

साओ पाउलो (ईएमएस) । ब्राजील के स्टार स्ट्राइकर नेमार के घुटने की सर्जरी सफल रही है और उनके अगले साल अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होने वाले फुटबॉल विश्व कप में खेलने की उम्मीद जतायी जा रही है । नेमार के क्लब सैंटोस ने बताया कि नेमार की सर्जरी गंभीर नहीं थी । साथ ही उम्मीद जतायी कि ये स्टार खिलाड़ी अब जल्द ही फिटनेस हासिल करने में सफल रहेगा। पिछले सप्ताह एक कार्यक्रम में नेमार ने कहा, मुझे अब भी उम्मीद है कि मैं विश्व कप में खेलूंगा और ब्राजील की तरफ से फाइनल में गोल करूंगा। उन्होंने अपनी टीम और देश के लिए खेलने के सभी प्रयास करने की भी बात कही । वहीं ब्राजील के कोच कार्लो एंसेलोटी को भी उम्मीद है कि नेमार विश्वकप से पहले फिट हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि अभी नेमार का नाम टीम में शामिल नहीं है पर फिट होते ही उन्हें शामिल कर लिया जाएगा । जिस प्रकार से वह उत्साह से भरे हैं उससे साफ है कि वह खेलना चाहते हैं । वहीं नेमार ने कहा, हम इस बार कप को ब्राजील लाने के लिए पूरी ताकत लगा देंगे । जुलाई में आप हमें इसकी याद दिला सकते हैं । कोच इसमें हमारी सहायता करेंगे । वहीं माना जा रहा है कि नेमार की वापसी टीम के लिए बेहद जरुरी है। इसी कारण सभी की नजरें उनकी फिटनेस पर लगी हैं ।

वैभव ने विजय हजारे ट्रॉफी में 36 गेंदों में ही शतक लगाकर बनाये कई रिकार्ड

मुम्बई (एजेंसी)। बिहार के वैभव सूर्यवंशी ने विजय हजारे ट्रॉफी में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ हुए मुकाबले में 36 गेंदों में ही शतक लगाकर एक एकसाथ कई रिकार्ड अपने नाम किये हैं। वैभव ने इस मैच में 36 गेंदों में ही शतक लगाकर जहूर इलाही का 39 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। इसके अलावा वैभव अब भारतीय टीम की ओर से लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज शतक लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज बने हैं। इससे पहले भारतीय टीम की ओर से लिस्ट ए में सबसे तेज शतक का रिकार्ड अनमोलप्रीत सिंह के नाम था। अनमोलप्रीत ने 35 गेंदों में ही सबसे तेज शतक लगाया था।

वहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देखा जाये तो सबसे तेज लिस्ट-ए शतक का रिकार्ड ऑस्ट्रेलिया के जेक फ्रेजर-मैकगर्क के नाम है। जेक फ्रेजर ने केवल 29 गेंदों में ही शतक लगा दिया था। वहीं दूसरे नंबर पर दक्षिण अफ्रीका के एबी डिविलियर्स हैं। डिविलियर्स ने 31 गेंदों में शतकीय पारी खेली थी। भारतीय भारत की ओर से इस सूची में अनमोलप्रीत और अब वैभव शामिल हैं।

अनमोलप्रीत ने साल 2024 में पंजाब की ओर से अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ केवल 35 गेंदों में ही शतक लगा दिया था। वहीं अब वैभव ने आज अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ 36 गेंदों में शतक लगाकर दूसरा स्थान हासिल किया है।

हार्दिक सिंह के नाम मेजर ध्यानचंद खेलरत्न, 24 खिलाड़ी अर्जुन पुरस्कार के लिए नामित

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के उपकप्तान हार्दिक सिंह का नाम इस वर्ष मेजर ध्यानचंद खेलरत्न पुरस्कार के लिए अनुशंसित किया गया है। वहीं, युवा खिलाड़ियों समेत 24 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार के लिए चयन समिति ने नामित किया है।

हार्दिक सिंह का शानदार रिकॉर्ड

हार्दिक सिंह टोक्यो ओलंपिक 2021 और पेरिस ओलंपिक 2024 में कांस्य पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे हैं। इसके अलावा, वह इस साल एशिया कप 2025 में स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम में भी शामिल थे।

अर्जुन पुरस्कार के लिए नामित युवा सितारे

इस वर्ष युवा शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख और डेकाथलीट तेजस्विन शंकर सहित कुल 24 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार के लिए अनुशंसित किया गया। चयन समिति ने यह निर्णय बुधवार को हुई बैठक में लिया।

अर्जुन पुरस्कार में पहली बार योगासन खिलाड़ी

सूत्रों के अनुसार, खेल मंत्रालय से औपचारिक मान्यता मिलने के पांच साल बाद पहली बार योगासन खिलाड़ी आरती पाल का नाम अर्जुन पुरस्कार के लिए सुझाया गया। आरती राष्ट्रीय और एशियाई चैम्पियन हैं। एशियाई खेल 2026 में योगासन नुमाइशी खेल के रूप में शामिल होगा।

चयन समिति और अन्य नाम

चयन समिति में भारतीय ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष गगन नारंग, पूर्व बैडमिंटन खिलाड़ी अपर्णा पोपट और पूर्व हॉकी खिलाड़ी एम एम सोमाया शामिल हैं। अन्य प्रमुख अर्जुन पुरस्कार नामांकित खिलाड़ी हैं- तेजस्विन शंकर (एथलेटिक्स), प्रियंका (एथलेटिक्स), नरेंदर (मुक्केबाजी), विदित गुजराती (शतरंज), दिव्या देशमुख (शतरंज), धनुष श्रीकांत (बधिर निशानेबाजी), प्रणति नायक (जिम्नास्टिक), राजकुमार पाल (हॉकी), सुरजीत (कबड्डी), निर्मला भाटी (खो-खो), रूद्रांक्ष खंडेलवाल (पैरा निशानेबाजी), एकता भयान (पैरा एथलेटिक्स), पद्मनाभ सिंह (पोलो), अरविंद सिंह (नौकायन), अखिल श्योराण (निशानेबाजी), मेहुली घोष (निशानेबाजी), सुतीर्था मुखर्जी (टेबल टेनिस), सोनम मलिक (कुश्ती), आरती (योग), त्रिसा जॉली (बैडमिंटन), गायत्री गोपीचंद (बैडमिंटन), लालरेम्सियामी (हॉकी), मोहम्मद अफजल (एथलेटिक्स) और पूजा (कबड्डी)।

पुरस्कार की राशि और पिछली बार के विजेता

खेलरत्न पुरस्कार के साथ प्रशस्ति पत्र, पदक और 25 लाख रुपये दिए जाते हैं। जबकि अर्जुन पुरस्कार के साथ 15 लाख रुपये का प्रावधान है। पिछले साल चार खिलाड़ियों को खेलरत्न से नवाजा गया था: विश्व चैम्पियन शतरंज खिलाड़ी डी गुकेश, पुरुष हॉकी कप्तान हरमनप्रीत सिंह, पैरा एथलीट प्रवीण कुमार और निशानेबाज मनु भाकर।

अक्षर को ऑलराउंडर होने के कारण मिली उपकप्तानी : पनेसर

लंदन । अगले साल की शुरुआत में होने वाले टी20 विश्वकप में स्पिन ऑलरांउडर अक्षर पटेल भारतीय टी20 टीम की उपकप्तानी करेंगे । अक्षर को शुभमन गिल की जगह पर उपप्तान बनाया गया है । शुभमन को फार्म में नहीं होने के करण टीम में जगह नहीं मिली है । वहीं अक्ष्रर को उकप्तानी दिये जाने को इंग्लैंड के स्पिनर मोंटी पनेसर ने एक अच्छा कदम बताया है। पनेसर के अनुसार टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में अक्षर को ऑलराउंडर होने के कारण उपकप्तान बनाया गया है । उन्होंने कहा कि कोच गौतम गंभीर अधिक से अधिक ऑलराउंडररों को टीम में चाहते हैं । ऐसे में विश्व कप 2026 के बाद अक्षर को टी20 की कप्तानी भी दी जा सकती है । उन्होंने कहा कि खराब फॉर्म के चलते शुभमन टीम में अपनी जगह बचा नहीं पाये । इसी कारण अक्षर की उपकप्तान के तौर पर वापसी हुई है । इससे पहले टी20 एशिया कप 2025 में भी अक्षर उपकप्तान रहे थे। पनेसर ने कहा, गंभीर ऐसे खिलाड़ियों को टीम में अधिक पसंद करते हैं जो बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों ही कर दे सकें। ऐसे में भारतीय टीम जीतती है तो अक्षर को टी20 कप्तान बना बनाया जा सकता है-। अक्षर पटेल हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में अच्छी बल्लेबाजी और गेंदबाजी की थी ।

भारतीय हॉकी टीम विश्व कप में जीत की प्रबल दावेदार : डोरेन

कोपनहेगन (एजेंसी)। बेल्जियम के दिग्गज हॉकी खिलाड़ी आर्थर वैन डोरेन ने कहा है कि भारतीय टीम का प्रदर्शन पिछले कुछ समय में लगातार बेहतर हुआ है ओर वह 2026 में होने वाले विश्व कप में जीत की प्रबल दावेदार के तौर पर उभरी है। डोरेन का मानना है कि भारतीय टीम को किसी भी प्रकार से कमजोर नहीं माना जा सकता है।

डोरेन ने कहा, 'भारत को बड़ा दावेदार न मानना बड़ी भूल होगी। इसका कारण है कि भारतीय टीम ने पिछले कुछ समय में लगातार सफलता हासिल की है। उसने ओलंपिक में भी पिछली बार कांस्य पदक जीता था। इससे साफ है कि टीम का स्तर पहले से बेहतर हुआ है।

डोरेन के अनुसार भारतीय टीम का संतुलन अच्छा है। उन्होंने कहा, ''उनके पास हर विभाग में अच्छे खिलाड़ी हैं। उनके पास एक अच्छा कोच है, युवा वह अनुभवी खिलाड़ी हैं। भारतीय टीम को पिछले कुछ समय में किसे प्रयासों का लाभ मिला है। डोरेन ने कहा कि विश्व कप में किसी भी टीम को हल्के में नहीं लिया सकता है और खिताबी दौड़ बेहद कड़ी होने की संभावना है। उन्होंने कहा, 'भारत और बेल्जियम जैसी टीमों के लिए राह आसान नहीं होगी क्योंकि पांच, छह या सात और टीमें हैं जो हमारी तरह ही बढ़े हुए मनोबल से उतरेंगी हैं। इससे साफ है कि मुकाबला आसान नहीं रहेगा। डोरेन ने भारत के उभरते खिलाड़ियों की तकनीकी क्षमता की भी जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा, 'भारतीय हॉकी टीम विश्व की किसी भी अन्य टीम की तुलना में अधिक व्यस्त हैं। वे सीखना चाहते हैं, खेलना चाहते हैं और प्रगति करना चाहते हैं। उसके पास कई युवा प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं। उनके खिलाड़ी कम उम्र में ही अपने कौशल को अगले स्तर पर पहुंचा देते हैं।

कमिंस शायद ही खेल पायें टी20 विश्वकप : रिपोर्ट

मेलबन । ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान पैट कमिंस का अगले साल फरवरी में शुरु हो रहे टी20 विश्व कप में खेलना तय नहीं है । एक रिपोर्ट के अनुसार कमिंस अभी तक अपनी पीठ की चोट से नहीं उबरे हैं । इसी कारण कमिंस इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज के पहले दो मैचों में भी नहीं खेल पाए थे । उन्होंने एडिलेड में खेले गए तीसरे एशेज टेस्ट में वापसी की और छह विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया को श्रृंखला में 3-0 से जीत दिल दी । इसके बाद उन्हें बचे हुए दो मैचों के लिए आराम दिया जा रहा है ताकि वह पूरी तरह से फिट हो सकें । इससे साफ है कि वह शायद ही टी20 विश्व कप में खेल पाये । ऑलराउंडर मिचेल मार्श टी20 अंतरराष्ट्रीय में ऑस्ट्रेलिया के कप्तान हैं । एक रिपोर्ट के अनुसार ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने कहा, 'विश्व कप के लिए कमिंसटीम में शामिल होंगे या नहीं, मैं अभी इस बारे में स्पष्ट तौर पर कुछ नहीं कर सकता । अभी को देखकर तो यही कहा जा सकता है कि कि वह फिट नहीं हैं पर हमें उम्मीद है कि विश्वकप तब तक फिट हो जाएंगे । उन्होंने कहा, 'वह ठीक है लेकिन हम किसी तरह का खतरा नहीं उठाना चाहते हैं । हमने एशेज सीरीज जीत का लक्ष्य पा लिया है । कमिंस सीरीज के बचे हुए मैचों में नहीं खेलेंगे । उनकी वापसी को लेकर हमने काफी समय पहले इस बारे में बात की थी । टी20 विश्व कप सात फरवरी से शुरू होगा और उसका फाइनल आठ मार्च को खेला जाएगा । इसमें ऑस्ट्रेलियाई टीम अपना पहला मैच 11 फरवरी को कोलंबो में आयरलैंड से खेलेगी ।

हॉकी इंडिया लीग में कप्तानी करेंगे हरमनप्रीत और सविता

नई दिल्ली । हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के लिए कप्तान घोषित कर दिये गये हैं । हॉकी इंडिया ने कहा है कि हरमनप्रीत सिंह सूरमा हॉकी क्लब की पुरुष टीम की कप्तानी करेंगी जबकि महिला टीम की कप्तानी सविता करेंगी । हरमनप्रीत ने कप्तानी मिलने पर खुशी जताते हुए कहा कि टीम का नेतृत्व करना हमेशा ही उनके लिए विशेष अनुभव रहा है । गौरतलब है कि पुरुष टीम पिछले सत्र में तीसरे स्थान पर रही थी । हरमनप्रीत ने कहा, इस टूर्नामेंट से हमें अपनी क्षमताओंका पता चलता है । इसके अलावा हमारा मनोबल भी बढ़ता है । । मेरा मानना है कि हमारे पास बेहतर टीमों को भी टक्कर देने वाली टीम है । लीग में पुरुष टीम का पहला मुकाबला 4 जनवरी को चेन्नई में मौजूदा चैंपियन श्राची रार बंगाल टाइगर्स से होगा । इस टूर्नामेंट के मैच चेन्नई, रांची और भुवनेश्वर में खेले जाएंगे । वहीं महिला टीम की कप्तानी सविता करेंगी जबकि सलीमा टेटे को उप-कप्तानी दी गयी है । पहले साल टीम दूसरे नंबर पर रही थी और टीम की ओर से सविता और सलीमा ने अच्छा प्रदर्शन किया था । महिला टीम का पहला मुकाबला 29 दिसंबर को रांची में श्राची रार बंगाल टाइगर्स से होगा । महिला टीम अपने सभी मैच रांची में खेलेगी ।

तिलक वर्मा तीसरे स्थान पर पहुंचे, वरुण चक्रवर्ती शीर्ष पर मजबूत

दुबई (एजेंसी)। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खत्म हुई पांच मैचों की टी20 सीरीज के खिलाड़ियों को पुरुष टी20 प्लेयर रैंकिंग में फायदा हुआ, जिसे टीम इंडिया ने 3-1 से जीता। अहमदाबाद में निर्णायक मैच रनों का अंबार था, जिसमें मेजबान टीम ने पहली पारी में 231 रन बनाए। भारत के टॉप स्कोरर तिलक वर्मा ने 42 गेंदों में 73 रन बनाए, जिससे वह श्रीलंका के पथुम निसंका को पीछे छोड़कर 805 रेटिंग पॉइंट्स के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गए, जबकि डेवाल्ड ब्रेविस की तेज 31 रनों की पारी ने उन्हें टॉप 10 में जगह बनाने में मदद की।

जसप्रीत बुमराह की शानदार गेंदबाजी (चार ओवर में 2/17) की बदौलत भारत कुल स्कोर का बचाव करने में सफल रहा, जबकि वह मैच में एकमात्र गेंदबाज थे जिन्होंने प्रति गेंद एक रन से कम की इकॉनमी से गेंदबाजी की। इससे उन्हें गेंदबाजी रैंकिंग में 10 स्थानों की छलांग लगाकर महेश थीक्षाना (622) के साथ संयुक्त 18वें स्थान पर पहुंचने में मदद मिली। वरुण चक्रवर्ती के चार विकेट लेने से रैंकिंग में उनका शीर्ष स्थान और मजबूत हो गया है, उनकी 804 की रेटिंग दूसरे स्थान पर मौजूद जैकब डफी (699) से काफी आगे है।

आईसीसी पुरुष खिलाड़ी रैंकिंग में ताजा अपडेट के बाद ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड की टेस्ट जीत में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को फायदा हुआ है। दोनों टीमों के खिलाड़ियों के लिए यह दोहरी खुशी का मौका था क्योंकि उन्होंने सीरीज जीत हासिल की, ऑस्ट्रेलिया ने घर पर एशेज अभियान में इंग्लैंड के खिलाफ 3-0 की अजेय बढ़त बना ली, और ब्लैक कैप्स ने माउंट माउंगानुई में वेस्टइंडीज के खिलाफ 2-0 से सीरीज जीत हासिल की।

इन प्रदर्शनों के कारण कुछ ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी आईसीसी पुरुष टेस्ट बल्लेबाजी और गेंदबाजी रैंकिंग में टॉप स्थानों के करीब पहुंच गए हैं। एडिलेड में 82 रन की जीत में, ऑस्ट्रेलिया को ट्रैविस हेड ने टॉप ऑर्डर में आगे बढ़ाया, उनकी दूसरी पारी में 219 गेंदों पर 170 रन की पारी ने जीत की नींव रखी। इस पारी ने हेड को रैंकिंग में चार स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त तीसरे (815) स्थान पर पहुंचा दिया, जो उनके साथी स्टीव स्मिथ के साथ है।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) के अनुसार एलेक्स कैरी के पहली पारी के शतक ने ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर को छह स्थान ऊपर चढ़ाकर टॉप दस में पहुंचा दिया, और वह 737 की करियर-सर्वश्रेष्ठ रेटिंग के साथ नौवें स्थान पर पहुंच गए। तस्मान सागर के पार, यह न्यूज़ीलैंड की शानदार बल्लेबाजी थी जिसने वेस्टइंडीज के खिलाफ उनकी जीत की नींव रखी, और वे 2-0 से सीरीज विजेता बने।

रचिन रवींद्र के नाबाद 72 और 46 रनों ने उन्हें पांच स्थान ऊपर चढ़कर 13वें स्थान पर पहुंचा दिया, जबकि डेवोन कॉनवे के शानदार 227 और 100 रनों ने उन्हें 681 की करियर-उच्च रेटिंग तक पहुंचाया, जिससे वह संयुक्त 17वें स्थान पर आ गए। जवाब में, कैवेम हॉज की 123 रन की नाबाद जुझारू पारी ने उन्हें 11 स्थान ऊपर चढ़कर 66वें स्थान पर पहुंचा दिया, जो उनकी करियर-सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग और रेटिंग दोनों है।

गेंदबाजी की बात करें तो दो ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी अब जसप्रीत बुमराह को नंबर 1 टेस्ट गेंदबाज के रूप में चुनौती देने के लिए सबसे अच्छी स्थिति में हैं। मिशेल स्टार्क (तीसरे) और पैट कमिंस (चार स्थान ऊपर चढ़कर 849 की रेटिंग के साथ दूसरे स्थान पर) ने एडिलेड में मिलकर दस विकेट लिए, कमिंस भारत के मुख्य गेंदबाज से 30 रेटिंग अंक पीछे हैं। जीत में अहम अर्धशतक बनाने के बाद स्टाक टेस्ट ऑलराउंडर्स की लिस्ट में तीसरे स्थान पर पहुंच गए, और एशेज के प्रतिद्वंद्वी बेन स्टोक्स के साथ 311 की रेटिंग पर बराबरी पर आ गए।

68 वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप में हिमांशु और रमिता को स्वर्ण

भोपाल । हरियाणा के हिमांशु ढिल्लों औ रमिता जिंदल ने यहां आयोजित 68 वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप की 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पर निशाना लगाया । रमिता और हिमांशु ने फाइनल में महाराष्ट्र की आर्य बोरसे और पार्थ माने की जोड़ी को 16-12 से पराजित किया । इस मुकाबले की शुरुआत से ही रमिता और हिमांशु ने सटीक निशाने लगाये और अपना पहला स्थान तय किया । इससे पहले पूरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में सोमवार को हिमांशु ने 634.5 का राष्ट्रीय और जूनियर रिकॉर्ड भी बनाया था । इससे टीम को भी लाभ मिला है । वहीं दिल्ली की राजश्री संचेती और पार्थ मखीजा ने मध्य प्रदेश की श्रेया अग्रवाल और ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर की जोड़ी के खिलाफ 17-15 से जीत हासिल कर कांस्य पदक पर कब्जा किया ।

बेंगलुरु में सनसनीखेज वारदात : सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने बीच सड़क पर की पत्नी की हत्या

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु के राजाजी नगर इंडस्ट्रियल एरिया में एक रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना सामने आई, जहां एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने अपनी पत्नी की सरेराह गोली मारकर हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी ने खुद थाने जाकर पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस की शुरुआती जांच में इस जघन्य हत्याकांड के पीछे वैवाहिक विवाद और संदेह को मुख्य कारण माना जा रहा है। मृतका की पहचान 39 वर्षीय भुवनेश्वरी के रूप में हुई है, जो यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की बसवेश्वरननगर शाखा में असिस्टेंट मैनेजर के पद पर कार्यरत थीं। आरोपी पति बालामुरुगन, जो एक निजी आईटी कंपनी में कार्यरत था, मूल रूप से तमिलनाडु के सेलम जिले का निवासी है। जानकारी के अनुसार, मंगलवार शाम करीब 6-30 बजे जब भुवनेश्वरी दफ्तर से घर लौट रही थीं, तब बालामुरुगन ने मुख्य सड़क पर उन पर बेहद करीब से चार गोलियां चलाईं। इनमें से दो गोलियां उनके सिर में और दो बाएं हाथ में लगीं। घायल अवस्था में उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

गोवा नाइट क्लब अग्निकांड के दोनों प्रबंधकों को कोर्ट ने शर्तों के साथ दी जमानत

पणजी (एजेंसी)। गोवा की एक कोर्ट ने नाइटक्लब अग्निकांड के दो प्रबंधकों को जमानत दे दी। उन दोनों को इस महीने की शुरूआत में आग लगने की घटना के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था। इस घटना में 25 लोगों की मौत हो गई थी। जिला न्यायाधीश डी वी पाटकर ने क्लब के दोनों प्रबंधकों को कुछ शर्तों के साथ जमानत दी, जबकि उन्होंने तीसरे प्रबंधक विवेक सिंह की इसी तरह की अर्जी को खारिज कर दिया। इन तीनों को उत्तरी गोवा के अरपोरा गांव स्थित नाइट क्लब में भीषण आग लगने के एक दिन बाद सात दिसंबर को गिरफ्तार किया था। सिंघानिया (बार मैनेजर) और ठाकुर (गेट मैनेजर) का प्रतिनिधित्व कर रहे अधिवक्ता ने कहा कि जमानत देते समय कोर्ट ने कहा कि आवेदक प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से मामले के तथ्यों से अवगत किसी भी व्यक्ति को कोई प्रलोभन या धमकी नहीं देंगे। कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया कि राजवीर और प्रियांशु उसकी पूर्व अनुमति के बिना भारत से बाहर नहीं जाएंगे। कोर्ट ने निर्देश दिया कि आरोपी जब भी जरुरत हो, जांच अधिकारी द्वारा पूछताछ के लिए उपलब्ध रहेंगे और जांच में सहयोग करेंगे। जमानत आदेश में कहा गया है, आवेदकों को आरोप पत्र/अंतिम रिपोर्ट दाखिल होने तक, महीने में एक बार जांच अधिकारी या अंजुना पुलिस थाने के मुख्य जांच अधिकारी के सामने पेश होना होगा। अरपोरा के रोमियो लेन स्थित 'बर्च बाई रोमियो लेन' नाइटक्लब में छह दिसंबर को लगी भीषण आग में 25 लोगों की मौत हो गई थी। मामले में अब तक आठ लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिनमें क्लब के दो सह-मालिक गौरव लूथरा और उसके भाई सौरभ लूथरा भी शामिल हैं। दोनों को थाईलैंड से हिरासत में लेकर भारत लाया गया था।

आर्मी कैंप में फायरिंग, जेसीओ की मौत

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में स्थित एक आर्मी कैंप के भीतर फायरिंग हुई। घटना में सेना के एक जूनियर कमीशंड ऑफिसर (जेसीओ) की मौत हो गई। यह घटना मंगलवार देर रात हुई। रक्षा प्रवक्ता ने बुधवार को यह जानकारी दी। प्रवक्ता के अनुसार, ड्यूटी के दौरान जेसीओ को गोली लगी थी। इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। शुरुआती जांच में इस घटना के पीछे किसी आतंकी साजिश की आशंका से इनकार किया गया है। मामले की जांच जारी है। तथ्यों की पुष्टि के बाद आगे की जानकारी साझा की जाएगी।

20 साल बाद उद्धव-राज ठाकरे की पार्टी में गठबंधन, कहा -हमारी सोच एक, बंटेंगे तो बिखरेंगे

मुंबई (एजेंसी)। उद्धव और राज ठाकरे ने बुधवार को बृहन मुंबई नगर निगम चुनाव एक साथ लडऩे का ऐलान किया। 20 साल बाद दोनों की पार्टी शिवसेना (यूबीटी) और मनसे में चुनावी गठबंधन हुआ है। इससे पहले 2005 में राज ठाकरे ने शिवसेना से अलग होकर मनसे पार्टी बनाई थी। दोनों ने जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसका ऐलान किया। उद्धव ठाकरे ने कहा कि हमारी सोच एक है अगर बंटेंगे तो बिखरेंगे। महाराष्ट्र के लिए हम सब एक हैं। इससे पहले दोनों नेता शिवाजी पार्क स्थित बालासाहेब ठाकरे के स्मारक पहुंचे और श्रद्धांजलि दी। महाराष्ट्र में बीएमसी समेत 29 नगर निगमों में 15 जनवरी को वोटिंग होगी। 16 जनवरी को रिजल्ट आएगा। राज ठाकरे ने कहा कि मैने एक बार कहा था कि हमारी आपसी किसी भी विवाद या लड़ाई से महाराष्ट्र बड़ा है। आज की बैठक के बाद हम अन्य नगर निगमों के लिए भी घोषणा करेंगे। मुंबई का मेयर मराठी ही होगा और वह हमारे दल से होगा। वहीं उधव ठाकरे ने कहा कि मैं सभी से अनुरोध और अपील करता हूं कि पिछली विधानसभा चुनावों के दौरान भाजपा ने बंटेंगे तो कटेंगे जैसा दुष्प्रचार किया था। मैं मराठी लोगों से कहना चाहता हूं- अब अगर आपसे चूक हुई तो सब खत्म हो जाएगा। अब अगर हम बंटे तो पूरी तरह मिट जाएंगे। इसलिए न टूटें, न बंटें। मराठी अस्मिता की विरासत को न छोंड़ें।

जम्मू कश्मीर के पांच जिलों में हिमस्खलन की चेतावनी

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर के ऊपरी इलाकों में हाल में हुई भारी बर्फबारी के मद्देनजर केंद्र शासित प्रदेश के पांच जिलों में हिमस्खलन की चेतावनी दी गई है। जिला अधिकारियों ने बताया कि डोडा, गांदरबल, किश्तवाड़, पुंछ और रामबन जिलों के लिए कम खतरे वाली हिमस्खलन की चेतावनी दी गई है। उन्होंने बताया कि अगले 24 घंटों के दौरान इन जिलों से 2,800 मीटर ऊपर हिमस्खलन होने की आशंका है। लोगों से हिमस्खलन की आशंका वाले इलाकों से बचने और सरकार की ओर से जारी परामर्श का पालन करने को कहा गया है। जम्मू कश्मीर के ज्यादातर ऊपरी इलाकों में इस हफ्ते हल्की से भारी बर्फबारी हुई है।

जल संकट से जूझ रही दुनिया के सामने हालिया रिसर्च में सामने आया चौंकाने वाला आंकड़ा

इंसानों से ज्यादा पानी पी रहा है एआई! - दुनिया भर के बोतलबंद पानी से भी ज्यादा की खपत

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोबाइल स्क्रीन पर उंगलियां चलती हैं, एक सवाल टाइप होता है और कुछ सेकंड में जवाब सामने होता है। आज एआई हमारी जिंदगी का इतना नॉर्मल हिस्सा बन चुका है कि हम रुककर यह सोचते भी नहीं कि इसके पीछे क्या चल रहा है। लेकिन जिस एसआई को हम स्मार्ट, फास्ट और फ्यूचर मान रहे हैं, वही एसआई चुपचाप धरती का पानी पी रहा है और वो भी इतनी मात्रा में कि अब खतरे की घंटी बजने लगी है। लगातार ये बहस चल रही है कि इसे रोका कैसे जाए और क्या-क्या विकल्प हैं। हालिया रिसर्च में सामने आया है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिस्टम्स की सालाना पानी की खपत अब उस पानी से ज्यादा हो सकती है, जितना पूरी दुनिया में एक साल में बोतलबंद पानी के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। यह आंकड़ा सुनने में भले ही अजीब लगे, लेकिन टेक इंडस्ट्री के अंदर यह सच्चाई धीरे-धीरे साफ हो रही है।

एसआई कोई हवा में चलने वाला जादू नहीं है। इसके पीछे हैं बड़े-बड़े डेटा सेंटर्स। ऐसी जगहें जहां हजारों सर्वर दिन-रात चलते रहते हैं। जब ये सर्वर काम करते हैं, तो गर्म होते हैं। इस गर्मी को कंट्रोल करने के लिए पानी का इस्तेमाल होता है। यही पानी असल में एसआई का असली ईंधन है, जिसके बारे में आम यूजर को कभी बताया नहीं जाता। रिसर्च बताती है कि 2025 तक एसआई से जुड़े सिस्टम 300 से 700 अरब लीटर तक पानी साल भर में खपा सकते हैं। कंपेयर करें तो यह मात्रा पूरी दुनिया में बिकने वाले बोतलबंद पानी से भी ज्यादा बैठती है। यानी जिस पानी को लोग खरीद-खरीद कर पीते हैं, उससे ज्यादा पानी एसआई की मशीनें खामोशी से इस्तेमाल कर रही हैं।

पानी के साथ बिजली भी...

मामला सिर्फ पानी तक लिमिटेड नहीं है। इन डेटा सेंटर्स को चलाने के लिए भारी मात्रा में बिजली चाहिए, और बिजली का मतलब है ज़्यादा कार्बन उत्सर्जन। अनुमान है कि आने वाले समय में एसआई से पैदा होने वाला कार्बन फुटप्रिंट कई बड़े शहरों के सालाना प्रदूषण के बराबर हो सकता है। लेकिन इस पर अब तक खुलकर बात नहीं हुई, क्योंकि ज्यादातर बड़ी टेक कंपनियां अपने डेटा सेंटर्स की असली पानी और बिजली खपत सार्वजनिक नहीं करतीं। दिलचस्प बात यह है कि एक-एक एसआई सवाल भले ही छोटा लगे, लेकिन उसका असर जुड़ता जाता है। जब करोड़ों लोग रोजाना एसआई टूल्स का इस्तेमाल करते हैं, तो पानी की यह छोटी-छोटी खपत मिलकर अरबों लीटर तक पहुंच जाती है। यही वजह है कि एक्सपर्ट्स अब चेतावनी देने लगे हैं कि अगर एसआईकी यह रफ्तार बिना किसी प्लानिंग के चलती रही, तो पानी की कमी और गहराएगी।

जल संकट से जूझ रही दुनिया

आज दुनिया पहले ही जल संकट से जूझ रही है। कई शहरों में पानी की सप्लाई सीमित है, गांवों में भूजल स्तर गिर रहा है और जलवायु परिवर्तन हालात और बिगाड़ रहा है। ऐसे में एआई का यह बढ़ता पानी-खर्च एक नया और बड़ा सवाल खड़ा करता है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि इस टेक्नोलॉजी की कीमत आने वाली पीढ़ियों के पानी से चुका रहे हैं। एआई को रोकना संभव नहीं है, और न ही जरूरी। लेकिन अब यह साफ हो चुका है कि सिर्फ स्मार्ट फीचर्स और तेज जवाब ही काफी नहीं हैं। सवाल यह भी है कि एआई कितना पानी ले रहा है, कहां से ले रहा है और इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा। कई एआई कंपनियां विकल्पों पर भी काम कर रही हैं कि कैसे पानी और बिजली की खपत को कम किया जा सके।

उप्र और बिहार की लोक अदालतों का खर्चा दिल्ली से 200 गुना ज्यादा

नई दिल्ली। दिल्ली की तुलना में उत्तर प्रदेश और बिहार की स्थायी लोक अदालतों (पीएलए) में प्रति मामले निपटान का खर्च लगभग 200 गुना अधिक है। एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली में प्रति मामले औसत निपटान खर्च मात्र 500 रुपये है, जबकि हरियाणा में यह 766 रुपये। इसके उलट, उत्तर प्रदेश में यह राशि 1,10,895 रुपये और बिहार में करीब 1,06,000 रुपये पहुंच जाती है। राष्ट्रीय औसत प्रति मामले निपटान खर्च 2,650 रुपये है। स्थायी लोक अदालतों की कार्यक्षमता में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। वर्ष 2016-17 में केवल 93 हजार मामलों का निपटारा हुआ था, जो 2024-25 में बढ़कर 2.37 लाख से अधिक हो गया। यह 155 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्शाता है, जो न्याय प्रणाली की तेजी और पहुंच में मजबूती का संकेत है। इससे स्पष्ट है कि दिल्ली के मुकाबले उत्तर प्रदेश और बिहार में खर्च 200 गुना से ज्यादा, जबकि हरियाणा की तुलना में 140 गुना अधिक है। रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि संसाधनों का बेहतर उपयोग करके खर्च को तर्कसंगत बनाया जाए, ताकि दक्षता और परिणामों में सुधार हो। साथ ही, प्रत्येक बैठक पर औसतन 17 हजार रुपये खर्च होने की बात सामने आई है। रिपोर्ट में स्थायी लोक अदालतों में रिक्त पदों पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई है। बिहार, पंजाब, तमिलनाडु, राजस्थान और ओडिशा जैसे राज्यों में अध्यक्षों व सदस्यों की नियुक्ति में बड़ी कमी है, जिससे संस्थान का कामकाज प्रभावित हो रहा है। समाधान के लिए मजबूत नियुक्ति और निगरानी व्यवस्था लागू करने की अनुशंसा की गई है, जिससे इन अदालतों की पहुंच व प्रभावशीलता बढ़ सके। 2015 से 2025 के बीच देशभर में 1.61 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान की गई। इसके परिणामस्वरूप पीड़ितों को कुल 2,354 करोड़ रुपये का मुआवजा मिला। इसी अवधि में राष्ट्रीय लोक अदालतों के जरिए 40 करोड़ से ज्यादा मामलों का निपटारा हुआ, जबकि स्थायी लोक अदालतों में 13,11,345 मामलों का समाधान किया गया।

पर्यावरण मंत्री का दावा कहा- प्रदूषण के लिए सिर्फ दिल्ली जिम्मेदार नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में गहराते वायु प्रदूषण के संकट पर केंद्र सरकार ने अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा है कि राजधानी की हवा में घुलता जहर केवल स्थानीय गतिविधियों का परिणाम नहीं है। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने एक आर्थिक सम्मेलन के दौरान इस गंभीर मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने रेखांकित किया कि दिल्ली के प्रदूषण को केवल शहर की सीमाओं के भीतर से पैदा होने वाले उत्सर्जन के चश्मे से देखना गलत होगा। प्रदूषण के लिए सिर्फ दिल्ली जिम्मेदार नहीं है। इसके पीछे पड़ोसी राज्यों से आने वाला धुआं, भौगोलिक स्थितियां, मौसम में बदलाव और क्षेत्रीय वायु प्रवाह जैसे कई महत्वपूर्ण कारक जिम्मेदार हैं।

मंत्री भूपेंद्र यादव ने स्पष्ट किया कि वायु गुणवत्ता की समस्या एक क्षेत्रीय चुनौती है, जिसके लिए केंद्र सरकार सभी संबंधित राज्यों के साथ मिलकर एक समन्वित रणनीति पर काम कर रही है। आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने एक सकारात्मक पक्ष भी सामने रखा। मंत्री ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में किए गए निरंतर प्रयासों के कारण दिल्ली की वायु गुणवत्ता में सुधार के संकेत मिले हैं। साल 2016 में जहां दिल्ली ने केवल 110 स्वस्थ एक्यूआई दिन (बेहतर वायु गुणवत्ता वाले दिन) देखे थे, वहीं 2025 में यह संख्या बढ़कर औसतन 200 दिनों तक पहुंच गई है। इस सुधार का मुख्य श्रेय प्रदूषण नियंत्रण के कड़े उपायों और पंजाब व हरियाणा जैसे राज्यों में पराली जलाने की घटनाओं में आई कमी को दिया गया है। हालांकि, उन्होंने सचेत किया कि अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। सरकार का मानना है कि दिल्ली-एनसीआर की हवा को पूरी तरह स्वच्छ बनाने के लिए केवल राजधानी के स्तर पर प्रयास पर्याप्त नहीं होंगे। इसके लिए एक व्यापक और स्पष्ट विजन की आवश्यकता है, जिसमें पड़ोसी राज्यों का सक्रिय सहयोग और क्षेत्रीय स्तर पर प्रदूषण के स्रोतों की पहचान कर उन्हें नियंत्रित करना अनिवार्य है। अंततः, सामूहिक उत्तरदायित्व और वैज्ञानिक दृष्टिकोण ही इस वार्षिक पर्यावरणीय संकट का स्थायी समाधान प्रदान कर सकते हैं।

प्रियंका गांधी का एकमात्र उद्देश्य भाई राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाना: शिवकुमार

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार का यह बयान हालिया राजनीतिक घटनाक्रमों के बीच काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दिल्ली में मीडिया से बात कर उन्होंने न केवल राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस के नेतृत्व को लेकर स्थिति स्पष्ट की, बल्कि कर्नाटक की राजनीति में चल रही उथल-पुथल पर भी अपनी राय रखी। शिवकुमार ने उन अटकलों को सिरे से खारिज कर दिया जिसमें प्रियंका गांधी वाड्रा को प्रधानमंत्री पद के चेहरे के रूप में देखा जा रहा था।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि प्रियंका गांधी का एकमात्र उद्देश्य अपने भाई राहुल गांधी को देश का प्रधानमंत्री बनाना है। शिवकुमार ने कहा कि उनके लिए मल्लिकार्जुन खड़गे (एआईसीसी अध्यक्ष) ही सर्वोच्च नेता हैं और राहुल गांधी विपक्ष के नेता के रूप में पार्टी का मुख्य चेहरा हैं। दरअसल यह स्पष्टीकरण रॉबर्ट वाड्रा के उस बयान के बाद आया जिसमें उन्होंने अपनी पत्नी प्रियंका गांधी वाड्रा की नेतृत्व क्षमता की तारीफ कर उनके राजनीति में उज्ज्वल भविष्य की बात की थी, जिससे नेतृत्व को लेकर नई चर्चाएं शुरू हो गई थीं।

वहीं पिछले कुछ समय से कर्नाटक में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार के बीच ढाई-ढाई साल के सत्ता हस्तांतरण के समझौते की खबरें आ रही थीं। इस विवाद पर शिवकुमार ने कहा कि वर्तमान में नेतृत्व को लेकर कोई विवाद नहीं है। उन्होंने कहा, मैं उपमुख्यमंत्री के रूप में खुश हूं और मुझे एक पार्टी कार्यकर्ता बने रहना पसंद है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नेतृत्व को लेकर कोई भी निर्णय लेना पूरी तरह से कांग्रेस आलाकमान का अधिकार है और जो भी निर्णय लिया जाएगा, वह उन्हें स्वीकार होगा। डीके का यह बयान कांग्रेस के भीतर एकता दिखाने और नेतृत्व को लेकर किसी भी तरह के भ्रम को दूर करने की एक कोशिश है। विशेष रूप से प्रियंका गांधी को

लेकर उनके बयान ने यह संदेश दिया है कि परिवार के भीतर और पार्टी में राहुल गांधी ही प्रधानमंत्री पद के लिए पहली पसंद बने हुए हैं।

नशे को न और खेलों का हां कहें युवा : उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन

आगरा (एजेंसी)। उप-राष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा है कि माता-पिता अपने बच्चों को खेलों के लिए प्रोत्साहित करें। बच्चे खेलों से जुडेंगे और खेल में पारंगत होकर देश के लिए पदक जीतेंगे। उन्होंने खिलाडियों से कहा कि नशे का न कहें और खेलों को हां कहें। जब खेलों में व्यस्त रहेंगे, तो नशे के लिए समय ही नहीं होगा। सांसद खेल स्पर्धा समारोह में मुख्य अतिथि उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन रहे. एकलव्य स्पोर्ट्स स्टेडियम सांसद खेल स्पर्धा में तलवार बाजी और वॉलीबॉल मैच हुआ। इसके साथ ही उप-राष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने अलग-अलग इवेंट में विजेता रहे खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किया। अपने सम्बोधन में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि आगरा आकर बहुत अच्छा लग रहा है। मैं कॉलेज में लंबी दूरी का धावक और टेबिल टेनिस खिलाड़ी रहा हूं। मैंने केरल 800 किलोमीटर की पदयात्रा भी खिलाड़ी होने की वजह से सही से की थी। खेल हमें स्वस्थ रखते हैं। खेल केवल स्पर्धा नहीं हैं। हार और जीत के साथ ही हमें अनुशासन, धैर्य, परिश्रम करना सिखाते हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि 2014 के बाद भारत का ओलंपिक में प्रदर्शन सुधारा है। मेडल बढ़े हैं। पहले हमारा ध्यान हॉकी पर था। आज हमारे खिलाडी बैडमिंटन, बॉक्सिंग, पॉवर लिफिटिंग, कुश्ती और अन्य इवेंट में मेडल जीत रहे हैं। ये उपलब्धि संयोग नहीं हैं। खिलाड़ी केंद्रित और नए इनोवेशन का परिणाम हैं। महिलाओं की खेलों में भागीदारी को बढ़ रही है।

अंकिता हत्याकांड में उत्तराखंड भाजपा प्रभारी का नाम सामने आने के बाद कांग्रेस हमलावर

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने अंकिता भंडारी हत्याकांड में उत्तराखंड भाजपा प्रभारी का नाम सामने आने के बाद मामले की जांच सुप्रीम कोर्ट के जज की निगरानी में सीबीआई से कराने की मांग की है। पार्टी ने कहा है कि भाजपा सरकार दोषियों को बचाने के लिए पूरी ताकत झोंक रही है।

इंदिरा भवन स्थित कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकारों से बात करते हुए उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल, प्रदेश कांग्रेस के सह-प्रभारी सचिव सुरेंद्र शर्मा और मनोज यादव ने भाजपा को घेरते हुए कहा कि बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का नारा खोखला साबित हो रहा है और उत्तराखंड में महिलाओं की सुरक्षा गंभीर खतरे में है।

गोदियाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक वीडियो दिखाया, जिसमें खुद को भाजपा के पूर्व विधायक सुरेश राठौर की पत्नी बताने वाली एक महिला यह दावा करती नजर आ रही है कि उसके पति की एक ऑडियो रिकॉर्डिंग है, जिसमें अंकिता भंडारी की हत्या का उल्लेख है। उन्होंने कहा कि यह ऑडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो चुका है। इसमें सुरेश राठौर यह कहते सुनाई देते हैं कि अंकिता की हत्या इसलिए हुई क्योंकि उसके ऊपर उत्तराखंड भाजपा के प्रभारी

दुष्यंत कुमार गौतम के साथ शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बनाया जा रहा था। कांग्रेस नेता ने कहा कि भाजपा नेता बेटियों के प्रति कैसी नीयत रखते हैं, यह शर्मनाक सच्चाई इस मामले से उजागर होती है। उन्होंने कहा कि भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के नाम सामने आए हैं, तो पूरी भाजपा सरकार उन्हें बचा रही है और खामोश बैठी हुई है। उन्होंने बताया कि शुरुआत से ही भाजपा सरकार ने इस मामले को दबाने की पूरी कोशिश की। उन्होंने कहा कि अंकिता भंडारी के लापता होने के बाद उसका शव मिलने से पहले ही उसके कमरे को बुलडोजर से तोड़ दिया गया और बिस्तर को जलाने की कोशिश हुई। उन्होंने कहा कि यह पूरी कार्रवाई सबूतों को नष्ट करने की साजिश का हिस्सा थी। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि कार्रवाई करनी ही थी, तो होटल मालिक के निजी आवास पर क्यों नहीं की गई। गोदियाल ने उत्तराखंड सरकार, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और भाजपा नेताओं पर आरोप लगाते हुए कहा कि सत्ता का दुरुपयोग कर इस केस को दबाने और प्रभावशाली लोगों को बचाने की कोशिश की गई। उन्होंने यह भी कहा कि इस मामले में गठित एसआईटी ने निष्पक्ष जांच करने के बजाय गवाहों को डराने का काम किया।

उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील की कि वे इस मामले में हस्तक्षेप करें और इसकी जांच सुप्रीम कोर्ट के किसी वर्तमान या सेवानिवृत्त जज की निगरानी में सीबीआई से कराई जाए, ताकि किसी भी तरह का दबाव जांच को प्रभावित न कर सके। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि अगले 10-12 दिनों में उत्तराखंड सरकार सीबीआई जांच की संस्तुति नहीं करती, तो कांग्रेस गढ़वाल मंडल मुख्यालय में बड़ा धरना-प्रदर्शन करेगी। गणेश गोदियाल ने कहा कि अंकिता भंडारी को न्याय दिलाना सिर्फ एक परिवार का नहीं, बल्कि पूरे समाज और महिला सुरक्षा से जुड़ा सवाल है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक दोषियों को सजा नहीं मिलती, कांग्रेस इस लड़ाई को पूरी मजबूती से जारी रखेगी।

सेक्युलर होने का अर्थ किसी एक वर्ग का तुष्टिकरण करना नहीं: केंद्रीय मंत्री गडकरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने नई दिल्ली में आयोजित पुस्तक लोकार्पण कार्यक्रमों के दौरान देश की राजनीतिक विचारधारा और सांस्कृतिक विरासत पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने वर्तमान सामाजिक चुनौतियों के लिए कांग्रेस की सेक्युलरिज्म की व्याख्या और वोट बैंक की राजनीति को जिम्मेदार ठहराया। गडकरी के अनुसार, देश में आज जो सांप्रदायिक समस्याएं दिखाई देती हैं, उनका मूल कारण धर्मनिरपेक्षता की गलत समझ है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सेक्युलर होने का अर्थ किसी एक वर्ग का तुष्टिकरण करना नहीं, बल्कि सर्व धर्म समभाव की भावना के साथ सभी धर्मों को समान सम्मान देना और सभी के साथ बराबरी का व्यवहार सुनिश्चित करना है।

राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष प्रो. वासुदेव देवनानी की पुस्तक सनातन संस्कृति की अटल दृष्टि के विमोचन पर बोलते हुए गडकरी ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के शब्दों को दोहराया। उन्होंने कहा कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र है और

हमेशा रहेगा, लेकिन यह किसी राजनीतिक दल या संगठन के कारण नहीं, बल्कि हमारी प्राचीन हिंदू और सनातन संस्कृति की वजह से है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सनातन संस्कृति विश्व कल्याण, सहिष्णुता और करुणा की सीख देती है और इतिहास गवाह है कि किसी भी हिंदू राजा ने धार्मिक स्थलों को नष्ट करने का कार्य नहीं किया। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन भी गरिमामयी उपस्थिति में मौजूद रहे। एक अन्य कार्यक्रम में नेशन फर्स्ट की अवधारणा पर चर्चा करते हुए गडकरी ने कहा कि राष्ट्रवाद केवल नारों तक सीमित नहीं होना चाहिए। उनके अनुसार, वास्तविक प्रगति के लिए देश के इतिहास को ईमानदारी से समझना और व्यवस्था की कमियों को दूर कर भविष्य की क्षमताओं को विकसित करना आवश्यक है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि आधुनिकीकरण का अर्थ पश्चिमी देशों की अंधी नकल करना नहीं, बल्कि अपने सभ्यतागत आत्मविश्वास को बनाए रखते हुए आगे बढ़ना है। इन कार्यक्रमों में भाजपा नेता सुधांशु त्रिवेदी और सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी भी शामिल हुए, जहां भारतीय मूल्यों और राष्ट्रीयता के प्रति एक नई दृष्टि विकसित करने पर जोर दिया गया।

अरावली पर्वतमाला की परिभाषा पर केंद्र, सुप्रीम कोर्ट और समिति तीनों नहीं हैं एकमत

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। अरावली पर्वतमाला के भविष्य और उसकी भौगोलिक पहचान को लेकर देश की सर्वोच्च संस्थाओं के बीच गंभीर मतभेद उभरकर सामने आए है। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा प्रस्तावित अरावली की नई परिभाषा-जो केवल 100 मीटर से अधिक ऊंचाई वाली पहाड़ियों को ही अरावली का हिस्सा मानती है-विवादों के घेरे में है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने 20 नवंबर को इस परिभाषा को स्वीकार कर लिया है, लेकिन उसकी अपनी ही संस्था सेंट्रल एम्पावर्ड कमेटी (सीईसी) और अदालत की सहायता के लिए नियुक्त एमिकस क्यूरी ने इस पर कड़े सवाल खड़े किए हैं। यह विवाद न केवल कानूनी है, बल्कि इसके पर्यावरणीय परिणाम भी बेहद चिंताजनक हो सकते हैं।

सीईसी, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने 2002 में पर्यावरण संबंधी आदेशों की निगरानी के लिए गठित किया था, ने इस नई परिभाषा का स्पष्ट विरोध किया है। समिति ने स्पष्ट किया कि 13 अक्टूबर को मंत्रालय द्वारा अदालत में पेश की गई परिभाषा को न तो सीईसी की मंजूरी प्राप्त थी और न ही इसकी कोई औपचारिक जांच की गई थी। इसके विपरीत, सीईसी का तर्क है कि फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया (एफएसआई) द्वारा 2010 में तैयार की गई परिभाषा को ही अपनाया जाना चाहिए। एफएसआई ने राजस्थान के 15 जिलों में 40,481 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को अरावली के रूप में चिह्नित किया था, जिसमें 3 डिग्री ढलान और न्यूनतम ऊंचाई वाली छोटी पहाड़ियों को भी शामिल किया गया था ताकि पर्वतमाला की अखंडता बनी रहे।

मंत्रालय की 100 मीटर की ऊंचाई वाली शर्त पर एमिकस क्यूरी के. परमेश्वर ने अदालत में कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने एक प्रस्तुति के माध्यम से बताया कि यह परिभाषा अरावली की भौगोलिक निरंतरता को नष्ट कर देगी। यदि केवल 100 मीटर से ऊंची चोटियों को ही अरावली माना जाएगा, तो हजारों छोटी और निचली पहाड़ियां कानूनी संरक्षण के दायरे से बाहर हो जाएंगी। इसका सीधा परिणाम यह होगा कि ये क्षेत्र खनन और अन्य निर्माण गतिविधियों के लिए खुल जाएंगे। जानकारों का मानना है कि ये छोटी पहाड़ियां थार मरुस्थल के विस्तार को रोकने के लिए प्राकृतिक अवरोध (विंड बैरियर) का काम करती हैं; इनके हटने से मरुस्थलीकरण का खतरा पूर्व की ओर बढ़ सकता है।

सीईसी के अध्यक्ष सिद्धांत दास ने मंत्रालय के दावों को भ्रामक करार देते हुए कहा कि मंत्रालय के हलफनामे में जिन विचारों को समिति का बताया गया है, वे वास्तव में एक सदस्य के व्यक्तिगत विचार थे। समिति ने स्पष्ट किया कि मंत्रालय की रिपोर्ट पर कोई औपचारिक समीक्षा नहीं हुई थी और न ही इसके मसौदे को साझा किया गया था। विरोधाभास तब और गहरा गया जब एफएसआई के एक आंतरिक आकलन से पता चला कि अरावली की कुल 1,18,575 पहाड़ियों में से 99 प्रतिशत से अधिक पहाड़ियां 100 मीटर की नई परिभाषा में शामिल ही नहीं हो पाएंगी। यहां तक कि 20 मीटर से ऊंची पहाड़ियों में से भी लगभग 91.3 प्रतिशत हिस्सा संरक्षण के दायरे से बाहर हो सकता है। पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने हालांकि आश्वासन दिया

है कि अरावली के केवल एक बहुत छोटे हिस्से (0.19 प्रतिशत) में ही खनन की अनुमति है, लेकिन मंत्रालय यह स्पष्ट करने में विफल रहा है कि नई परिभाषा लागू होने के बाद निचले क्षेत्रों में भविष्य के खनन और विकास को कैसे रोका जाएगा। जमीन पर अभी तक कोई वास्तविक सीमांकन नहीं हुआ है, जिससे यह सवाल बरकरार है कि मंत्रालय ने किस आधार पर सुप्रीम कोर्ट को यह भरोसा दिलाया कि 100 मीटर की परिभाषा पुराने मानकों से अधिक क्षेत्र को कवर करेगी। अरावली जैसी प्राचीन पर्वत श्रृंखला के अस्तित्व पर मंडराता यह संकट अब नीतिगत पारदर्शिता और पारिस्थितिक सुरक्षा के बीच एक बड़ी चुनौती बन गया है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह. 9334331934, 7903538992, 9570107019, RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902